जबलपुर गुरुवार 08 अक्टूबर 2026 > भाद्रपद शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी
वर्ष 32 अंक 101 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 34.8°C
न्यूनतम तापमान 22.0°C
सूर्योदय - 6.05 | सूर्यास्त - 5.51

सार्थक सोदे ने बढ़ाया नगर का गौरव... ▶▶ 4

महिलाओं के स्वास्थ्य पर खुलकर बात ... ▶▶ 7

मौदा में रास्ते को लेकर विवाद सरपंच ... ▶▶ 8

डॉक्टर-अस्पतालों के लिए सोशल मीडिया पॉलिसी बनी

नई गाइडलाइन में गारंटीड इलाज, नंबर-1 डॉक्टर जैसे दावे करने पर रोक

नई दिल्ली

डॉक्टरों और अस्पतालों के प्रचार-प्रसार को लेकर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें डॉक्टरों, अस्पतालों और मेडिकल संस्थानों के विज्ञापन, सोशल मीडिया प्रचार, पॉडकास्ट, वेबसाइट, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और एआई से तैयार प्रचार सामग्री तक के लिए नियम तय किए गए हैं। गाइडलाइन का मकसद मरीजों को भ्रामक दावों से बचाना और चिकित्सा पेशे की गरिमा बनाए रखना है। नई गाइडलाइन के मुताबिक डॉक्टर या अस्पताल अपने प्रचार में बेस्ट, नंबर-1, लीडिंग, मोस्ट ट्रस्टेड, टॉप या नंबर वन स्पेशलिस्ट जैसे दावे नहीं कर सकेंगे, जब तक इन दावों को स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से साबित न किया जा सके। इसी तरह गारंटीड इलाज जैसे दावे करके मरीजों को आकर्षित करना भी प्रतिबंधित किया गया है। डॉक्टरों को अपने इलाज की सफलता दर या इलाज किए गए मरीजों की संख्या को इस तरह प्रचारित करने से भी रोक दिया गया है, जिससे चिकित्सा सेवा का व्यावसायिक प्रचार नजर आए। आयोग ने विज्ञापन की परिभाषा को काफी व्यापक रखा है। इसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंच, वेबसाइट, ब्लॉग, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, पॉडकास्ट, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, डिजिटल प्रचार और एआई से तैयार प्रचार सामग्री तक को शामिल किया गया है। यानी डॉक्टर या अस्पताल सोशल मीडिया को विज्ञापन के नियमों से बाहर मानकर प्रचार नहीं कर सकेंगे। गाइडलाइन में मरीज की तस्वीर, वीडियो, मेडिकल रिकॉर्ड, इलाज की जानकारी, क्लिनिकल तस्वीर और मरीज के अनुभव या

प्रशंसापत्र के इस्तेमाल को लेकर भी सख्त नियम हैं। मरीज की पहचान से जुड़ी जानकारी को विज्ञापन के लिए इस्तेमाल करने पर रोक लगाई गई है। नई गाइडलाइन का सबसे नया पहलू एआई से जुड़े प्रचार को लेकर है। आयोग ने कहा है कि एआई से तैयार या एआई की मदद से बनाई गई प्रचार सामग्री का इस्तेमाल मरीजों को गुमराह करने के लिए नहीं किया जा सकता। एआई की मदद से मरीज की तस्वीर, आवाज, प्रशंसापत्र या इलाज के नतीजे को बदलकर पेश करना प्रतिबंधित है। डॉक्टरों को ऐसा प्रचार करने से भी रोका गया है जिससे मरीजों में किसी बीमारी या प्रक्रिया को लेकर अनावश्यक डर पैदा हो और उसके आधार पर इलाज या जांच की मांग बढ़े। इसी तरह किसी तीसरे पक्ष को मरीज जुटाने के लिए मार्केटिंग करने की अनुमति नहीं होगी। आयोग ने साफ कहा है कि गाइडलाइन का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। इसमें रजिस्टर से निश्चित अवधि के लिए नाम हटाना या अन्य दंड और आर्थिक जुर्माना, जहां कानून इसकी अनुमति देता है, शामिल हो सकता है।

छूट, कूपन और कैशबैक प्रलोभन पर भी रोक

आयोग ने अस्पतालों और डॉक्टरों के लिए डिस्काउंट, सीमित समय के ऑफर, कूपन, उपहार, कैशबैक, रेफरल लाभ और मुफ्त प्रक्रिया जैसे तरीकों से मरीज आकर्षित करने पर भी रोक लगाई है। हालांकि, गाइडलाइन में डॉक्टरों को पूरी तरह सार्वजनिक संवाद से नहीं रोका गया है। डॉक्टर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, जनस्वास्थ्य अभियान, अकादमिक चर्चा और बीमारी से जुड़ी शैक्षणिक सामग्री में हिस्सा ले सकते हैं, बशर्ते इसका इस्तेमाल अपने निजी क्लिनिक या सेवा का प्रचार करने, मरीज जुटाने या व्यावसायिक प्रचार के लिए न किया जाए। डॉक्टर टीवी, रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अपने नाम और पद के साथ बीमारी और जनस्वास्थ्य पर बातचीत भी कर सकते हैं, लेकिन इसमें अपने नियोक्ता संस्थान का प्रचार नहीं होना चाहिए।

रविवार को निरीक्षण: 68 अनुपस्थित शिक्षकों को नोटिस

छतरपुर। जिले में शिक्षा विभाग की अजब-गजब कार्रवाई का मामला समाने आया है। रविवार को अवकाश के दिन बंद स्कूल का अधिकारियों ने निरीक्षण कर लिया और 68 शिक्षकों को अनुपस्थित बताते हुए नोटिस भी जारी कर दिए गए। जिला शिक्षा विभाग से जारी नोटिस के अनुसार बड़ामलहरा के शासकीय संदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रविवार 4 अक्टूबर को भोपाल से पहुंची विशेष टीम और विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने दोपहर 3 बजे निरीक्षण किया। इस दौरान स्कूल का मुख्य गेट बंद मिला और सुरक्षा गार्ड भी मौके पर मौजूद नहीं था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरजी ठुम्मर का निधन

अहमदाबाद। गुजरात के अमरेली में पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरजी ठुम्मर का 67 की उम्र में बुधवार को निधन हो गया। वीरजी ठुम्मर लंबे समय से बीमार थे और अपने गांव में उनका इलाज चल रहा था। राजनीति के अलावा, वीरजी थुम्मर ने विभिन्न सहकारी संगठनों में भी अपनी सेवाएं दीं।

मुख्य चुनाव आयुक्त का छत्तीसगढ़ दौरा टला

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का 8 अक्टूबर को होने वाला छत्तीसगढ़ दौरा टाल दिया गया है। दौरे में ज्ञानेश कुमार को दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी माता मंदिर, बस्तर के चित्रकोट वॉटरफॉल और कवर्धा के भोरमदेव मंदिर जाना था। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी लेटर के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार को राज्य अतिथि घोषित किया गया था और उनके लिए जरूरी प्रोटोकॉल की व्यवस्था की गई थी।

'विपक्षी मंच...सियासी लंच'

राहुल बोले- हर एफआईआर मेरे लिए मेडल, अब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली के जनपथ स्थित सागर रत्ना रेस्टोरेंट में इंडिया ब्लॉक के सांसदों के साथ लंच किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन जारी रहेगा। खड़गे ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की ओर से बार-बार गलत फैसले लिए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जरिए भी ऐसा करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे देश में लोकतंत्र प्रभावित हो रहा है और संविधान की भी अनदेखी की जा रही है। खड़गे ने कहा कि विपक्ष का मकसद लोगों की आवाज पूरे देश तक पहुंचाना है। लंच के बाद राहुल गांधी ने कहा कि अब विपक्षी सांसद जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, 'हम अब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे, जो प्रदर्शन के लिए तय जगह है।' राहुल गांधी ने बताया कि विपक्षी सांसद पहले मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें वहां प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली। अब वे जंतर-मंतर पर एक साथ बैठकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। विपक्षी सांसदों के साथ लंच के बाद राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलना चाहते थे, लेकिन उन्हें

वहां प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई। अब विपक्षी सांसद तय प्रदर्शन स्थल जंतर-मंतर जाएंगे और वहां एक साथ प्रदर्शन करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए ज्ञानेश कुमार देश के वैध मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार पर लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा। एफआईआर को लेकर उन्होंने कहा- मेरे खिलाफ पहले से 45 एफआईआर हैं और उनका लक्ष्य 100 एफआईआर का है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ दर्ज हर एफआईआर मेरे लिए एक मेडल है। खड़गे की बुलाई लंच बैठक में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी पहुंचीं। बैठक जनपथ स्थित सागर रत्ना में रखी गई थी। इसमें इंडिया गठबंधन के दूसरे दलों के सांसदों के भी शामिल होने की जानकारी सामने आई। विपक्षी सांसदों की यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब वे चुनाव आयोग से सीधे मुलाकात कर अपनी शिकायतें रखने की मांग कर रहे हैं।

राहुल-प्रियंका हिरासत में, कार्यकर्ताओं ने बस को किया पंचर

विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा को बुधवार को पुलिस ने जबरदस्ती हटाया और हिरासत में ले लिया। वे दूसरे नेताओं के साथ मध्य दिल्ली में शांगरी-ला होटल के पास गोलचक्कर पर धरने पर बैठे थे। राहुल गांधी और दूसरे सांसद व नेता बसों में सवार होकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन वाली जगह जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रियंका गांधी संविधान की एक प्रति लेकर दूसरी महिला नेताओं के साथ सड़क पर लेट गईं। सुरक्षाकर्मी बड़ी संख्या में वहां जमा हो गए और उन्होंने पहले राहुल गांधी को जबरदस्ती हटाया। उन्हें कंधों पर उठाकर पुलिस की बस में बिठाया। बाद में कांग्रेस ने कहा, जिस बस में राहुल गांधी जी को ले जाया जा रहा था, उसके टायर को कांग्रेस के 'बब्बर शेरों' ने अग्रसेन की बावली के पास पंचर कर दिया।

एफआईआर से डरने वाले नहीं

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि चाहे हजारों एफआईआर दर्ज कर दी जाएं, वे इससे डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भी एफआईआर को लेकर कहा कि क्या वे इससे डरने वाले हैं? उन्होंने कहा कि वे सिर्फ लंच के लिए आए हैं और लंच करेंगे। हुड्डा ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की उनकी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि एक एफआईआर दर्ज हुई है, जिसमें उनका नाम भी शामिल है।

कूनो के बाद अब नौरादेही अभयारण्य में भी दौड़ेंगे चीते

मुख्यमंत्री ने रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में रिलीज किए दो चीते

सागर। रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही अभयारण्य) में कूनो राष्ट्रीय उद्यान से आए गए दो चीते नर थोलो और मादा सीसीबी-3 को बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रिलीज किया। बुंदेलखंड के जंगलों में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। क्षेत्र में बाघ और तेंदुए के बाद यह पहली बार है कि अब चीते भी अपने नए प्राकृतिक आवास में पहचान बनाएंगे। सागर जिले के रहली ब्लाक स्थित मुहाली रेंज में आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव चीतों का क्वारेंटाइन बाडे में चीतों को रिलीज किया। चीतों को रखने के लिए दो प्रकार के बाड़ों को तैयार किया गया हैं। पहले सुरक्षित बसाहट के लिए दोनों चीतों को क्वारेंटाइन बोमा (बाड़ा) में रखा जाएगा। इस बाड़े का क्षेत्रफल कम है। यहां चीतों के स्वास्थ्य, व्यवहार, संभावित बीमारियों और नए स्थान में सर्वाइवल का आंकलन चीता मित्रों द्वारा किया जाएगा। 12 से 15 दिन तक क्वारेंटाइन में रखने के बाद चीतों को साफ्ट रिलीज बोमा में शिफ्ट किया जाएगा। साफ्ट रिलीज बोमा का क्षेत्रफल करीब 439 एकड़ का होगा। चीतों के लिए मुहाली रेंज के जिस क्वारेंटाइन बाडे में रखा गया है। उनकी ऊंचाई 10 फीट है। जबकि साफ्ट रिलीज बाडे की ऊंचाई 14 फीट है। इन वाडों में छह लेयर में इलेक्ट्रिक पल्स तार लगाए गए है। ताकि अन्य जंगली जानवरों से सुरक्षा की जा सके। वीडीटीआर के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि मुहाली रेंज में खुले घास के मैदान हैं। यहां घने पेड भी हैं।

'भारत को अलर्ट रहना होगा'

फ्लाईदुबई हाईजैक के बाद इजराइली राजदूत ने चेताया

नई दिल्ली। भारत में इजरायली राजदूत रियुवेन अजार ने संभावित कट्टरपंथी इस्लामी आतंकी हमलों को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल समेत दुनिया के देशों को आतंकवाद की एक नई लहर के लिए तैयार रहना होगा। आतंकी संगठन सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों से ज्यादा तेजी से अपनी तैयारी और क्षमता बढ़ा रहे हैं। ऐसे में उनसे एक कदम आगे रहने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को भी तेजी से काम करना होगा। अजार ने कहा, आतंकी हमसे तेज हैं और हमें उनसे तेज होना होगा।

अगर आतंकवाद की अगली लहर से बचना है तो लगातार सतर्क रहना होगा और समय रहते तैयारी करनी होगी। हमें सतर्क और तेजी से काम करना होगा, तभी हम आतंक की अगली लहर से आगे रह पाएंगे। और अगली लहर आएगी। आतंकी संगठनों के बीच बढ़ते सहयोग को लेकर सवाल पर अजार ने हमास की मिडिल ईस्ट से बाहर बढ़ती गतिविधियों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक साल में हमास के कई वरिष्ठ कमांडर पाकिस्तान और बांग्लादेश में देखे गए हैं। उन्होंने हमास के नेताओं नाजी जाहिर और खालिद अल-कदूमी के जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने का भी दावा किया। अजार ने 2025 के पहलगाम आतंकी हमले को भी हमास के प्रभाव का उदाहरण बताया।

सूरज की एक करवट से अंतरिक्ष में मच सकती है तबाही

नई दिल्ली। धरती के ऊपर हजारों स्टारलिंक सैटेलाइट घूम रहे हैं। लेकिन इन सैटेलाइट्स के लिए एक बड़ा खतरा सूरज से आता है। सूरज पर जब तेज गतिविधियां होती हैं और सोलर स्टॉर्म आते हैं, तो इसका असर धरती के ऊपरी वायुमंडल पर पड़ता है। वायुमंडल गर्म होकर फैल जाता है। इससे सैटेलाइट्स पर एटमॉस्फेरिक ड्रैग बढ़ जाता है और उनकी ऊंचाई कम होने लगती है। इसका असर फरवरी 2022 में साफ दिखा था। स्पेसएक्स ने 49 स्टारलिंक सैटेलाइट लॉन्च किए थे। इसके बाद एक जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म आया। उस समय ये सैटेलाइट करीब 210 किलोमीटर की ऊंचाई पर थे। स्टॉर्म के कारण वहां वायुमंडल ज्यादा घना हो गया। इससे सैटेलाइट्स पर खिंचाव बढ़ा और 38 सैटेलाइट अपनी कक्षा में टिक नहीं पाए। कुछ

दिनों बाद वे धरती के वायुमंडल में वापस आकर जल गए। यह जानकारी 2023 में प्रकाशित एक रिसर्च में सामने आई थी। सूरज से लगातार एनर्जी निकलती रहती है। कई बार सूरज पर तेज विस्फोट होते हैं। इनका असर धरती तक पहुंच सकता है और जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म आ सकता है।

रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की दरें तय करने वाली समिति ने रेपो रेट बढ़ाने का सिलसिला शुरू करते हुए दर को 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 5.25 प्रतिशत से 5.50 प्रतिशत कर दिया। यह बढ़ोतरी 3 साल बाद हुई है। इससे पहले फरवरी 2023 में रेपो रेट में बढ़ोतरी हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक 5 अक्टूबर को शुरू हुई थी और आज यह फैसलों की घोषणा के साथ समाप्त हुई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने घोषणा की है कि एमपीसी ने वेस्ट एशिया में तनाव और महंगाई की चिंताओं के बीच रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट्स बढ़ाकर 5.5 प्रतिशत करने के पक्ष में वोट किया है। उन्होंने कहा, बदलते मैक्रो-इकोनॉमिक और फाइनेंशियल हालात, घटनाक्रम और भविष्य के अनुमानों का विस्तार से आकलन करने के बाद, एमपीसी ने सर्वसम्मति से एलएएफ के तहत पॉलिसी रेपो रेट को 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत करने का फैसला किया। इसके परिणामस्वरूप, एसडीएफ रेट को एडजस्ट करके 5.25 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट और बैंक रेट को 5.75 प्रतिशत कर दिया गया है। 7 अक्टूबर को गवर्नर संजय मल्होत्रा ने घोषणा की कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने वित्त वर्ष-27 के लिए अपनी रियल

जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, दूसरी और तीसरी तिमाही के लिए भी ग्रोथ के अनुमान बढ़ाए गए हैं। सेंट्रल बैंक ने वित्त वर्ष-27 के लिए ग्रोथ का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत और वित्त वर्ष-27 के लिए 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया। वित्त वर्ष-27 के लिए अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर ही बनाए रखा गया। आरबीआई ने फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए भारत की महंगाई दर 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, अगली तीन तिमाहियों (मौजूदा तिमाही सहित) में हेडलाइन सीपीआई महंगाई दर औसतन लगभग 5.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, और इस फाइनेंशियल ईयर के लिए कोर महंगाई दर 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

संघ का आदमी खुदा हो गया क्या: दिग्विजय

मोदी ने तय कर रखा है उनके अलावा कोई दूसरा प्रधानमंत्री नहीं बन सकता

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। बुधवार को भोपाल में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया कि देश के संवैधानिक और शैक्षणिक संस्थानों पर संघ से जुड़े लोगों को बैठाया जा रहा है। इस दौरान दिग्विजय ने उज्जैन से अयोध्या तक 1800 किलोमीटर लंबी 'सत्य, सनातन, स्वाभिमान यात्रा' का ऐलान किया और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी इसमें शामिल होने का न्योता दिया। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा- जो हालत आप देख रहे हैं, पिछले 12 साल में क्या हुआ है? इसके पहले अनेक लोग

प्रधानमंत्री रहे, लेकिन अटल जी के राज में कभी संवैधानिक संस्थाओं पर हमला नहीं हुआ था, न ही उन पर कब्जा करने का कोई प्रयास हुआ। जहां तक नरेंद्र मोदी जी का सवाल है, उन्होंने तो यह तय कर रखा है कि इस देश में उनके अलावा कोई दूसरा प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। भाजपा के अलावा दूसरी कोई सरकार नहीं बन सकती। संविधान में वे परिवर्तन ज्यादा इसलिए नहीं कर पाए, क्योंकि उन्हें दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला, लेकिन लोकतंत्र पर हमला उन्होंने हर कदम पर किया है। दिग्विजय सिंह ने शिक्षा क्षेत्र में नियुक्तियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। वाइस चांसलर, प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती में संघ से जुड़े लोगों को फायदा पहुंचाने का दावा किया। एनटीए के पूर्व चेयरमैन प्रदीप जोशी का उदाहरण देते हुए तंज कसा- हर बार चोरी पकड़ी जाती है और उस व्यक्ति का प्रमोशन हो जाता है। उन्होंने कहा कि कोविड काल में संघ को मिले 7 करोड़ रुपए के सहायता फंड को लेकर तत्कालीन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा था और पीएमएलए जांच की मांग की थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

ईवीएम-वोटिंग सिस्टम पर सवाल

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय ने कहा- ईवीएम के जरिए वोटों में धांधली हो रही, अगर बीजेपी मजबूत है तो बैलेट पेपर से चुनाव कराने में डर क्यों? उन्होंने कहा, निष्पक्ष चुनाव और बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग को लेकर वे राष्ट्रपति को एक डिजिटल याचिका भी भेजने वाले हैं।

महाकाल से अयोध्या तक पदयात्रा

दिग्विजय सिंह ने अपनी आगामी धार्मिक व सामाजिक पदयात्रा की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह यात्रा व्यक्तिगत या विशुद्ध रूप से राजनीतिक नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए जनजागृति अभियान है। इसमें राष्ट्रीय ध्वज के साथ धर्म ध्वज भी रहेगा।

खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले का सिंघम अवतार, बटली घाट में रेत माफियाओं पर बड़ा प्रहार...

सोती रही पुलिस, झाड़ियों में छुपकर घंटों किया माइनिंग अमले ने इंतजार तब हो सकी कार्यवाही

शहडोल (स्वतंत्रमत)

सोन नदी के बटली घाट पर लंबे समय से चल रहे अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने बुधवार तड़के बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। खनिज विभाग की टीम ने मौके पर दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन में लगे तीन डग्गी वाहनों को जब्त किया, और स्थानीय थानें में पुलिस अभिरक्षा में सुपुर्द किया। जबकि एक वाहन रेत खाली कर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद मजदूरों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फरार वाहन से जुड़े वीडियो प्रमाण भी सामने आये। खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले के नेतृत्व में की गई इस कार्यवाही को इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि विभागीय टीम ने कथित तौर पर लंबे समय से सक्रिय उस नेटवर्क को चकमा देकर कार्यवाही को अंजाम दिया, जो कार्यवाही से पहले ही खनिज अमले की गतिविधियों की जानकारी जुटा लेता था। कार्यवाही के बाद बटली, जरवाही और कसेढ़ क्षेत्र में सक्रिय बताए जा रहे अवैध रेत कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति है। जानकारी के अनुसार सोन नदी के बटली घाट क्षेत्र में पिछले कई दिनों से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बारिश का दौर समाप्त होते ही नदी के तटीय क्षेत्रों में रेत उत्खनन से जुड़े लोगों की गतिविधियां बढ़ने की चर्चाएं थीं।

बटली घाट के अलावा कसेढ़ और जरवाही क्षेत्र भी कथित तौर पर अवैध रेत उत्खनन को लेकर चर्चा में रहे हैं। लगातार मिल रही शिकायतों और गतिविधियों की पुष्टि के बाद खनिज विभाग ने इस बार सामान्य तरीके से कार्यवाही करने के बजाय रणनीति बदलकर कार्रवाई की। बताया गया कि खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले देर रात बाइक से गुप्त तरीके से उस क्षेत्र तक पहुंचे। इसके बाद विभागीय बल के कुछ सदस्यों को भी अलग-अलग तरीके से मौके पर टू-व्हीलर से ही बुलाया गया, ताकि कथित रेत कारोबारियों को कार्यवाही की भनक न लगे। साथ ही कार्यवाही की खबर भी कुछ पत्रकारों को दी। कार्यवाही से पहले खनिज निरीक्षक द्वारा करीब चार घंटे तक झाड़ियों में छिपकर मौके की गतिविधियों पर नजर रखी गई। इस दौरान रेत उत्खनन में लगे वाहनों की आवाजाही, मजदूरों की गतिविधियां और मौके से निकलने वाले रास्तों की जानकारी जुटाई गई। बताया गया कि कथित रेत कारोबारियों द्वारा कार्यवाही से बचने के लिए आसपास के रास्तों पर निगरानी रखी जाती थी। ऐसे में खनिज अमले ने सीधे वाहन लेकर पहुंचने के बजाय गोपनीय तरीके से मौके तक पहुंचकर पहले पूरे क्षेत्र की गतिविधियों को समझा और उसके बाद कार्रवाई को अंजाम दिया। सुबह होते ही खनिज विभाग की टीम ने सही समय देखकर बटली घाट पर दबिश दी। कार्यवाही के दौरान अवैध रेत उत्खनन में लगे चार डग्गी वाहनों को पकड़ा गया। वहीं मौके पर बड़ी संख्या में मजदूरों की मौजूदगी के कारण अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान एक डग्गी वाहन चालक कथित तौर पर रेत खाली कर वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। हालांकि, इस वाहन से संबंधित वीडियो फुटेज विभाग के पास सुरक्षित है। अन्य जब्त वाहनों के स्वामियों की पहचान सुनिश्चित कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही किए जाने की जानकारी सामने आई है। इस पूरी कार्यवाही का सबसे दिलचस्प पहलू कथित तौर पर रेत कारोबारियों द्वारा बनाया गया निगरानी नेटवर्क है। सूत्रों के मुताबिक, रेत उत्खनन से जुड़े लोगों ने एक ऐसा समूह बना रखा था, जिसमें कुछ लोगों की जिम्मेदारी क्षेत्र में आने-जाने वाले वाहनों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की थी। बताया जाता है कि खनिज विभाग अथवा अन्य सरकारी अमले की गतिविधियों की जानकारी तत्काल साझा की जाती थी। यही वजह बताई जा रही है कि इससे पहले की गई कार्यवाही के प्रयासों में कथित रेत कारोबारी समय रहते सतर्क हो जाते थे। यदि जांच में ऐसे किसी संगठित नेटवर्क की पुष्टि होती है तो यह मामला केवल अवैध रेत उत्खनन तक सीमित न रहकर पूरे संचालन तंत्र की जांच का बड़ा विषय बन सकता है। कार्यवाही के बाद स्थानीय स्तर पर रेत कारोबार को कथित संरक्षण मिलने के आरोप भी चर्चा में आए हैं। कुछ लोगों ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर दावा किया है कि निचले स्तर पर तैनात कुछ वर्दीधारियों की भूमिका को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। कुछ स्थानीय लोगों और रेत कारोबार से जुड़े बताए जा रहे व्यक्तियों ने ऐसे आरोप भी लगाए हैं कि कौशिक व चतुर्वेदी नामक व्यक्तियों द्वारा कथित तौर पर प्रति वाहन प्रतिदिन के हिसाब से इस अवैध रेत कारोबार में संरक्षण के नाम पर हजारों की रकम वसूली जाती थी, और वाहनों की संख्या पर वशूली गई यह कुल रकम रोजाना लाखों तक में पहुंच जाती थी। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि को लेकर सवाल बनें हैं। ऐसे में इन आरोपों के निष्पक्ष जांच ही यह स्पष्ट कर सकती है कि अवैध रेत परिवहन को किसी स्तर पर संरक्षण या सुविधा मिल रही थी अथवा नहीं। कार्यवाही के बाद एक और सवाल स्थानीय स्तर पर चर्चा में है। जिस क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की कार्यवाही हुई, वह स्थानीय थाने से करीब 8 से 10 किलोमीटर की दूरी पर है। दूसरी ओर खनिज विभाग का अमला करीब 30 किलोमीटर दूर से मौके पर पहुंचकर कार्यवाही करने में सफल रहा। बताया गया कि खनिज अमला सूचना मिलने के बाद करीब 40 मिनट में मौके पर पहुंच गया, जबकि स्थानीय पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद पहुंचने में लगभग एक घंटे का समय लगा। हालांकि अलग-अलग विभागों के मौके पर पहुंचने का समय परिस्थितियों, सूचना मिलने के समय और उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करता है, लेकिन इस अंतर ने स्थानीय स्तर पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

आरोग्य भारती महाकौशल प्रांत जिला इकाई उमरिया द्वारा लगाया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। आरोग्य भारती जिला इकाई उमरिया के तत्वावधान में बुधवार 7 अक्टूबर को ग्राम पंचायत कोयलारी में नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम के बच्चों, पुरुषों, महिलाओं एवं दिव्यांगजनों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिया गया। आरोग्य भारती इकाई उमरिया के अध्यक्ष पुष्पेंद्र द्विवेदी के निर्देशन तथा श्री रावेन्द्र सिंह जी भाई साब के मार्गदर्शन में नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. के.सी. सोनी जी, जिला सचिव, आरोग्य भारती एवं सिविल सर्जन, जिला अस्पताल उमरिया तथा डॉ. संदीप सिंह जी, उपाअध्यक्ष, आरोग्य भारती एवं आरएमओ, जिला अस्पताल उमरिया सह सचिव वीरेन्द्र शर्मा एवम् समस्त सदस्य अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। उनके साथ पैरामेडिकल स्टाफ, फार्मासिस्ट एवं सपोर्टिव स्टाफ ने भी शिविर में अपनी सेवाएं देते हुए स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण एवं आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया।शिविर के दौरान कुल 115 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें 63 बच्चे शामिल रहे। बच्चों में 36 बालक एवं 27 बालिकाओं का परीक्षण किया गया। वहीं 28 पुरुष एवं 24 महिलाओं, कुल 115 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श एवं सावधानियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला, जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख संतोष त्रिपाठी, जिला संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि अनुराग तिवारी सहित ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए आयोजकों एवं चिकित्सकीय टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेवा ज्योति यात्रा के तहत विकसित भारत संकल्प सभा का हुआ आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार 7 अक्टूबर को आयोजित सेवा ज्योति संकल्प यात्रा के तहत कृषि उपज मंडी प्रांगण में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनता का आशीर्वाद और विश्वास मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। मैं इस बात के लिए देश के जनता को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उसने मुझे लगातार 25 वर्षों तक जनसेवा का अवसर दिया। मेरे लिए जनता ईश्वर का रूप है। पिछले 25 वर्षों की जनसेवा का

अनुभव मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। यह मुझे हर दम कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के विश्वास ने मुझे बड़े संकट में धैर्य रखने और कठिन परिस्थितियों में दिन-रात देश की सेवा करने की प्रेरणा दी है। इसी के कारण राष्ट्र की सामूहिक चेतना ने कोरोना जैसे कठिन काल का सामना किया। हमारा देश वैदिक काल से लेकर विवेकानंद जी तक वैचारिक यात्रा और सांस्कृतिक मूल्यों का वाहक रहा है। हमने पूरे विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाया है। आज का दिन देश के विकास के संकल्पों को नई ऊर्जा देने का दिन है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भारत को 2047 तक विकसित भारत बनानें का लक्ष्य निश्चित किया है। उनके इस लक्ष्य को पूरा करनें के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। हम सबको देश के विकास में अपनी भूमिका का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि गांव गांव जाकर अलख जगाकर विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को सहभागी होना होगा।

एकलव्य विद्यालय के छात्रों का पैदल मार्च कलेक्टर कार्यालय जाने पर अड़े बच्चे

शहडोल (स्वतंत्रमत)

आदर्श एकलव्य विद्यालय जैतपुर/बिरौड़ी के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर कार्यालय की ओर पैदल मार्च शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं करीब 50 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय जाने के लिए पैदल रवाना हुए। इस दौरान बच्चों ने 'प्रिंसिपल हटाओ' के नारे लगाए। छात्रों के अचानक पैदल मार्च से प्रशासन और पुलिस महकमे में हलचल मच गई। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन और

पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बच्चों को रोककर उनकी समस्याएं जानने तथा उन्हें समझाने का प्रयास किया। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए अधिकारियों ने उनके साथ बातचीत की। मौके पर एसी आनंद राय सिन्हा एवं संबंधित शिक्षक भी मौजूद रहे। बताया गया कि बच्चों के लिए प्रशासन की ओर से बस और खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई, ताकि उन्हें करीब 50 किलोमीटर की दूरी पैदल तय न करनी पड़े। प्रशासनिक अधिकारी लगातार बच्चों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और मांगों को समझने का प्रयास करते रहे। हालांकि, बच्चों की ओर से विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई, लेकिन वे अपनी मांगों के संबंध में फिलहाल विस्तार से कुछ बताने को तैयार नहीं थे। छात्रों द्वारा लगाए गए 'प्रिंसिपल हटाओ' के नारों से मामला चर्चा में आ गया है। अब पूरे मामले में छात्रों की शिकायतों और विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन द्वारा क्या कार्यवाही की जाती है, यह देखने वाली बात होगी। अधिकारियों का प्रयास है कि बच्चों से बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए और उन्हें सुरक्षित तरीके से वापस विद्यालय पहुंचाया जा सके।

आरसेटी में 30 दिवसीय हाउस वायरिंग एवं बाइंडिंग प्रशिक्षण का हुआ समापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बुधवार 7 अक्टूबर को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान उमरिया में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 30 दिवसीय हाउस वायरिंग एवं बाइंडिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 8 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित किया गया, जिसमें कुल 22 पुरुष प्रशिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।समापन कार्यक्रम में आरसेटी निदेशक डॉ. तरुण कुमार सिंह, अग्रणी बैंक प्रबंधक गौतम कुमार सिंह, दीप नारायण सोनी, कृष्ण कुमार शुक्ला, पत्रकार राजबहादुर जायसवाल सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण पूर्ण

करने पर शुभकामनाएं देते हुए उन्हें प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त कौशल का उपयोग स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसर प्राप्त करने में करने के लिए प्रेरित किया। आरसेटी निदेशक डॉ. तरुण कुमार सिंह ने प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 30 दिनों के आवासीय प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने हाउस वायरिंग एवं बाइंडिंग से संबंधित जो तकनीकी ज्ञान और कौशल हासिल किया है, उसे प्रशिक्षण के बाद लगातार अभ्यास एवं मेहनत से और बेहतर बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बिजली और विद्युत उपकरणों का उपयोग प्रत्येक घर में बढ़ रहा है। ऐसे में प्रशिक्षित युवाओं के लिए इस क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की पर्याप्त संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर सूचना एवं तकनीक का है और बिजली के बिना दैनिक जीवन की कल्पना मुश्किल है। घरों, दुकानों और संस्थानों में विद्युत उपकरणों के बढ़ते उपयोग के कारण प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियनों की आवश्यकता लगातार बनी रहती है।

बोलेरो और अर्टिका भिड़ी, आधे दर्जन लोग जख्मी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मंसूरी पेट्रोल पंप के पास हाइवे पर बीते देर रात अर्टिका और बोलेरो की जोरदार भिड़ंत हुई है,इस दर्दनाक सड़क हादसे में आधे दर्जन के करीब लोग घायल हो गये। घटना के बाद सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लाया गया है,जहाँ सभी फिलहाल इलाजरत है।

मंगलवार.बुधवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे हुए इस हादसे को लेकर बताया जाता है कि चार पहिया वाहन अर्टिका में लोरहा निवासी प्रकाश यादव,गोलू यादव,रघु यादव मौजूद रहे,जो फिलहाल हादसे के बाद जख्मी है।वही दूसरी चार पहिया वाहन बोलेरो कटनी से बिरसिंहपुर जा रही थी,जिसमे पाली निवासी केदार सराफ, सुशील सोनी एवं राजेश कोल मौजूद थे,ये सभी भी दर्दनाक हादसे में गम्भीर रूप से जख्मी है।

लघु खेत तालाब स्वीकृत, काम नहीं हुआ और राशि निकासी का आरोप

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जयसिंहनगर जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम बुधसार, ग्राम पंचायत पतेरिया टोला निवासी शिवकुमार सिंह गोंड ने कलेक्टर को शिकायत आवेदन सौंपकर लघु खेत तालाब निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी पट्टा आराजी खसरा नंबर 5/1, रकबा 0.295 हेक्टेयर भूमि पर वर्ष 2025 में लघु खेत तालाब का कार्य स्वीकृत किया गया था, लेकिन मौके पर अब तक कोई कार्य नहीं कराया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि तालाब निर्माण का कार्य किए बिना ही फर्जी मास्टर रोल के माध्यम से राशि निकाल ली गई। शिकायतकर्ता ने आवेदन के साथ कथित मास्टर रोल की तीन प्रतियां और चयनित स्थल के फोटो भी संलग्न किए हैं। शिवकुमार सिंह ने बताया कि वह गरीब आदिवासी व्यक्ति है और नियम-कानून की पूरी जानकारी नहीं होने के कारण उसके साथ कथित तौर

पर इसका लाभ उठाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत के वर्तमान सरपंच के व्यवहार पर भी सवाल उठाते हुए मामले की तत्काल जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

गांव-गांव शिक्षा, संस्कार और जागरूकता पहुंचाने में जुटा एकल अभियान

ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा के साथ ग्राम विकास और स्वावलंबन पर जोर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार और ग्राम विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'एकल अभियान' निरंतर कार्य कर रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसे दूरस्थ गांवों तक शिक्षा और जागरूकता पहुंचाना है, जहां औपचारिक शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाएं सीमित हैं। एकल अभियान के माध्यम से गांवों में शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। एकल अभियान के तहत एकल विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जाता है। इसके साथ ही बच्चों और ग्रामीणों में भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता पैदा करने का कार्य भी किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत ग्राम विकास के लिए स्वावलंबन, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जागरूकता से जुड़े विभिन्न प्रयास किए जाते हैं। ग्रामीण समाज में एकता, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ गांवों को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। एकल अभियान का मानना है कि देश के विकास की मजबूत नींव गांवों के सशक्तिकरण से तैयार होती है। इसी उद्देश्य से शिक्षा और संस्कार को ग्रामीण विकास से जोड़ते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक जागरूकता पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान का लक्ष्य 'गांव-गांव शिक्षा, संस्कार और जागरण पहुंचाकर समाज को सशक्त बनाना' है।

साहित्य और संस्कारों से जुड़ाव का संदेश देती इंटरस्कूल अंत्याक्षरी प्रतियोगिता

दोहा, सोरठा और चौपाई के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिखाई साहित्यिक प्रतिभा, भारत माता स्कूल रहा प्रथम

शहडोल (स्वतंत्रमत)। पाठक मंच, साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद भोपाल एवं राष्ट्रीय कवि संगम के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में इंटरस्कूल अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दोहा, सोरठा एवं चौपाई के माध्यम से अपनी साहित्यिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य, काव्य परंपरा एवं संस्कारों से जोड़ना रहा। प्रतियोगिता में महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय की कक्षा नौवीं एवं दसवीं की टीमों के साथ भारत माता स्कूल, रघुराज एक्सीलेंस एवं टीडब्ल्यूडी घरौला के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का संयोजन पाठक मंच की जिला संयोजक संगीता शुक्ला 'स्वरा' ने किया। राष्ट्रीय कवि संगम की अध्यक्ष अंजू सिंह निर्णायक रहीं, जबकि प्रांतीय संरक्षक आचार्य मृगेंद्र श्रीवास्तव ने मंच संचालन किया। मुख्य अतिथि विद्यालय की प्राचार्य साधना जैन तथा विशिष्ट अतिथि अर्चना मित्तल रहीं। शिक्षिका अरुणिमा सिंह ने दोहा सस्वर प्रस्तुत कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। नीता सोनी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर शिक्षिका अदिति मिश्रा, अनुराधा

सोनी, तारा लारिया, अरुणिमा सिंह एवं शुभा श्रीवास्तव की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कठिन अक्षरों पर जब प्रतियोगी टीमें रुकतीं, तब उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की और पुरस्कार प्राप्त किए। सेवानिवृत्त शिक्षक एवं साहित्यकार मनोज खरे ने साहित्य एवं संस्कृति पर विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश दिया। युवा रचनाकार अनिकेत पयासी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत माता स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में श्रद्धा मिश्रा, गुंजन एवं प्रियांशी रजक शामिल रहीं। द्वितीय स्थान महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय की पूनम प्रजापति, किशन छवि एवं शालिनी पटेल की टीम ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान इसी विद्यालय की नेहा सिंह, विद्या रजक एवं मीनाक्षी देवी की टीम को मिला। सांत्वना पुरस्कार रघुराज एक्सीलेंस के आदित्य गौतम एवं यशस्वी सिंह तथा टीडब्ल्यूडी घरौला की हर्षिता बंजारा, अनुष्का सिंह एवं आकृति गुप्ता को प्रदान किया गया।

प्लास्टिक प्रदूषण: सुविधा से संकट तक

आज के आधुनिक जीवन में प्लास्टिक हमारी दैनिक आवश्यकताओं का एक सामान्य हिस्सा बन चुका है। पानी की बोतल, पैकेट, खिलौने, डिब्बे और अनेक घरेलू वस्तुओं में इसका उपयोग होता है। सस्ता, हल्का और आसानी से उपलब्ध होने के कारण प्लास्टिक लोकप्रिय है, लेकिन इसका अत्यधिक और लापरवाही से किया गया उपयोग आज प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीर समस्या बन गया है।

प्लास्टिक कचरा, समस्या की बड़ी वजह

प्लास्टिक प्रदूषण का प्रमुख कारण प्लास्टिक वस्तुओं का अत्यधिक उपयोग और उनका उचित निपटान न करना है। लोग अक्सर प्लास्टिक की थैलियाँ, बोतलें और पैकेट कचरे के साथ खुले स्थानों, सड़कों, नदियों और तालाबों में फेंक देते हैं। एक बार उपयोग होने वाली प्लास्टिक वस्तुएँ इस समस्या को और बढ़ाती हैं। प्लास्टिक प्राकृतिक रूप से आसानी से नष्ट नहीं होता और लंबे समय तक पर्यावरण में बना रह सकता है।

पर्यावरण और जीव-जंतुओं पर प्रभाव

प्लास्टिक कचरा नालियों और जल स्रोतों में जमा होकर जल के प्रवाह को बाधित कर सकता है। इससे जलभराव जैसी समस्याएँ बढ़ सकती हैं। नदियों और समुद्रों में पहुंचने वाला प्लास्टिक जलीय जीवों के लिए खतरा बन जाता है। कई पशु और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं या उसमें फँस जाते हैं, जिससे उनके जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

माइक्रोप्लास्टिक की नई चुनौती

प्लास्टिक के बहुत छोटे कणों को माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये जल, मिट्टी और खाद्य श्रृंखला तक पहुँच सकते हैं। इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण केवल भूमि की समस्या नहीं है, बल्कि यह जल और खाद्य सुरक्षा से भी जुड़ा विषय है। प्लास्टिक कचरे को खुले में जलाने से धुआँ हानिकारक प्रदूषक भी उत्पन्न हो सकते हैं।

समाधान, छोटी आदतों से बड़ा बदलाव

प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए सबसे पहले अनावश्यक प्लास्टिक का उपयोग घटाना होगा। बाजार जाते समय कपड़े या पुन: उपयोग किए जा सकने वाले बैग का प्रयोग करना चाहिए। एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के स्थान पर टिकाऊ विकल्प अपनाए जा सकते हैं। घर और विद्यालय में कचरे को अलग-अलग रखना तथा प्लास्टिक कचरे को उचित स्थान पर जमा करना भी आवश्यक है।

विद्यार्थियों की भूमिका

विद्यार्थी प्लास्टिक प्रदूषण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे स्वयं प्लास्टिक का अनावश्यक उपयोग न करें और परिवार तथा आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। पोस्टर, रैली, भाषण और नुक्कड़ नाटक जैसे माध्यमों से लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सकता है।

जिम्मेदारी हम सभी की

प्लास्टिक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसका अनियंत्रित उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। प्लास्टिक प्रदूषण रोकना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। हमें कम उपयोग करें, पुन: उपयोग करें, सही तरीके से पुनर्चक्रण करें के सिद्धांत को अपनाना चाहिए। आज की जागरूकता आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ, सुरक्षित, स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकती है।

स्नेहा जैन

शिक्षक, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर

भौतिकी विज्ञान के रोचक तथ्य

- प्रकाश की गति लगभग 3 लाख किमी प्रति सेकंड है।
- ध्वनि निर्वात में यात्रा नहीं कर सकती। प्रकाश ध्वनि से बहुत तेज चलता है।
- सूर्य का प्रकाश पृथ्वी तक लगभग 8 मिनट 20 सेकंड में पहुंचता है।
- गुरुत्वाकर्षण वस्तुओं को पृथ्वी की ओर खींचता है।
- पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमती है, जबकि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है।
- चुंबक के दो ध्रुव होते हैं, समान चुंबकीय ध्रुव एक-दूसरे को दूर धकेलते हैं, जबकि विपरीत ध्रुव एक-दूसरे को आकर्षित करते हैं।
- तांबा बिजली का अच्छा चालक है जबकि रबर बिजली का कुचालक है।
- काला रंग अधिक ऊष्मा अवशोषित करता है, सफेद रंग अधिक प्रकाश परावर्तित करता है।
- ऊर्जा नष्ट नहीं होती, केवल रूप बदलती है।
- गतिमान वस्तु में गतिज ऊर्जा होती है, ऊंचाई पर रखी वस्तु में स्थितिज ऊर्जा होती है।
- धातु गर्म होने पर फैलती है जबकि ठंडा होने पर अधिकांश पदार्थ सिकुड़ते हैं।
- बर्फ पानी से कम घनी होती है इसलिए बर्फ पानी पर तैरती है।
- पंखा हवा को ठंडा नहीं, बल्कि गतिशील करता है।
- ध्वनि कंपन से उत्पन्न होती है, तार वाले वाद्ययंत्र कंपन से ध्वनि पैदा करते हैं।
- मनुष्य की आवाज स्वरयंत्र के कंपन से बनती है।
- चमगादड़ अल्ट्रासाउंड का उपयोग करते हैं।
- रेडियो तरंगें भी विद्युतचुंबकीय तरंगें हैं।
- सौर पैनल प्रकाश ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलते हैं।
- बैटरी रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलती है।
- बल्ब विद्युत ऊर्जा को प्रकाश और ऊष्मा में बदलता है।
- मोटर विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में बदलती है।
- जनरेटर यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलता है।
- पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र मौजूद है। कम्पास पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र की सहायता से दिशा बताता है।
- चंद्रमा स्वयं प्रकाश नहीं बनाता। चंद्रमा सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करता है।

भविष्य की ऐसी तकनीकें, जो दुनिया बदल सकती हैं

आज विज्ञान और तकनीक बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। नई-नई तकनीकें हमारे जीवन को आसान बनाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, उद्योग और समाज के स्वरूप को भी बदल रही हैं। भविष्य में कई ऐसी तकनीकें विकसित हो सकती हैं, जो मानव जीवन में बड़े बदलाव लाएँगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट समाधान

कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक है। यह मशीनों को सीखने, जानकारी का विश्लेषण करने और समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम बनाती है। शिक्षा, चिकित्सा, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लगातार बढ़ सकता है।

रोबोटिक्स, मानव का सहयोगी

रोबोटिक्स के क्षेत्र में विकास से भविष्य में रोबोट घरों, अस्पतालों और उद्योगों में मनुष्यों की सहायता कर सकते हैं। कठिन, जोखिमपूर्ण और दोहराए जाने वाले कार्यों को रोबोट अधिक सुरक्षित ढंग से कर सकेंगे।

चालक रहित वाहन, सुरक्षित परिवहन

चालक रहित वाहन परिवहन के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। सेंसर और आधुनिक सॉफ्टवेयर की मदद से ऐसे वाहन बिना चालक के चलने और यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने में सहायक हो सकते हैं।

अंतरिक्ष तकनीक, नई दुनिया की खोज

भविष्य में अंतरिक्ष तकनीक के विकास से दूसरे ग्रहों का अध्ययन, अंतरिक्ष अनुसंधान और नई अंतरिक्ष यात्राएँ संभव हो सकती हैं। इससे ब्रह्मांड को समझने के हमारे प्रयासों को नई दिशा मिलेगी।

उन्नत चिकित्सा तकनीक

नई चिकित्सा तकनीकों की सहायता से रोगों की पहचान पहले की तुलना में अधिक तेजी और सटीकता से की जा सकती है। आधुनिक उपकरण और तकनीक उपचार को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

स्वच्छ ऊर्जा और स्मार्ट शहर

सौर और पवन ऊर्जा जैसी स्वच्छ तकनीकें प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण में मदद करेंगी। वहीं स्मार्ट शहर में आधुनिक तकनीक की मदद से यातायात, बिजली, पानी और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

आभासी वास्तविकता, नया अनुभव

आभासी वास्तविकता शिक्षा और मनोरंजन के क्षेत्र में नए अनुभव प्रदान कर सकती है। विद्यार्थी आभासी माध्यम से कई विषयों को अधिक रोचक और व्यावहारिक तरीके से समझ सकेंगे।

तकनीक का जिम्मेदार उपयोग

भविष्य की तकनीकें मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और विकसित बना सकती हैं। हालांकि इनका उपयोग जिम्मेदारी और सावधानी के साथ किया जाना आवश्यक है। तकनीक तभी वास्तव में उपयोगी सिद्ध होगी, जब उसका प्रयोग मानव समाज और पर्यावरण के हित में किया जाए।

श्रद्धा श्रीवास

शिक्षक
के.सी. हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर

पोषण: जीवन के लिए आवश्यक जैव प्रक्रम

जीवों को जीवित रहने, वृद्धि करने, शरीर की टूट-फूट की मरम्मत करने और विभिन्न जैविक क्रियाओं को संचालित करने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। भोजन से आवश्यक पोषक पदार्थ प्राप्त करने और उनका उपयोग करने की प्रक्रिया को पोषण कहते हैं। पोषण जीवों के लिए एक महत्वपूर्ण जैव प्रक्रम है। इसके माध्यम से शरीर को ऊर्जा, वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक पदार्थ मिलते हैं।

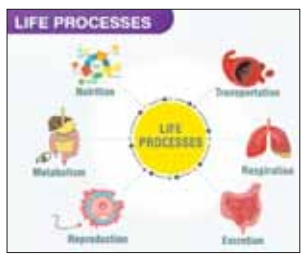

पोषण का महत्व

पोषण हमारे शरीर को कार्य करने के लिए ऊर्जा प्रदान करता है। भोजन में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण और जल जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। कार्बोहाइड्रेट और वसा मुख्य रूप से ऊर्जा देते हैं, जबकि प्रोटीन शरीर की वृद्धि और ऊतकों की मरम्मत में सहायक होता है। विटामिन एवं खनिज लवण शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पोषण के प्रमुख प्रकार

जीवों में पोषण मुख्यत: दो प्रकार का होता है

1 स्वपोषी पोषण (Autotrophic Nutrition)- इस प्रकार के पोषण में जीव अपना भोजन स्वयं बनाते हैं। हरे पौधे इसका प्रमुख उदाहरण हैं। पौधे सूर्य के प्रकाश, जल और कार्बन डाइऑक्साइड की सहायता से प्रकाश संश्लेषण द्वारा अपना भोजन बनाते हैं। पत्तियों में उपस्थित क्लोरोफिल सूर्य के प्रकाश को ग्रहण करता है। इस प्रक्रिया में ग्लूकोज का निर्माण होता है और ऑक्सीजन बाहर निकलती है।

2. परपोषी पोषण (Heterotrophic Nutrition)- इस प्रकार के पोषण में जीव अपना भोजन स्वयं नहीं बना सकते और भोजन के लिए दूसरे जीवों पर निर्भर रहते हैं। मनुष्य, पशु और अनेक सूक्ष्मजीव परपोषी होते हैं। परपोषी पोषण के प्रमुख प्रकार प्राणिसम (Holozoic), मृतजीवी (prophytic) और परजीवी (Parasitic) हैं। मनुष्य प्राणिसम पोषण का उदाहरण है। वह भोजन ग्रहण करता है, उसका पाचन करता है और पोषक तत्वों को शरीर में अवशोषित करता है। कवक मृत एवं सड़े-गले पदार्थों से भोजन प्राप्त करते हैं, जबकि अमरबेल जैसे पौधे परजीवी पोषण करते हैं।

स्वस्थ जीवन का आधार

इस प्रकार पोषण केवल भोजन ग्रहण करने का नाम नहीं है, बल्कि भोजन से पोषक तत्व प्राप्त करने और उनका शरीर में उपयोग करने की पूरी प्रक्रिया है। स्वपोषी जीव अपना भोजन स्वयं बनाते हैं, जबकि परपोषी जीव दूसरे जीवों पर निर्भर रहते हैं। उचित एवं संतुलित पोषण स्वस्थ शरीर, ऊर्जा और समुचित विकास के लिए आवश्यक है।

उल्टा गिलास और पानी, वायुदाब का रोचक प्रयोग

हवा हमें दिखाई नहीं देती, फिर भी उसका प्रभाव हमारे आसपास हर समय मौजूद रहता है। हवा न केवल स्थान घेरती है, बल्कि वस्तुओं पर दबाव भी डालती है। वायुदाब को समझने के लिए उल्टा गिलास और पानी का प्रयोग बेहद सरल और रोचक है। इस प्रयोग को घर पर आसानी से किया जा सकता है और बच्चे खेल-खेल में विज्ञान की महत्वपूर्ण अवधारणा समझ सकते हैं।

आवश्यक सामग्री

इस प्रयोग के लिए एक गिलास, साफ पानी, एक मजबूत और चिकना कागज या कार्डशीट तथा एक समतल प्लेट की आवश्यकता होगी।

प्रयोग की विधि

सबसे पहले गिलास को लगभग पूरा पानी से भर लें। अब गिलास के मुंह पर कागज को अच्छी तरह रखें। ध्यान रखें कि कागज गिलास के पूरे किनारे को ढक रहा हो। एक हाथ से कागज को गिलास के मुंह पर मजबूती से दबाए रखें और दूसरे हाथ की सहायता से गिलास को सावधानीपूर्वक उल्टा कर दें।

अब गिलास को प्लेट के ऊपर रखते हुए धीरे-धीरे कागज को सहारा देने वाला हाथ हटा दें। आश्चर्यजनक रूप से कागज गिलास के मुंह से चिपका रहेगा और पानी नीचे नहीं गिरेगा। यदि प्रयोग सही तरीके से किया गया है, तो कुछ समय तक पानी गिलास के अंदर ही बना रहेगा।

इसके पीछे का विज्ञान

अब सवाल उठता है कि पानी नीचे क्यों नहीं गिरता? इसका कारण वायुमंडलीय दबाव है। गिलास को उल्टा करने के बाद उसके अंदर पानी के साथ बहुत कम हवा रह जाती है। दूसरी ओर, गिलास के बाहर मौजूद हवा कागज की निचली सतह पर दबाव डालती है। बाहर की हवा द्वारा लगाया गया यह वायुदाब कागज को ऊपर की ओर धकेलता है। यह दबाव पानी के नीचे की ओर लगने वाले भार को संतुलित करने में मदद करता है। इसलिए कागज गिलास के मुंह से अलग नहीं होता और पानी बाहर नहीं निकलता।

प्रयोग से क्या सीखें?

इस छोटे से प्रयोग से यह समझ आता है कि हवा दिखाई न देने के बावजूद वह दबाव डालती है। वायुदाब हमारे दैनिक जीवन में कई जगह काम करता है। स्ट्रॉ से पानी या जूस पीना, सिरिंज का काम करना और सक्शन कप का सतह पर चिपकना इसके सामान्य उदाहरण हैं।

सावधानी

प्रयोग करते समय गिलास को धीरे-धीरे उल्टा करें और नीचे प्लेट जरूर रखें, ताकि पानी गिरने पर आसपास की जगह गीली न हो। छोटे बच्चों को यह प्रयोग किसी बड़े व्यक्ति की देखरेख में करना चाहिए।

शब्द पहेली - 8998

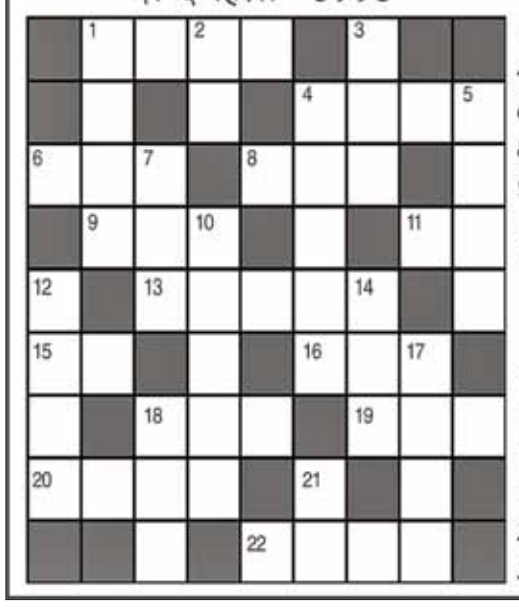

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8997 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा यात्रा विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की प्रेरणा : मंत्री श्री पटेल

सेवा ज्योति कलश यात्रा से दिया सेवा, विकास और राष्ट्र निर्माण का संदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण की अविराम यात्रा विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की राष्ट्र निर्माण के संकल्प की यह अविराम यात्रा 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई थी, जो आज 25 वर्षों के गौरवपूर्ण पड़ाव पर पहुंच रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राष्ट्र के विकास और जनकल्याण को नई दिशा प्रदान की है। यह बात कैबिनेट मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में सेवा ज्योति संकल्प यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा के जिला स्तरीय कार्यक्रम में कही। मंत्री श्री पटेल की अगुवाई में स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर से सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली गई। यह ज्योति कलश यात्रा जिले की चारों विधानसभाओं में जाएगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का लाइव सीधा प्रसारण किया गया, जिसे कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, हितग्राहियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने देखा और सुना। कार्यक्रम में विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, विधायक गोटेगांव श्री महेंद्र नागेश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेंद्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, श्री रामसनेही पाठक सहित नगर पालिकाओं एवं जनपद पंचायतों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष मंचासीन थे। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही, विद्यार्थी, खिलाड़ी, भूतपूर्व सैनिक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धियों की यात्रा नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता और संकल्प की यात्रा है। इस अवसर पर यात्रा में सम्मिलित लोगों को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का संकल्प दिलाया गया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में विकास और जनकल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब एवं वंचित वर्ग के पात्र लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से ऐसे पात्र परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनके सिर पर पक्की छत नहीं थी। जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रत्येक परिवार तक नल से जल पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गंभीर बीमारियों से पीड़ित पात्र व्यक्तियों को उपचार की सुविधा उपलब्ध हुई है। योजना के तहत पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलती है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को उपचार के खर्च की चिंता से राहत मिली है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आज की नई पीढ़ी खेल, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हुई है और संविधान एवं लोकतंत्र के प्रति नागरिकों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। मंत्री श्री पटेल ने श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों से संबंधित राशि का प्रावधान श्रमिक कल्याण के लिए किया जाता है। संनिर्माण कर्मकार मंडल के तहत पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के बच्चे इन योजनाओं की जानकारी रखें और पात्रता के अनुसार उनका लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि श्रमिक परिवार का एक विद्यार्थी विदेश में अध्ययन कर रहा है, जिसकी शिक्षा का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में चावरा विद्यापीठ व सांदीपनि स्कूल प्रथम

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और संस्कारों से ओतप्रोत गीतों की गूंज के बीच भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता-2026 में नरसिंहपुर शाखा व विवेकानंद शाखा के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों की टोली ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। हिंदी एवं संस्कृत गीत प्रस्तुति में नरसिंहपुर शाखा के चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी, जबकि पीएम श्री उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर द्वितीय और नेहरू हा. से. स्कूल तृतीय स्थान पर रहा। वहीं विवेकानंद शाखा के सांदीपनि सीएम राइज स्कूल ने हिंदी एवं संस्कृत गीत प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उक्त दोनों शाखाओं के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को आगामी 16 अक्टूबर को दमोह में आयोजित प्रान्त स्तर में अपना प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। दोनों शाखाओं की संयुक्त लोकगीत प्रतियोगिता में सांदीपनि सीएम राइज स्कूल ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से प्रथम स्थान प्राप्त किया। पीएम श्री उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर द्वितीय तथा चावरा विद्यापीठ तृतीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने गीतों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, राष्ट्रप्रेम और संस्कारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति दी। हिंदी गीत, संस्कृत गीत एवं लोकगीत की प्रस्तुति का मूल्यांकन निर्णायकगणों सुषमा तिवारी, पूजा बमनेले एवं पंकज सागर ने स्वर, संयोजना, ताल, उच्चारण एवं प्रस्तुतिकरण के आयामों के आधार पर किया पुरस्कार वितरण समारोह में भारत विकास परिषद महाकौशल प्रांत के संरक्षक इंजी. सरदार सिंह पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए भारत विकास परिषद पूरे देश में ऐसे आयोजन निरंतर कर रहा है। नगर संघचालक पारितोष दुबे ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि संस्कारित युवा ही भविष्य के नागरिक हैं। पूर्व अध्यक्ष लालसाब जाट ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में श्रेष्ठ गुणों की आवश्यकता पर बल दिया। पूर्व नपा अध्यक्ष संध्या कोठारी ने भारत विकास परिषद द्वारा संचालित विभिन्न संस्कार गतिविधियों की जानकारी दी।

संभागीय शालेय प्रतियोगिता प्रतियोगिता में नरसिंहपुर बना विजेता

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

आयोजित 19 वर्ष बालिका क्रिकेट संभागीय शालेय प्रतियोगिता का अंतिम फाइनल मुकाबला नरसिंहपुर और छिंदवाड़ा के मध्य खेला गया । फाइनल मैच का शुभारंभ खेल अधिकारी सुनीता यादव ने खिलाड़ियों परिचय प्राप्त करके किया । नरसिंहपुर ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवरों के मैच में 167/2 रन बनाए जिसमें अन्वी महाजन की शानदार शतकीय पारी में 20 चौके 2 छक्के 111(53) रही। जबाबी पारी खेलने उतरी छिंदवाड़ा टीम 12 ओवरों में मात्र 104/5 रन ही बना सकी । छिंदवाड़ा की ओर से अदिति सोनी जे 36 रन की पारी खेली । नरसिंहपुर ने फाइनल मुकाबला 63 रनों से जीत लिया । प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज अदिति सोनी (छिंदवाड़ा), सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज स्वाति प्रजापति (नरसिंहपुर) और **मैन ऑफ द सीरीज अन्वी महाजन (नरसिंहपुर) को प्राप्त हुआ** - प्रतियोगिता का समापन पूर्व जिला खेल अधिकारी संतोष सिंह राजपूत, मध्य प्रदेश वॉलीबॉल के सेकेट्री मनीष कटारे, वरिष्ठ पी टी आई मुकेश पटैल ने खिलाड़ियों को पुरष्कृत किया । प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुशवाहा जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुज जैन ,अपील समिति के सदस्य पीटीआई पंकज नेमा ,अजय सोनी , अमित कहार, संदीप तिवारी ,आशीष नामदेव, सुमित बक्शी, स्वप्निल शर्मा ,ज्योति धानक, जीजी बाई पटैल , देवेंद्र रजक अंपायर एवं स्कोरिंग की भूमिका में शिवकुमार पटैल ,शिवम कटारे, प्रदीप पटैल, आदित्य तिवारी, शैलेन्द्र अहिरवार ,विजय सेन ,रोहित विश्वकर्मा ,महेंद्र नोरिया ,अजय पटेल, हफ़ीज़ खान आदि ने योगदान दिया।

कन्या धवारी स्कूल में बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली, कृमि संक्रमण से बचाव का दिया संदेश

सतना स्वतंत्रमत। राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस के अवसर पर मंगलवार को सतना शहरी क्षेत्र में कन्या धवारी स्कूल में राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमि संक्रमण से मुक्त कर उनके बेहतर स्वास्थ्य, पोषण एवं शारीरिक विकास को सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मनोज शुक्ला, शिक्षा विभाग से आलोक सिंह, कन्या धवारी विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहरी नोडल अधिकारी डा. विनीत गुप्ता, डीसीएम डा. ज्ञानेश मिश्रा, नृपेश सिंह, एपीएम सुधेश शुक्ला सहित शहरी क्षेत्र के सुपरवाइजर, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस के अंतर्गत जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, अनुदान प्राप्त विद्यालयों, आदिवासी आश्रम शालाओं, मदरसों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा किशोर न्याय अधिनियम-2015 के अंतर्गत संचालित चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट में 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को एल्बेंडाजोल 400 मिलीग्राम की गोली खिलाई जाएगी। अभियान के दौरान बच्चों को आयु के अनुसार एल्बेंडाजोल की निर्धारित मात्रा दी जाएगी। 1 से 2 वर्ष के बच्चों को 400 मिलीग्राम की आधी गोली चूरा कर साफ पानी के साथ, 2 से 3 वर्ष के बच्चों को पूरी गोली चूरा कर साफ पानी के साथ तथा 3 से 19 वर्ष के बच्चों को 400 मिलीग्राम की पूरी गोली चबाकर साफ पानी के साथ सेवन कराया जाएगा। दवा का सेवन शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की निगरानी में कराया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि कृमि संक्रमण बच्चों में कमजोरी, कुपोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है।

जन अभियान परिषद एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में साइबर फ्रॉड एवं नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन

सतना स्वतंत्रमत। जनपद पंचायत नागौद में कक्षाओं में छात्रों के साथ यातायात नियमों का पालन करना तथा एक्सीडेंटल घटना को आप लोगों के माध्यम से हॉस्पिटलों तक पहुंचने में प्रोत्साहन राशि की व्यवस्थाएं सरकार ने की है। नशा मुक्ति समाज बनाने हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं साइबर फ्रॉड से बचाव कैसे करें। सुरक्षित रहे इसके बारे में दीपेंद्र मिश्रा साइबर फ्रॉड की जानकारी विस्तार से छात्रों को उपलब्ध कराई । यातायात परिवहन नियमों का पालन करना अति आवश्यक है इसकी जानकारी सूबेदार श्रीमती रामादेवी ने जानकारी दी। उप निरीक्षक अभिलाषा नायक द्वारा नशे की लत से कैसे बचाया जाए छोटे.छोटे बच्चों को उससे दूर कैसे बचाया जाए इन सब में जानकारी दी गई । अरुण प्रताप सिंह द्वारा सेवा ही संकल्प के माध्यम से छात्रों को मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के महत्व को बताते हुए कहां की आप लोग डिग्री के साथ.साथ गांव में सामाजिक गतिविधियों जैसे शासन की जनकल्याणकारी योजना पात्र हितग्राही को लाभ दिलाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी ।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

सतना स्वतंत्रमत। शहर के खूथी गली नं 2 निवासी मोहम्मद मौसीन पिता मोहम्मद यसीम ने सिटी कोतवाली थाना प्रभारी को आवेदन देकर अपने 17 वर्षीय नाबालिग भाई को बहला.फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। आवेदन में बताया गया है कि आवेदक का भाई मोहम्मद सम्मी को दिनांक 30,9,2026 को आरोपी सीमरन पिता आबिद द्वारा बहला.फुसलाकर कहीं ले जाया गया है। फरियादी के अनुसार उसका भाई मात्र 17 वर्ष का है।

परिजनों को जब उसके लापता होने की जानकारी हुई तो उन्होंने उसके मोबाइल नंबर 9343516730 पर संपर्क किया। बात होने पर उसने एक माह बाद वापस आने की बात कही। इसके बाद परिवार ने दोबारा संपर्क करने की कोशिश की तो उसका फोन बंद आ रहा है। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए 5,10,2026 को थाना सिटी कोतवाली में आवेदन देकर नाबालिग की खोजबीन की मांग की है। थाना प्रभारी ने आवेदन प्राप्त कर जांच शुरू करने की बात कही है।

जनसुनवाई में सुनी गई 107 आवेदकों की समस्यायें

सतना स्वतंत्रमत। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर विकास सिंह ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 107 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गई।

मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता में आयुषी ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर किया क्षेत्र का नाम रोशन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह की उपस्थिति में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भोपाल के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टी.टी. नगर में आयोजित राज्य स्तरीय मेरे सपनों का भारत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में क्षेत्र के गुरुकुलम स्कूल सालीचौका की प्रतिभावान छात्रा आयुषी अहिरवार ने चित्रकला प्रतियोगिता में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रा आयुषी अहिरवार को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उनकी इस उपलब्धि से जिले की शैक्षणिक एवं सृजनात्मक प्रतिभा को प्रदेश स्तर पर नई पहचान मिली है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नरसिंहपुर जिले में उत्कृष्ट कार्य एवं अभियान की गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा को भी सम्मानित किया गया है । यह सम्मान जिले में अभियान के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा किए गए प्रयासों और गतिविधियों के प्रभावी प्रयासों का प्रतिफल है। छात्रा आयुषी अहिरवार एवं डीईओ डॉ अनिल कुशवाहा के सम्मानित होने पर बीईओ सीमा डोंगरे, वीरेंद्र राजपूत, बीआरसी डी के पटैल, संदीप स्थापक सहित समस्त प्राचार्यो एवं शिक्षकों ने प्रसन्नता जताई है एवं इस उपलब्धि को जिले के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताया है ।

एकेएस यूनिवर्सिटी के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का पेटेंट प्रकाशित

टेल्मिसार्टन की जैवउपलब्धता बढ़ाने के लिए माइक्रोइमल्शन तकनीक पर शोध

सतना स्वतंत्रमत। राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एकेएस यूनिवर्सिटी सतना के एम फार्मा स्टूडेंट चंद्रकांत महाराणा का शोध डायरेक्टर डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में टेल्मिसार्टन की मौखिक जैवउपलब्धता बढ़ाने से संबंधित पेटेंट आवेदन प्रकाशित हुआ है। यह शोध डॉ.सूर्य प्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। पेटेंट का विषय श्उच्च रक्तचाप में बेहतर मौखिक जैवउपलब्धता के लिए टेल्मिसार्टन का माइक्रोइमल्शन है। पेटेंट आवेदन संख्या 202621077839 है। आवेदन 24 जून 2026 को दाखिल किया गया तथा इसका प्रकाशन 21 अगस्त 2026 को पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक जर्नल में हुआ। शोध में कम जल.विलेय टेल्मिसार्टन के लिए तेल.जल आधारित माइक्रोइमल्शन प्रणाली विकसित करने पर काम किया गया है। इसका उद्देश्य टेल्मिसार्टन के मौखिक अवशोषण और उपचारात्मक प्रभावशीलता में सुधार करना है। पेटेंट में आवेदक के रूप में चंद्रकांत महाराणा, डॉ.सूर्य प्रकाश गुप्ता तथा राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एकेएस यूनिवर्सिटी का उल्लेख है। दोनों को आविष्कारक के रूप में दर्ज किया गया है।

सार्थक सोदे ने बढ़ाया नगर का गौरव

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। शिक्षा ही व्यक्ति के जीवन निर्धारण और लक्ष्य प्राप्ति में सेतु बन सकता है जब बच्चा बचपन से अपने सपनों को साकार करने के प्रयास में जुट जाए और सोचा हुआ सपना एवं लक्ष्य साकार हो जाए और प्राप्त भी हो जाए दरअसल सार्थक ने बचपन से ही जिस विभाग में जाने का सपना देखा था ऐसी सोच को साकार रूप दियाद्य स्थानीय हनुमान वार्ड निवासी सार्थक सोदे (कुचबंदिया) पिता अमर सोदे मां सरोज सोदे (दिल्ली वाले) के पुत्र तथा अभिषेक सोदे के भाई हैं एवं स्वामी राजेश नीरस के भांजे का मिनिस्ट्री ऑफ़ सिविल एविएशन (एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया) मे चयन हुआ हैद्य जिनके चयनित होने पर उनके शुभेच्छु मित्र बंधु एवं सामाजिक बंधुओं ने शुभकामनाएं दी ।

नरसिंहपुर नगर की प्रस्तावित सीमा वृद्धि को लेकर मंत्री श्री पटेल ने ली बैठक

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर नगरपालिका परिषद की प्रस्तावित नगरीय सीमा वृद्धि को लेकर प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नरसिंहपुर नगर की प्रस्तावित सीमा के विस्तार, इसमें शामिल किए जाने वाले ग्राम एवं क्षेत्रों तथा सीमा विस्तार से होने वाले संभावित विकासात्मक एवं प्रशासनिक लाभों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित नगरीय सीमा में नरसिंहपुर तहसील के जरजोला, नंदवारा, सिमरिया, खमरिया, करहैयाखेड़ा, सूरजगांव, रोंसरा, खमतरा, मगरधा, नकटुआ, देवरीकलां, कुकवारा, बॉसकुंवारी, डेडवारा, झगरहाई, डोकरघाट एवं डोंगरगांव तथा करेली तहसील के खैरीनाका, मैनावारी एवं तिघरा को शामिल किए जाने का प्रस्ताव है। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर प्रस्तावित सीमा विस्तार के संबंध में विचार विमर्श किया गया। सीएमओ नरसिंहपुर श्री गजेन्द्र सिंह लोधी ने बताया कि प्रस्तावित सीमा विस्तार के बाद कुल 7,410.11 हेक्टेयर अर्थात 74.10 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र नगरपालिका सीमा में शामिल होगा। वर्तमान में नरसिंहपुर नगरपालिका का क्षेत्रफल 14.71 वर्ग किलोमीटर है। बैठक में प्रस्तावित सीमा विस्तार से क्षेत्र में होने वाले संभावित लाभों पर भी चर्चा की गई। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सीमा विस्तार के बाद सुनियोजित शहरी विकास को गति मिलने के साथ सड़क एवं अन्य बुनियादी अधोसंरचना के विस्तार तथा संपत्ति प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने की संभावनाएं बढ़ेंगी। साथ ही विस्तारित क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न विकास कार्यों के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। बैठक में प्रस्तावित नगरीय सीमा वृद्धि से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक सुझाव भी लिए गए।

9 से होगा टूर्नामेंट

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले की शुचि उपाध्याय ने एक बार फिर क्रिकेट जगत में चयनकर्ता को अपनी ओर आकर्षित किया है हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर बैंगलोर में चल रहे केम्प के दौरान इंडिया ए की घोषित की गई वीमेन क्रिकेट टीम में मध्यप्रदेश के जिले की शुचि उपाध्याय शामिल रहीं जिसमें मल्टी डेज मैच में अपना प्रदर्शन कर 3 विकेट हासिल किया है इंडिया ए ने मैच के तीसरे दिन ही जीत हासिल की है इस सीरीज के बाद ही रायपुर छग में 9 अक्टूबर से आयोजित होने वाले सीएससीएस20 नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए मध्यप्रदेश ने अपनी सीनियर महिला टीम घोषित की है जिसमें जबलपुर संभाग के मंडला जिले की शुचि शामिल होंगी।

कार्तिक सारांश का चयन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 70वीं राज्य स्तरीय शालेय अंडर-17 वर्ष बालक फुटबॉल प्रतियोगिता में जिले के दो प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन हुआ है। ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्र कार्तिक कछवाहा एवं बेनचाइल्ड स्कूल के छात्र सारांश मार्को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 3 से 7 अक्टूबर तक शुजालपुर जिला शाजापुर में किया जा रहा है।

शव मिलने से फैली सनसनी

मण्डला/मोहगांव। मोहगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत चाबी पुलिस चौकी के पास बुधवार सुबह शराब दुकान के सामने एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान चाबी निवासी 30 वर्षीय चंद्रभान मरकाम पिता रामसिंह के रूप में हुई है जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने शराब दुकान के सामने युवक को मृत अवस्था में पड़ा देखा। पुलिस टीम मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया।

किसान पंजीयन 10 तक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। खरीफ वर्ष 2026 में कोदो एवं कुटकी के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन ई-उपार्जन पोर्टल पर 6 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 5 नवम्बर तक किया जाएगा। किसान सत्यापन की अंतिम तिथि 10 नवम्बर 2026 निर्धारित की गई है। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत गठित श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के माध्यम से मण्डला सहित प्रदेश के चयनित 15 जिलों में खरीफ वर्ष 2026 में कोदो-कुटकी का उपार्जन प्रस्तावित है।

ब्रेन हैमरेज से पीड़ित मरीज को नहीं मिल सकी एम्बुलेंस जिंदगी से जंग, जिला अस्पताल में तड़पती रही महिला

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जिले की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाने वाली 108 एंबुलेंस सेवा की बदहाली अब गंभीर मरीजों की जिंदगी पर भारी पड़ती नजर आ रही है। जिला चिकित्सालय में ब्रेन हैमरेज से जूझ रही महिला मरीज समोती मरावी निवासी करेगांव विकासखंड मोहगांव को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया लेकिन रेफर के बाद भी परिजनों को घंटों तक एंबुलेंस का इंतजार करना पड़ा। मरीज आईसीयू वार्ड में भर्ती रही और बाहर परिजन एंबुलेंस की आस में व्यवस्था के आगे बेबस नजर आए। वही जिला अस्पताल पहुंचे आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि मरीज की हालत गंभीर है और उसे तत्काल उच्च उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाना जरूरी है। इसके बावजूद समय पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के सामने निजी एंबुलेंस किराए पर लेने का विकल्प भी आसान नहीं था। ऐसे में मरीज के परिजन सरकारी एंबुलेंस के भरोसे अस्पताल में घंटों इंतजार करने को मजबूर रहे।

कब आएगी एंबुलेंस

मंडला जिला अस्पताल में यह स्थिति कोई पहली घटना नहीं है। आए दिन गंभीर मरीजों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले परिजनों को एंबुलेंस के लिए परेशान होना पड़ता है। आरोप है कि कई बार मरीजों को घंटों तक अस्पताल परिसर में ही इंतजार करना पड़ता है। आपात स्थिति में जहां हर मिनट महत्वपूर्ण होता है वहां घंटों की देरी मरीज की हालत और बिगाड़ सकती है। जिले में 108 एंबुलेंस सेवा की स्थिति को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। कुछ समय पूर्व ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म होने के बाद एंबुलेंस में ही मरीज की मौत होने का मामला सामने आया था।

एंबुलेंस पर लगा रहे धक्के

एंबुलेंस व्यवस्था की बदहाली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले दिनों कोतवाली क्षेत्र के सामने एक एंबुलेंस को कई लोगों द्वारा पीछे से धक्का लगाकर आगे बढ़ाने का दृश्य भी सामने आया था। जिस वाहन का काम गंभीर मरीज को अस्पताल तक पहुंचाना है वही वाहन सड़क पर लोगों से धक्का मांगता नजर आया। यह तस्वीर केवल एक एम्बुलेंस की कहानी नहीं, बल्कि जिले की आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

अधिकारियों के संज्ञान में मामला

जिले में संचालित 108 एंबुलेंसों की स्थिति को लेकर अस्पताल स्तर से भी चिंता जताई जा चुकी है। बताया गया है कि जिला अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा कलेक्टर के समक्ष एंबुलेंस सेवा की समस्याओं को उठाते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। अधिकारियों को एंबुलेंसों की तकनीकी खराबी, जीवन रक्षक उपकरणों की कमी ऑक्सीजन की अनुपलब्धता और अधिक रिस्पॉन्स टाइम जैसी समस्याओं से अवगत कराया गया है। जानकारी के अनुसार जिले में संचालित कई एंबुलेंस निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं चल रही हैं।

एम्बुलेंस में सब कुछ बदहाल

बताया गया है कि कई एंबुलेंसों में मरीजों के लिए आवश्यक ऑक्सीजन सिलेंडर तक उपलब्ध नहीं हैं। कुछ वाहनों में जीवन रक्षक दवाइयों और मेडिकल उपकरणों की कमी बताई गई है। कई एंबुलेंसों के स्ट्रेचर खराब हैं जबकि कुछ वाहनों के सायरन काम नहीं कर रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ एंबुलेंसों के टायर भी जर्जर स्थिति में बताए जा रहे हैं। वहीं दुर्घटना, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, प्रसव या अन्य गंभीर आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को सुरक्षित समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था कितनी भरोसेमंद होगी।

मरीज परेशान कौन सुनेंगा दर्द

ब्रेन हैमरेज मरीज के परिजनों द्वारा एंबुलेंस के लिए किए जा रहे इंतजार के मामले में सिविल सर्जन ने बताया कि एंबुलेंस को लेकर संबंधित कोऑर्डिनेटर से बात की गई है और जल्द ही मरीज के लिए एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि एंबुलेंस सेवा का संचालन सीएमओ स्तर से होने की जानकारी है। व्यवस्था में लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों को पत्राचार करने की बात भी कही गई है। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि कार्रवाई और पत्राचार अपनी जगह है मरीज की जिंदगी का क्या आपातकालीन सेवा में घंटों की देरी के बाद केवल आश्वासन से व्यवस्था की जिम्मेदारी पूरी नहीं हो सकती।

फुटबॉल प्रतियोगिता में जीता खिताब

मण्डला/मोहगांव। 70वीं राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर-17 वर्षीय बालिका वर्ग में जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में भोपाल की टीम को 4-1 से करारी शिकस्त देकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि से टीम की खिलाड़ियों प्रशिक्षकों एवं विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश की बालिका टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। खिलाडियों ने बेहतरीन तालमेल और अनुशासन के साथ खेलते हुए भोपाल की टीम पर दबाव बनाए रखा। टीम ने मुकाबले में चार गोल दागे जबकि भोपाल की टीम केवल एक गोल ही कर सकी।

सेवा ज्योति यात्रा का आगाज, मंत्री हुई शामिल

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के नेतृत्व में सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई यात्रा रानी दुर्गावती महाविद्यालय से प्रांरभ हुई। यात्रा के सर्वप्रथम महाविद्यालय में सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके रहीं कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक एवं देशभक्ति गानो के साथ की गई कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का लाइव उद्बोधन सुना प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम में जिले हजारों कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही इनमें मंडला विधानसभा से करीब 1560, निवास विधानसभा से 720 और बिछिया विधानसभा से करीब 570 कार्यकर्ता शामिल हुए। कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने कहा कि प्रधानमंत्री का ऊर्जावान उद्बोधन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी रहा। उनके विचारों से कार्यकर्ताओं को राष्ट्र निर्माण और संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाने की नई ऊर्जा मिली है। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को सेवा संगठन और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से जोड़ना है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा ज्योति यात्रा का शुभारंभ किया गया यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत के निर्माण में अपनी ऊर्जा प्रतिभा और संकल्प को समर्पित करने की प्रतिज्ञा ली। मंडला विधानसभा में सेवा ज्योति यात्रा ने मंडला नगर, मंडला ग्रामीण और पदमी क्षेत्र का भ्रमण किया। इसके बाद यात्रा बम्हनी, चिरईडोंगरी, नैनपुर ग्रामीण और नैनपुर क्षेत्र से होकर आगे बढ़ी।

निवास विधानसभा में यात्रा फूलसागर से प्रारंभ होकर बकोरी, नारायणगंज, बीजाडांडी, बबलिया और मोहगांव होते हुए निवास की ओर रवाना हुई। इसी प्रकार बिछिया विधानसभा में सेवा ज्योति यात्रा कार्यस्थल से प्रारंभ होकर अंजनिया, घुघरी, सलवाह, बिछिया और मवई होते हुए घुटास की ओर रवाना हुई।

विहिप बजरंग दल ने एसपी को दिया ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

नवरात्रि पर्व के दौरान जिले में आयोजित होने वाले गरबा एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा कानून-व्यवस्था एवं धार्मिक मर्यादा सुनिश्चित करने मांग की है। संगठन ने कहा कि नवरात्रि सनातन हिंदू समाज की आस्था और श्रद्धा का महत्वपूर्ण पर्व है इसलिए गरबा एवं अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन शालीन सुरक्षित और निर्धारित नियमों के अनुरूप होने चाहिए ज्ञापन में संगठन ने मांग की कि नवरात्रि एवं गरबा के नाम पर आयोजित होने वाले व्यावसायिक कार्यक्रमों की पुलिस एवं प्रशासन द्वारा निगरानी की जाए तथा बिना वैध अनुमति के किसी भी आयोजन को संचालित न होने दिया जाए बड़े आयोजनों में प्रवेश व्यवस्था व्यवस्थित रखने और आवश्यकता के अनुसार पहचान-पत्रों का सत्यापन करने की मांग भी की गई विहिप एवं बजरंग दल ने गरबा स्थलों पर महिलाओं एवं युवतियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की मांग करते हुए पर्याप्त महिला पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश, सुरक्षित प्रवेश-निकास तथा शिकायत एवं सहायता केंद्र स्थापित करने की बात कही।

संगठन ने सोशल मीडिया एवं प्रचार सामग्री पर भी निगरानी रखने की मांग की ताकि धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली अश्लील या भ्रामक सामग्री का प्रचार-प्रसार न हो जिले में आयोजित होने वाले सभी गरबा एवं नवरात्रि कार्यक्रमों पर समान नियम लागू किए जाएं इस संबंध में पुलिस अधीक्षक से तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया गया।

स्कूल भवन का लोकार्पण, मिली सौगात

मण्डला/बिछिया (स्वतंत्रमत)।

भुआ बिछिया के ग्राम पंचायत केवलारी में शासकीय हाईस्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया। नए स्कूल भवन की सौगात मिलने से विद्यार्थियों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखने को मिला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक नारायण सिंह पट्टा रहे इस दौरान छात्राओं ने अतिथियों का जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट ने कहा आज विकास और सुविधाओं की बातें सुनते हुए मुझे अपना पुराना समय याद आता है।

हमने वह दौर भी देखा है जब गांवों में बिजली नियमित नहीं आती थी खाना पकाने के लिए गैस हर परिवार की पहुंच में नहीं थी और कई जगह मिट्टी के तेल के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ता था ग्रामीण भारत के लगभग 55 प्रतिशत परिवार ही बिजली को रोशनी के प्राथमिक स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते थे जबकि लगभग 44 प्रतिशत परिवार केरोसिन पर निर्भर थे किन्तु आज हर घर में बिजली एवं गैस के कनेक्शन है इसलिए आज जब हम अपने आसपास बदलाव देखते हैं तो पुराने दिनों को भूलना नहीं चाहिए।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष संजय कुशराम, मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट, विकासखंड शिक्षा अधिकारी आतमजीत सिंह अहलूवालिया, बीआरसी हेमसिंह मरावी, जनपद अध्यक्ष सकुना उईके, डॉ. विजयानंद मरावी, शोभित सानू रावत, योगेश चीकू यादव, सिनय साहू, प्रदीप गोस्वामी सहित जनप्रतिनिधि, स्कूल स्टाफ छात्र-छात्राएं और ग्रामीण मौजूद रहे।

बिजली की आवाजाही से पेयजल व्यवस्था प्रभावित

बार-बार बिजली गुल होने से नलों में नहीं पहुंच रहा पानी, उपभोक्ता परेशान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर में बार-बार विद्युत की आवाजाही का सीधा असर पेयजल व्यवस्था पर पड़ रहा है। बिजली बंद होते ही नगर की पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो जाती है। इससे कई क्षेत्रों में निर्धारित समय पर पानी नहीं पहुंच पा रहा है। नागरिकों का कहना है कि विद्युत विभाग और नगरपालिका के बीच उचित सामंजस्य नहीं होने का खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। लोगों ने मांग की है कि पेयजल व्यवस्था को विद्युत व्यवधान से अलग रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बिजली की समस्या के कारण शहर की जलापूर्ति प्रभावित न हो।

विधुत विभाग के जेई की मनमानी से बिजली सप्लाई बाधित, उपभोक्ता परेशान सरकार की व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

नगर में बार-बार विद्युत सप्लाई बाधित होने से उपभोक्ता परेशान हैं। आरोप है कि जबसे जेई रीतेश कुमार वनवारी नैनपुर में पदस्थ हुए हैं तब से मनमानी और विभागीय लापरवाही के चलते बिजली व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बार-बार बिजली गुल होने से पेयजल सहित आम जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है।

उपभोक्ताओं ने वरिष्ठ अधिकारियों से मामले में संज्ञान लेकर विद्युत व्यवस्था सुधारने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सरकार की बेहतर विद्युत व्यवस्था के दावों पर स्थानीय स्तर की लापरवाही सवाल खड़े कर रही है।

कभी मोटर खराब तो कभी पाइप लाइन में खराबी

पेयजल सप्लाई बाधित होने से नागरिकों में नाराजगी और स्थायी समाधान की मांग नगर के मतदाताओं द्वारा की जा रही है । पेयजल सप्लाई को लेकर आए दिन नई समस्या सामने आ रही है। कभी विद्युत मोटर खराब होने की बात सामने आती है तो कभी पाइप लाइन में खराबी के कारण जलापूर्ति बाधित हो जाती है। इसके चलते नागरिकों को नियमित रूप से पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

नागरिकों का कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए बार-बार तकनीकी खराबी का हवाला देना उचित नहीं है। नगरपालिका को मोटर, पाइप लाइन और विद्युत व्यवस्था की नियमित निगरानी कर पहले से तैयारी रखना चाहिए, ताकि खराबी होने पर तत्काल सुधार किया जा सके।

निर्धारित 40 मिनट की जगह 30 मिनट पानी सुबह-शाम निर्धारित समय में भी कटौती

पेयजल उपभोक्ताओं की परेशानी दिनों-दिन बढ़ती जा रही है जिससे नगरपालिका परिषद की छवि धूमिल हो रही है। नगर में पेयजल सप्लाई के निर्धारित समय को लेकर भी उपभोक्ताओं में नाराजगी देखने को मिल रही है। नागरिकों के अनुसार सुबह और शाम लगभग 40-40 मिनट पेयजल सप्लाई किए जाने की व्यवस्था के स्थान पर कई बार महज करीब 30 मिनट ही पानी उपलब्ध हो रहा है। कम समय तक पानी मिलने के कारण लोगों को दैनिक जरूरत के लिए पर्याप्त पानी संग्रहित करने में परेशानी हो रही है। नागरिकों ने नगरपालिका से मांग की है कि निर्धारित समय के अनुसार पूरी पेयजल सप्लाई सुनिश्चित की जाए और कटौती की स्थिति में जिम्मेदारी तय की जाए।

महीने में 8 से 10 दिन पेयजल सप्लाई प्रभावित

पूरा बिल देने के बावजूद पानी के लिए तरस रहे है उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। नागरिकों का आरोप है कि महीने में करीब 8 से 10 दिन पेयजल सप्लाई बाधित रहती है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं से पूरे महीने का पेयजल शुल्क वसूला जा रहा है।

नागरिकों का सवाल है कि जब कई दिनों तक पानी की सप्लाई नहीं होती तो फिर पूरे महीने का शुल्क क्यों लिया जा रहा है? उपभोक्ताओं ने नगरपालिका से पेयजल सप्लाई बाधित रहने वाले दिनों का रिकॉर्ड सार्वजनिक करने तथा नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। अब सवाल यह है कि बिना पानी मिले पूरा शुल्क देने वाले उपभोक्ताओं को राहत कब मिलेगी?

नैनपुर विधानसभा की पुनर्बहाली और नगरपालिका सीमा विस्तार की मांग को लेकर जनजागरण मंच ने बुलंद की आवाज

धरना-प्रदर्शन राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम सौंपे ज्ञापन

2027 के परिसीमन में दोनों मांगों को शामिल करने की मांग

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर विधानसभा की पुनर्बहाली तथा नैनपुर नगरपालिका क्षेत्र के सीमा विस्तार की वर्षों पुरानी मांग को लेकर नगर में जनजागरण मंच एवं 'नैनपुर की आवाज' के माध्यम से जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित कर नैनपुर विधानसभा को पुन: अस्तित्व में लाने की मांग उठाई गई। धरना-प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। वहीं नगरपालिका सीमा विस्तार की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम अनुविभागीय दंडाधिकारी नैनपुर को ज्ञापन दिया गया।

2003 के परिसीमन के बाद समाप्त हुई थी नैनपुर विधानसभा-धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2003 के परिसीमन के बाद नैनपुर विधानसभा सीट समाप्त कर इसे मंडला विधानसभा क्षेत्र में शामिल कर दिया गया था। वर्तमान में नैनपुर की बढ़ती आबादी, भौगोलिक स्थिति, क्षेत्रीय महत्व तथा महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन के रूप में इसकी पहचान को देखते हुए नैनपुर को पुन: स्वतंत्र विधानसभा क्षेत्र का दर्जा दिया जाना आवश्यक है। जनजागरण मंच ने कहा कि आगामी परिसीमन की प्रक्रिया क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे में नैनपुर विधानसभा की पुनर्बहाली की वर्षों पुरानी मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए इसे आगामी परिसीमन में शामिल किया जाना चाहिए।

इसी क्रम में 'नैनपुर की आवाज' के माध्यम से नगरपालिका सीमा विस्तार की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। ज्ञापन में बताया गया कि नैनपुर नगरपालिका के सीमा विस्तार की प्रक्रिया लगभग छह वर्ष पूर्व प्रारंभ हुई थी, लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो सकी है। ज्ञापन में नैनपुर से लगे निवारी, सालीवाड़ा, अतरिया और धनौरा सहित आसपास के क्षेत्रों को नगरपालिका सीमा में शामिल करने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि नैनपुर का निरंतर विस्तार हो रहा है और रेलवे जंक्शन होने के साथ यह क्षेत्र का महत्वपूर्ण नगर एवं व्यापारिक केंद्र बन चुका है। ऐसे में वर्तमान नगरपालिका सीमा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप पर्याप्त नहीं है।

मूलभूत सुविधाओं के सुनियोजित विकास का तर्क-'नैनपुर की आवाज' का कहना है कि नगरपालिका सीमा का विस्तार होने से आसपास के क्षेत्रों में सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य नागरिक सुविधाओं का सुनियोजित विकास किया जा सकेगा। साथ ही नगर के भावी विस्तार को ध्यान में रखते हुए विकास की बेहतर योजना तैयार की जा सकेगी। संगठन ने मांग की कि वर्ष 2027 में प्रस्तावित परिसीमन की प्रक्रिया में नैनपुर नगरपालिका सीमा विस्तार को भी शामिल किया जाए और करीब छह वर्षों से लंबित प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराया जाए।-नैनपुर विधानसभा की पुनर्बहाली और नगरपालिका सीमा विस्तार दोनों मांगों को क्षेत्र के भविष्य से जोड़कर देखा जा रहा है। जनजागरण मंच एवं 'नैनपुर की आवाज' का कहना है कि बढ़ती आबादी, क्षेत्रीय विस्तार और नैनपुर के बढ़ते महत्व को देखते हुए आगामी परिसीमन में इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए।

न्यायालय तहसीलदार मण्डला, जिला मण्डला

इश्तहार

क्रमांक/प्रवा.तह./ मण्डला,
दिनांक 24.09.2026
श्रीमति नेहा जैन पति श्री अंकित जैन
जाति जैन निवासी वार्ड नंबर 06
रानीदुर्गावती वार्ड मण्डला
तहसील मण्डला जिला मण्डला।

विरुद्ध

श्रीमति प्रभा जैन पत्नि स्व.श्री ओमप्रकाश जैन निवासी वार्ड नं.द 06 रानी दुर्गावती वार्ड मण्डला (मृतक.).....अनावेदक / वसीयतकर्ता

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम खैरी स्थित भूमि खसरा नंबर 578/1/7 रकवा 1.1140 हे. भूमि एवं खसरा नंबर 579/6 रकवा 0.1600 व खसरा नंबर 579/7 रकवा 0.0240 हे. भूमि मृतक श्रीमति प्रभा जैन पति स्व. श्री ओमप्रकाश जैन निवासी रानी दुर्गावती वार्ड मण्डला के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है यह कि भूमि स्वामी की दिनांक 05.08.2026 को मृत्यु हो चुकी है। मृतक भूमिस्वामी द्वारा रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 31.07.2024 के आधार पर वसीयतगृहिता श्रीमति नेहा जैन पति श्री अंकित जैन निवासी वार्ड नंबर 06 रानीदुर्गावती वार्ड मण्डला के द्वारा नामांतरण कराये जाने हेतु म.प्र.भू.रा.सं. 1959 की धारा 109, 110 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में गतिशील है।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत पेशी दिनांक 12.10.2026 को प्रातः 11.00 बजे तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावे/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार
मण्डला मप्र

स्वतंत्र मत
जबलपुर
गुरूवार 08 अक्टूबर 2026

संपादकीय

रायता फैलता ही जा रहा

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के निलंबन की मांग खारिज कर दी और उनके कामकाज, फैसले लेने पर कोई 'अंतरिम रोक' तक नहीं लगाई, लेकिन इतनी चेतावनी जरूर दी है कि यदि चुनाव आयोग के भीतरी फैसले अथवा एसआईआर का निर्णय या अन्य महत्वपूर्ण बदलाव के फैसले 'सर्वसम्मति' से नहीं लिए गए होंगे, तो अदालत उन तमाम फैसलों को रद्द भी कर सकती है। एक संवैधानिक संस्था के कामकाज और भीतरी विसंगतियों पर सुप्रीम कोर्ट की यह बेहद कठोर चेतावनी है। सुप्रीम कोर्ट के ही एक अन्य न्यायाधीश जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने लाखों लाख लोगों का मताधिकार छीनने को 'संविधान की आत्मा' पर प्रहार माना है। संविधान नागरिकों के दो वर्गों की अनुमति नहीं देता। किसी भी नागरिक को, जो मतदाता रहा है, नोटिस दिए बिना और अंतिम फैसले से पहले मताधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट के ही पूर्व न्यायाधीश जस्टिस नरीमन ने सवाल उठाया है कि जब करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से काट दिए गए और अब भी यह प्रक्रिया जारी है, तो उस दौरान सुप्रीम कोर्ट 'मूकदर्शक' क्यों बना रहा? संविधान और उसके अनुच्छेदों के नाम पर यह कवायद चलती रही है, तो अदालत ने अपना ठोस फैसला क्यों नहीं दिया? अर्थात चुनाव आयोग, एसआईआर और सीईसी की भूमिकाओं और उनके मद्देनजर विरोध-प्रदर्शनों को नए आयाम मिल गए हैं। अभी तक राजनीतिक विपक्ष चुनाव आयोग और मतदाता सूचियों के कथित शुद्धिकरण को 'वोट चोरी' मानता रहा था और निरंतर आंदोलित है, लेकिन आयोग के ही दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों के बाद अब सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा और पूर्व न्यायाधीशों ने भी तीखी टिप्पणियां की हैं, तो यह मुद्दा बेहद गंभीर और संवैधानिक औचित्य का बन गया है। बहरहाल रायता खूब फैलता जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण न्यायिक टिप्पणी यह रही है कि जिस फॉर्म 6 के साथ 'तकनीकी बदलाव' के संदर्भ में चुनाव आयोग स्पष्टीकरण देता रहा था कि शीर्ष अदालत ने उसे 'उचित' करार दिया था, उस पर प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने साफ कह दिया कि सर्वोच्च अदालत ने किसी भी 'तकनीकी बदलाव' को मंजूरी नहीं दी। तो क्या चुनाव आयोग देश के सामने 'सफेद झूठ' बोल रहा था? क्या यह न्यायिक अवमानना का मामला नहीं बनता? सर्वोच्च अदालत ने सिर्फ सीईसी ज्ञानेश कुमार को ही नहीं, बल्कि दोनों चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी-समेत आयोग के संबद्ध अधिकारियों और केंद्र सरकार को नोटिस भेजे हैं। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने साफ कहा है कि खबरों के आधार पर कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं की जा सकती, लिहाजा अदालत ने आयुक्तों की बैठक के ब्यौरे, एजेंडे, मिनट्स, दस्तावेज, फॉर्म 6 और उसके साथ घोषणा-पत्र का फैसला करने वाले कागजात आदि तलब किए हैं। शीर्ष अदालत की न्यायिक पीठ तमाम रिकॉर्ड्स को देख-परख कर इस निष्कर्ष तक पहुंचने का प्रयास करेगी कि आयोग में फैसले एकतरफा होते रहे हैं अथवा सर्वसम्मति से लिए जाते रहे हैं। चूंकि अब यह मामला काफी गहराई तक पहुंच चुका है और व्यापक भी हो गया है, लिहाजा शीर्ष अदालत 2023 के उस कानून की भी समीक्षा जरूर करे, जिसके जरिए सीईसी को सेवानिवृत्ति के बाद भी 'अभूतपूर्व, अप्रत्याशित कानूनी सुरक्षा' दी गई है। ऐसा सुरक्षा-कवच देश के प्रधानमंत्री को भी नहीं दिया जाता। सिर्फ राष्ट्रपति को यह कानूनी छूट दी जाती है। क्या अब सीईसी भी राष्ट्रपति के समकक्ष हो गए हैं? बेशक सर्वोच्च अदालत इस छूट की वैधता की समीक्षा करेगी। बहरहाल विपक्ष के आरोपों की जांच करके यह तय किया जाना चाहिए कि क्या कानून के विपरीत काम करके बड़ी संख्या में मतदाताओं से उनका मतदान का अधिकार छीना गया है अथवा नहीं?

इमरान खान की रिहाई के लिए सरकार विरोधी आंदोलन

खुद की लगाई आग में जलता पाकिस्तान

सुरेश हिंदुस्तानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

आर्थिक बदहाली के साए में बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के समक्ष अब एक और नई परेशानी विकराल रूप धारण कर चुकी है। पाकिस्तान के लिए यह संकट उसकी खुद की ही देन कहा जा सकता है। क्योंकि सरकार और सेना जिस प्रकार के कार्य को अंजाम दे रहे हैं, वे मात्र दिखावे के अलावा और कुछ नहीं है। पाकिस्तान में जहाँ एक ओर क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने इमरान खान की रिहाई के लिए सरकार विरोधी आंदोलन आग का रूप ले रहा है, वहीं पाकिस्तान के पडोसी देश अफगानिस्तान के साथ तनातनी वाला माहौल आग में घी डालने का कार्य कर रहा है। इससे कट्टरपंथी इस्लामिक ताकतें पाकिस्तान सरकार के विरोध में आती जा रही हैं। इस सबके पीछे एक बड़ा कारण यह भी समझ में आ रहा है कि आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान के समक्ष एक ऐसा खतरा पैदा हो गया है, जिससे वह ब्लेक लिस्ट में आ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तान का भविष्य अंधकार युक्त हो सकता है।

वर्तमान में पाकिस्तान जिस रास्ते पर चल पड़ा है, वह उसे मजबूती की ओर नहीं, बल्कि स्वयं के बनाए संकटों की ओर ले जा रहा है। पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति को देखकर एक पुरानी कहावत याद आती है दूसरों के लिए खोदा गया गड्ढा कभी-कभी स्वयं के लिए भी खतरनाक हो जाता है। दशकों से आतंकवाद, कट्टरपंथ और पड़ोसी देशों के प्रति टकराव को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाने वाला पाकिस्तान आज उन्हीं नीतियों के दुष्परिणामों से जूझ रहा है। भारत के साथ तनाव तो उसकी पुरानी कहानी है, लेकिन अब अफगानिस्तान भी उसके लिए गंभीर चुनौती बन गया है। भीतर से राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक दबाव अलग संकट पैदा कर रहे हैं। सबसे ताजा और चिंताजनक घटनाक्रम पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा पर दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान ने हाल के दिनों में अफगानिस्तान के भीतर हवाई हमले किए हैं और उसका दावा है कि वहां से पाकिस्तान विरोधी आतंकवादी गतिविधियां संचालित हो रही थीं। दूसरी ओर तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। अक्टूबर की शुरुआत में पाकिस्तानी हवाई हमलों में अफगानिस्तान में नागरिकों के मारे जाने की खबरों के बाद तनाव और बढ़ा है। जिस तालिबान को पाकिस्तान ने लंबे समय तक अपने रणनीतिक हितों के लिए समर्थन दिया, आज उसी के साथ उसके संबंध इतने खराब हो चुके हैं कि दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव की स्थिति पैदा हो रही है। कभी पाकिस्तान को उम्मीद थी कि अफगानिस्तान में उसकी पसंद की सत्ता उसके रणनीतिक हितों की रक्षा करेगी। लेकिन आतंकवाद और कट्टरपंथ की राजनीति की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि जिसे आज अपने हित में इस्तेमाल किया जाता है, वह कल नियंत्रण से बाहर हो सकता है।

अफगानिस्तान के साथ टकराव केवल सीमा विवाद नहीं है। यह पाकिस्तान की उस नीति की विफलता का संकेत है जिसमें आतंकवाद को रणनीतिक संपत्ति समझने की भूल की गई। पाकिस्तान स्वयं अब तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी और अन्य आतंकी संगठनों की हिंसा से परेशान है। दूसरी ओर भारत के साथ भी स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी है। अक्टूबर की शुरुआत में पंजाब सीमा पर हुई घटना के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के शीर्ष राजनयिकों को तलब किया। यह स्थिति बताती है कि पाकिस्तान के सामने केवल एक सीमा की चुनौती नहीं है। पश्चिम में अफगानिस्तान, पूर्व में भारत और भीतर आतंकवाद तथा राजनीतिक अस्थिरता, चारों दिशाओं से संकट दिखाई दे रहा है। ऐसे में प्रश्न यह है कि पाकिस्तान अपनी ऊर्जा आखिर किस दिशा में लगाएगा।

पाकिस्तान में इमरान खान के समर्थकों ने अक्टूबर की शुरुआत में उनकी रिहाई की मांग को लेकर इस्लामाबाद की ओर मार्च शुरू किया। सरकार ने राजधानी में सुरक्षा बढ़ाई और रास्तों को बंद किया। राजनीतिक संकट का यह खेल पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता को ही बढ़ावा दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान की राजनीति लंबे समय से सत्ता के लिए राजनीतिक संघर्ष और सैन्य प्रभाव के बीच झूलती रही है। जनता को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई से राहत चाहिए, लेकिन राजनीतिक विमर्श लगातार सत्ता हासिल करने और सत्ता बचाने की लड़ाई में उलझा रहता है।

आर्थिक मोर्चे पर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का सहारा लेना पड़ा है। इसका अर्थ साफ है कि पाकिस्तान तत्काल आर्थिक संकट से कुछ राहत पा सकता है, लेकिन उसकी मूल समस्याएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं। कर्ज, कमजोर कर व्यवस्था, ऊर्जा क्षेत्र की समस्याएं और सीमित आर्थिक अवसर उसके सामने बड़ी चुनौतियां हैं।

ऐसे समय में पड़ोसी देशों के साथ लगातार तनाव पाकिस्तान के लिए कितना महंगा साबित होगा, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। कोई भी देश तभी मजबूत बनता है जब उसकी सीमाएं सुरक्षित होने के साथ उसकी अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो। केवल सैन्य शक्ति पर निर्भर रहकर आर्थिक कमजोरी को स्थायी रूप से दूर नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान में जिन नीतियों को कभी उसकी ताकत समझा गया, वे अब उसकी कमजोरी बनती जा रही हैं। आतंकवाद के सहारे भारत को दबाने की नीति ने उसे आतंकवाद से मुक्त नहीं किया। अफगानिस्तान में प्रभाव कायम रखने की रणनीति ने अंततः उसी के साथ संघर्ष की स्थिति पैदा कर दी। सैन्य वर्चस्व ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत नहीं होने दिया और राजनीतिक अस्थिरता ने आर्थिक विकास को बाधित किया।

अब पाकिस्तान के सामने चुनाव है। क्या वह पुरानी आग को और हवा देगा या उसे बुझाने का साहस करेगा? भारत के लिए पाकिस्तान की स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है। अस्थिर और परमाणु हथियारों से लैस पड़ोसी पूरे क्षेत्र के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। इसलिए भारत को अपनी सुरक्षा के प्रति पूरी तरह सतर्क रहते हुए आतंकवाद और घुसपैठ के खिलाफ कठोर नीति जारी रखनी होगी। पाकिस्तान को भी यह समझना होगा कि भारत से स्थायी टकराव उसके आर्थिक संकट का समाधान नहीं है और अफगानिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष आतंकवाद की समस्या को खत्म नहीं कर सकता। इसके लिए नीति में बुनियादी बदलाव चाहिए। उसे आतंकवाद को किसी भी रूप में रणनीतिक हथियार मानने की मानसिकता छोड़नी होगी। पड़ोसियों के साथ संबंधों को टकराव के बजाय व्यापार और संवाद की दिशा में ले जाना होगा। सेना और राजनीतिक संस्थाओं के बीच संतुलन कायम करना होगा। और सबसे महत्वपूर्ण अपने नागरिकों को यह विश्वास दिलाना होगा कि पाकिस्तान का भविष्य बंदूक से नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक स्थिरता से बनेगा। आज पाकिस्तान के सामने असली चुनौती भारत को हराना नहीं है। असली चुनौती अपने भीतर पैदा किए गए संकटों से बाहर निकलना है। क्योंकि इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है दूसरों को जलाने के लिए लगाई गई आग को यदि समय रहते बुझाया न जाए, तो उसकी लपटें अंततः अपने ही घर की दीवारों को जला देती हैं। पाकिस्तान आज उसी आग के बीच खड़ा है और अब सवाल यह नहीं कि आग किसने लगाई, सवाल यह है कि उसे बुझाने का साहस कौन करेगा।

फॉर्म 6 में बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के राजनीतिक मायने?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिक के सबसे महत्वपूर्ण अधिकार मताधिकार का आधार हैं। इसलिए मतदाता सूची में किसी भी प्रकार का बदलाव, संशोधन या नई प्रक्रिया केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं माना जा सकता। इसके पीछे कानून, पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता जुड़ी होती है। ऐसे में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान मतदाता पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-6 में कथित बदलाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी बेहद महत्वपूर्ण है।

सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि उसने फॉर्म-6 में इस प्रकार के किसी बदलाव को मंजूरी नहीं दी थी। अदालत ने यह जानने की इच्छा जताई है कि आखिर यह बदलाव किसके स्तर पर हुआ और इसके पीछे निर्णय लेने की पूरी प्रक्रिया क्या थी। सीजेआई सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि यदि कोई गैर-कानूनी काम हुआ है तो उसके परिणाम भुगतने होंगे, मामले की गंभीरता को स्पष्ट करती है। यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि किसी वैधानिक प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले फॉर्म में बदलाव किया गया, तो वह किस अधिकार के तहत किया गया? क्या यह निर्णय चुनाव आयोग के स्तर पर सामूहिक रूप से लिया गया? क्या सभी चुनाव आयुक्तों की सहमति इसमें थी? क्या इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया? और सबसे महत्वपूर्ण क्या इस बदलाव की जानकारी सार्वजनिक रूप से दी गई थी? लोकतंत्र में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की ताकत केवल उसके अधिकारों में नहीं, बल्कि उसकी निष्पक्षता और सार्वजनिक विश्वास में होती है। चुनाव आयोग पर किसी एक राजनीतिक दल या सरकार का प्रभाव होने का संदेह भी लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए आयोग के प्रत्येक निर्णय में प्रक्रिया की पारदर्शिता उतनी ही आवश्यक है, जितना उसका अंतिम परिणाम। फॉर्म 6 का मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि यह नए मतदाताओं के पंजीकरण से संबंधित है। यदि इस प्रक्रिया में कोई अतिरिक्त घोषणा, दस्तावेज या शर्त जोड़ी जाती है, तो उसका सीधा प्रभाव नागरिक के मतदाता बनने के अधिकार पर पड़ सकता है। किसी पात्र नागरिक को केवल प्रक्रिया की जटिलता के कारण मताधिकार से वंचित होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं माना जा सकता। एसआईआर को लेकर पहले से ही राजनीतिक विवाद चल रहा है। विपक्षी दल इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि बड़ी संख्या में मतदाता इससे प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर चुनाव आयोग का तर्क अपनी जगह है। ऐसे माहौल में यदि फॉर्म 6 जैसे बुनियादी दस्तावेज में बदलाव को लेकर भी अस्पष्टता पैदा होती है, तो स्वाभाविक रूप से संदेह और बढ़ता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक और महत्वपूर्ण पहलू उठाया है निर्णय लेने की संस्थागत प्रक्रिया। अदालत यह जानना चाहती है कि एसआईआर से संबंधित निर्णय केवल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने लिए या फिर चुनाव आयोग ने उन्हें बहुमत अथवा सर्वसम्मति से मंजूरी दी। यह प्रश्न केवल वर्तमान विवाद तक सीमित नहीं है। यह चुनाव आयोग के भीतर सामूहिक निर्णय प्रणाली और संवैधानिक जवाबदेही से भी जुड़ा हुआ है।

इस पूरे मामले में जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालना भी उचित नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल मुख्य चुनाव आयुक्त को निलंबित करने संबंधी अंतरिम आदेश देने से इनकार किया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल अखबार की रिपोर्ट के आधार पर कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। यह न्यायिक संयम लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। अदालत ने चुनाव आयोग से रिकॉर्ड मांगा है। यही रिकॉर्ड अब इस विवाद की वास्तविक तस्वीर सामने लाएगा। यदि रिकॉर्ड यह साबित करता है कि सभी निर्णय नियमों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लिए गए थे, तो विवाद का एक बड़ा हिस्सा स्वतः समाप्त हो जाएगा। लेकिन यदि रिकॉर्ड से यह सामने आता है कि किसी महत्वपूर्ण निर्णय को आवश्यक संस्थागत सहमति के बिना लागू किया गया, तो फिर सवाल केवल फॉर्म 6 तक सीमित नहीं रहेगा। यह मामला चुनाव आयोग की विश्वसनीयता की अग्निपरीक्षा भी बन सकता है। देश की जनता यह जानना चाहेगी कि मतदाता सूची से जुड़े इतने महत्वपूर्ण फैसले किस प्रक्रिया के तहत लिए गए। आखिर चुनाव आयोग की शक्ति का आधार कानून है या प्रशासनिक विवेक? और यदि कोई बदलाव किया गया तो उसकी वैधानिक स्वीकृति कहां है? आज आवश्यकता इस बात की है कि चुनावी प्रक्रिया से जुड़े हर विवाद का समाधान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि दस्तावेजों, कानून और पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर हो। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, किसी को भी चुनाव आयोग की विश्वसनीयता के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल केवल एक सवाल उठाया है कि फॉर्म 6 में बदलाव आखिर किसने किया? लेकिन इस सवाल के पीछे लोकतंत्र का इससे भी बड़ा प्रश्न छिपा है कि क्या चुनावी प्रक्रिया में लिए जाने वाले प्रत्येक निर्णय का संस्थागत और वैधानिक हिसाब जनता के सामने होना चाहिए? इसका उत्तर निश्चित रूप से हां है।क्योंकि चुनाव केवल वोट डालने का दिन नहीं है। चुनाव उस पूरी प्रक्रिया का नाम है जिसमें मतदाता सूची से लेकर मतदान केंद्र और मतगणना तक हर कदम पर नागरिक का विश्वास कायम रहना चाहिए। यदि इस विश्वास में दरार आती है तो उसका नुकसान किसी एक राजनीतिक दल को नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र को होता है।इसलिए अब निगाहें सुप्रीम कोर्ट में पेश होने वाले चुनाव आयोग के रिकॉर्ड पर हैं। रिकॉर्ड बताएगा फॉर्म 6 में बदलाव वास्तव में किसने किया, किस अधिकार से किया और किस प्रक्रिया के तहत किया। यदि सब कुछ कानून के अनुरूप है तो संदेह दूर होना चाहिए और यदि कहीं नियमों की अनदेखी हुई है तो जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। लोकतंत्र में चुनाव की पवित्रता केवल निष्पक्ष मतदान से नहीं बल्कि निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से सुनिश्चित होती है। मतदाता का अधिकार किसी भी प्रशासनिक सुविधा से बड़ा है और इसी कसौटी पर हर चुनावी निर्णय को परखा जाना चाहिए।

हमसे पंगा मत लो, नहीं तो...नेतन्याहू ने किसे दी खतरनाक धमकी

अभिनय आकाश

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर की बरसी से ठीक पहले अपने मंत्रिमंडल की बैठक में इजराइल के दुश्मनों को सीधी चेतावनी दी है। नेतन्याहू ने 6 अक्टूबर को सरकारी बैठक की शुरुआत में ही हमास को लेकर कहा कि यह संगठन अब कमजोर हो चुका है। लेकिन चुनाव से पहले वह अपनी बची हुई सारी ताकत का इस्तेमाल इजराइल को चुनौती देने और चुनाव को प्रभावित करने के लिए करेगा। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करेगा और अगर ऐसा प्रयास किया गया तो बहुत भारी ताकत से जवाब दिया जाएगा। इसके बाद नेतन्याहू ने दुश्मनों को सीधे तौर पर कहा कि हमने सात मोर्चों पर तुम्हारे साथ क्या किया वो देख लो हमारे साथ पंगा मत लेना। नेतन्याहू का यह बयान 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमास के हमले की याद और उसके बाद शुरू हुए युद्ध के संदर्भ में 7 अक्टूबर 2023 को हमास और उससे जुड़े हुए लड़ाकों ने दक्षिणी इजराइल में बड़े पैमाने पर हमले किए थे। इस हमले में इजराइल के मुताबिक बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। कई लोगों को बंधक बना लिया गया था और उन्हें गाजा ले जाया गया था। इसके बाद इजराइल ने गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किए और यह संघर्ष धीरे-धीरे पूरे इलाके में फैल गया। इसी हमले की तीसरी बरसी के मौके पर इजराइल में मृतकों को याद किया जा रहा है और देश में एक बार फिर से उस दिन की घटनाओं को याद किया जा रहा है।

नेतन्याहू ने अपने बयान में उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी जो 7 अक्टूबर के हमले और उसके बाद हुए युद्ध में मारे गए। उन्होंने कहा कि पिछले 3 सालों में इजराइल ने अपने दुश्मनों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और उनके मुताबिक आज इजराइल मध्य पूर्व की सबसे मजबूत ताकत है। नितनया ने यह भी दावा किया कि पिछले 3 सालों में हमास के करीब 6000 लड़ाकों में से 4000 को इजराइल ने खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि गाजा में हमास का शासन समाप्त किया जाएगा। नेतन याहू ने यह भी कहा कि हमास कमजोर हो चुका है। लेकिन ठीक इसी वजह से वह अपनी बची हुई सारी ताकत के जरिए इजराइल को चुनौती देने की कोशिश कर सकता है। नेतन्याहू ने खासतौर पर आने वाले चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश पर बात की। उन्होंने साफ कहा कि इजराइल ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए तैयार है और अगर ऐसा करने की गलती की जाती है तो उसे ओवरवेल्मिंग फोर्स यानी कि बहुत भारी ताकत से जवाब दिया जाएगा। और इसके बाद नेतन्याहू ने कहा कि मैं अपने सभी दुश्मनों से कहना चाहता हूं हमने सात मोर्चों पर तुम्हारे साथ क्या किया वो देख लो हमारे साथ पंगा मत लेना।

नेतन्याहू का यह बयान हाल ही में फ्लाई डुबाई की घटना के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। 23 सितंबर को दुबई से तेलवी जा रही 1073 में एक गंभीर घटना हुई। विमान के अंदर ओमानी सह पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मिथ पर हमला किया। जिसके बाद विमान अचानक से हजारों फीट नीचे गिर गया। घायल होने के बावजूद भारतीय कैप्टन ने कॉकपेट का दरवाजा खोलने में कामयाबी हासिल की और इसके बाद चालक दल और यात्रियों ने मिलकर हमलावर पर काबू पाया। विमान को बाद में सऊदी अरब के तबूक में सुरक्षित तौर पर उतारा गया था। इस विमान में 170 से ज्यादा लोग सवार थे और ज्यादातर इजराइली थे। इस घटना के बाद इजराइल में विमान सुरक्षा को लेकर चिंता भी बढ़ गई है। इजराइयली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहो ने मामले की गहराई से जांच कराने और इजराइल आने वाली विदेशी एयरलाइन की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की बात भी कही।

भारत में ब्याज दरों में बढ़ोतरी का चक्र प्रारम्भ

प्रह्लाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक

भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 7 अक्टोबर 2026 को घोषित अपनी मौद्रिक नीति (मोनेटरी पॉलिसी) के माध्यम से रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करते हुए इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। भारत में, फरवरी 2023 के पश्चात, प्रथम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई है। अब संभवतः समस्त बैंक अपने ऋणों पर ब्याज दरों में बढ़ौतरी की घोषणा करेंगे। दरअसल, भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि देखी जा रही है और मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देश पहिले से ही ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा कर चुके हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर में वृद्धि करने के अतिरिक्त और कोई उपाय था भी नहीं। रेपो दर में वृद्धि वित्तीय बाजार में लगाए जा रहे अनुमान के आधार पर ही रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि निकट भविष्य में रेपो दर में कमी की सम्भावना अब कम ही है बल्कि वित्तीय बाजार का अनुमान है कि दिसम्बर माह में होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी की बैठक में भी सम्भवतः रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की पुनः वृद्धि की घोषणा की जाएगी।

दरअसल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, ईरान-अमेरिका युद्ध तो लम्बे समय से चल ही रहा था अब सऊदी अरब-हूथी युद्ध भी छिड़ गया है एवं इसमें पाकिस्तान एवं टर्की भी शामिल हो गए हैं। इस सबका विपरीत प्रभाव वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति पर पड़ा है एवं कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं जिससे विश्व के कई देशों में मुद्रा स्फीति की स्थिति लगातार गम्भीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के अनुमान को बढ़ाया है। पूर्व में, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के 5 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया गया है। मुद्रा स्फीति, एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है, इसे नियंत्रित करना अति आवश्यक है क्योंकि इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब नागरिकों पर अति गम्भीर रूप से पड़ता है। मुद्रा स्फीति के लगातार बढ़ने से नागरिकों की क्रय शक्ति कमजोर हो जाती है। पूरे विश्व में लगभग समस्त देशों द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है ताकि नागरिक अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए निरुत्साहित हों एवं इस धनराशि को वे बैकों में जमा करें एवं साथ ही नागरिक बैकों से ऋणराशि लेने हेतु भी निरुत्साहित हों क्योंकि ब्याज दर के बढ़ाने से ऋणराशि पर अब अधिक ब्याज देना होगा। इससे बाजार में उत्पादों की मांग में कमी आती है एवं उत्पादों की कीमतें कम होने लगती हैं और अंततः मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित होने लगता है। परंतु, ब्याज दरों में एक सीमा से अधिक वृद्धि करने से आर्थिक विकास दर विपरीत रूस से प्रभावित होने लगती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तो मुद्रा स्फीति का उल्लेख ही नहीं मिलता है क्योंकि उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति बाजार में बनाए रखी जाती थी, बल्कि शास्त्रों में उत्पादों के दाम कम होते जाने का उल्लेख जरूर मिलता है। वर्तमान स्थिति बिलकुल भिन्न है, बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ जाती है परंतु आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, इससे इन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दृष्टिगोचर होने लगती है।

प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य वृद्धि को बाजार में वस्तुओं/उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाकर नियंत्रित किया जाना चाहिए न कि इन उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास कर इन वस्तुओं/उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जाय। पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत ब्याज दर में की गई वृद्धि के कारण बाजार पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को आंकने का प्रयास ही नहीं किया जाता हैं। यदि उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाएंगे तो इन उत्पादों का निर्माण कम होगा, इससे विनिर्माण इकाईयों एवं इन इकाईयों में कार्यरत श्रमिकों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन कम होने के चलते विनिर्माण इकाईयों द्वारा बहुत सम्भव है कि श्रमिकों की छटनी की जाने लगे। इससे देश में बेरोजगारी फैल सकती है। परंतु, भारत में इस तरह की समस्या वर्तमान परिस्थितियों में बीच दिखाई नहीं देती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि रेपो दर में की गई वृद्धि का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना लगभग शून्य है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को संशोधित कर इसे पूर्व के अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। अन्यथा, सामान्यतः ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक विकास दर पर विपरीत प्रभाव दिखाई देता है। भारत में आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही के समय में विशेष रूप से विनिर्माण के क्षेत्र एवं सेवा के क्षेत्र में आकर्षक वृद्धि दर दर्ज हुई है। विभिन्न उत्पादों के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्र में निवेश भी अब बढ़ने लगा है जबकि सरकारी क्षेत्र में निवेश तो पहिले से ही मजबूत बना हुआ है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋणराशि में अतुलनीय वृद्धि दिखाई दे रही है एवं वस्तु एवं सेवा कर तथा आय कर एवं कारपोरेट कर के संग्रहण में मजबूत वृद्धि दिखाई दे रही है। भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है अतः स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों का बाजार भारत में ही उपलब्ध रहता है, केंद्र सरकार की नीतियों के चलते इन उत्पादों के अन्य देशों से आयात को निरुत्साहित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, अन्यथा यदि इन उत्पादों का आयात आसानी होने दिया जाय तो सम्भव है कि इन उत्पादों के साथ मुद्रा स्फीति भी आयातित होने लगे, जैसा महंगे कच्चे तेल के आयात से हो रहा है। भारत में बढ़ रही मुद्रा स्फीति के लिए कुछ हद्द तक अन्य देशों से आयातित उत्पादों की बढ़ी हुई कीमतें भी जिम्मेदार हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि के निर्णय के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण जिम्मेदार है। दरअसल, अमेरिका की केंद्रीय बैंक यूएस फेड रिजर्व ने यू एस फेड दर में वृद्धि की घोषणा की है। इससे, अमेरिकी में बांड यील्ड में अतुलनीय वृद्धि ध्यान में आई है। 30 वर्षीय बांड यील्ड बढ़कर 5.60 प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है, जो वर्ष 2002 के बाद से सबसे अधिक है। इससे विदेशी संस्थागत निवेशक, तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से अपने निवेश को निकालकर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। इसके चलते भारत सहित कई देशों की मुद्राओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से गिर रही है। अतः अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं।

हेनरी बी. कागैन और केन्सो सोआई को रसायन शास्त्र का नोबेल पुरस्कार 2026

सममिति के रहस्य से पर्दा उठाने पर मिला सम्मान

स्टॉकहोम, (वार्ता)

वर्ष 2026 के लिए रसायन शास्त्र का नोबेल पुरस्कार वैज्ञानिक हेनरी बी. कागैन और केन्सो सोआई को संयुक्त रूप से प्रदान किया जाएगा।नोबेल समिति के अध्यक्ष हीनर लिंक ने बुधवार को इस पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा कि इन वैज्ञानिकों को यह सम्मान रासायनिक सममिति यानी होमोचिरलिटी के उद्भव से जुड़े शताब्दी पुराने रहस्य को सुलझाने के लिए दिया गया है। उन्होंने बताया कि सर्वश्री हेनरी कागैन और केन्सो सोआई ने सौ साल से भी अधिक पुराने इस रासायनिक रहस्य का समाधान प्रस्तुत किया है कि स्वत:स्फूर्त रूप से होमोचिरलिटी का विकास कैसे हो सकता है। उनके द्वारा विकसित की गई रासायनिक प्रतिक्रियाएं अत्यंत अद्भुत हैं। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेस की एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि जीव विज्ञान और रसायन शास्त्र में एमीनो एसिड जैसे कुछ अणु दो ऐसे रूपों में मौजूद होते हैं जो एक-दूसरे की दर्पण छवि जैसे होते हैं। हालांकि, सजीव जीवों की कोशिकाओं और प्रोटीनों में इन दोनों छवियों में से केवल एक ही रूप पाया जाता है, जबकि दूसरा रूप प्रकृति में दुर्लभ है। रसायन विज्ञान में इस स्थिति को होमोचिरलिटी कहा जाता है।

लंबे समय तक वैज्ञानिक इस बात को लेकर उलझन में थे कि प्रकृति में यह एकतरफा दर्पण छवि कैसे विकसित हुई। जब प्रयोगशालाओं में दोनों दर्पण छवियों वाले अणुओं को बनाने की प्रतिक्रियाएं कराई जाती थीं, तो टेस्ट ट्यूब में हमेशा दोनों के बराबर अनुपात प्राप्त होते थे।

दवाओं जैसी जीवन-रक्षक प्रणालियों के निर्माण में केवल एक विशिष्ट दर्पण छवि की ही आवश्यकता होती है, क्योंकि वही सजीव प्रणालियों में प्रभावी होती है।

श्री कागैन ने इस दिशा में पहला महत्वपूर्ण मोड़ 1986 में हासिल किया, जब उन्होंने रासायनिक प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने का एक नया तरीका खोजा। उनके इस प्रयोग से किसी एक दर्पण छवि का ऐसा अधिक अनुपात प्राप्त करना संभव हो सका, जिसे पहले असंभव माना जाता था। इसके बाद केन्सो सोआई ने इस शोध को आगे बढ़ाया। वर्ष 1995 में अपने एक महत्वपूर्ण शोध पत्र में उन्होंने पहली ऐसी रासायनिक प्रतिक्रिया का डिजाइन प्रस्तुत किया जिसमें पूर्ण रूप से होमोचिरल होने की क्षमता थी। वर्ष 2003 में सोआई को इसमें पूर्ण सफलता मिली, जब उन्होंने एक ऐसी प्रतिक्रिया प्रदर्शित की जिसमें दो में से केवल एक ही दर्पण छवि का निर्माण हुआ। स्वयं जीवन की उत्पत्ति के अलावा प्रयोगशाला में यह उपलब्धि पहली बार हासिल की गई थी। सर्वश्री हेनरी कागैन और केन्सो सोआई की इस खोज ने न केवल जीवन की उत्पत्ति से जुड़ी वैज्ञानिक पहेली को सुलझाया है, बल्कि दवा निर्माण क्षेत्र के लिए आवश्यक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को डिजाइन करने में क्रांतिकारी आधार तैयार किया है।

नोबेल पुरस्कार विजेताओं को सम्मान स्वरूप 18 कैरेट सोने का एक नोबेल पदक, प्रमाणपत्र और 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनर की नकद राशि प्रदान की जाती है। भारतीय मुद्रा में लगभग 11.52 करोड़ रुपये के बराबर बैठती है। चूंकि इस वर्ष रसायन शास्त्र का नोबेल पुरस्कार दो लोगों सर्वश्री हेनरी बी. कागैन और केन्सो सोआई को संयुक्त रूप से दिया गया है, इसलिए नियम के अनुसार दोनों विजेताओं के बीच यह नकद पुरस्कार राशि आधी-आधी विभाजित की जाएगी, जिससे प्रत्येक वैज्ञानिक को लगभग 60 लाख स्वीडिश क्रोनर (लगभग 5.95 लाख डॉलर या लगभग 5.76 करोड़ रुपये) प्राप्त होंगे।

इस्लाम कब्जा करना चाहता है..., फ्रांस में छात्रों के प्रदर्शन को लेकर ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांस में छात्रों के बड़े पैमाने पर हो रहे विरोध-प्रदर्शनों के लिए बड़े पैमाने पर प्रवासन और इस्लाम को जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, फ्रांस में जो हो रहा है, वह बेकाबू बड़े पैमाने पर हो रहे पलायन से कम नहीं है। यह स्कूलों के बारे में नहीं है, बल्कि यह इस्लाम के उस देश पर कब्जा करने की कोशिश के बारे में है जो कभी महान हुआ करता था! बेहतर हालात की मांग को लेकर सितंबर के आखिर से ही फ्रांस के छात्र देश भर में सैकड़ों हाई स्कूलों के गेट बंद कर रहे हैं। इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों के साथ छिटपुट झड़पें भी हुई हैं। मंगलवार को पूरे फ्रांस में ढाई लाख प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे।

लेकिन ट्रंप और उनके प्रशासन ने लंबे समय से यूरोप की सामाजिक समस्याओं के लिए माइग्रेशन (प्रवास) को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने यूरोप से अपनी सीमाएं बंद करने को कहा है और दक्षिणपंथी पार्टियों की तरह सभ्यता के पतन की चेतावनी दी है। ट्रंप के मेक

अमेरिका ग्रेट अगेन आंदोलन के प्रमुख नेता, अगले महीने होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले फ्रांस में हो रहे इन विरोध प्रदर्शनों का इस्तेमाल माइग्रेशन से जुड़े अपने मुद्दों को मजबूती से रखने के लिए कर रहे हैं।

MAGA कमेंटेटर्स ने बार-बार फ्रांस में हो रही अशांति के वीडियो पोस्ट किए हैं। ट्रंप के सहयोगी ग्लेन बेक ने सोमवार को कहा कि फ्रांस में हो रहे दंगे बाकी पश्चिमी देशों के लिए एक साफ चेतावनी हैं। इस डर के बीच कि ट्रंप की अलोकप्रियता और ईरान के साथ युद्ध के जोखिम से कांग्रेस पर उनका नियंत्रण छिन सकता है, रिपब्लिकन माइग्रेशन और ट्रांसजेंडरों के खिलाफ बयानबाजी पर और जोर दे रहे हैं।

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन की जीत ही देश को दिवालिया होने से बचा सकती है: ट्रंप

वॉशिंगटन, (स्पुतनिक/वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आगामी मध्यावधि चुनावों में केवल रिपब्लिकन पार्टी की जीत ही देश को दिवालिया होने से बचा सकती है। पत्रकारों से बात करते हुए श्री ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि अगर रिपब्लिकन पार्टी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों में कांग्रेस के दोनों सदनों पर नियंत्रण हासिल कर लेती है, तो अमेरिका प्रत्येक वयस्क अमेरिकी नागरिक को 5,000 डॉलर का लाभांश देगा। श्री ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, डेमोक्रेट्स ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि वे टैरिफ नहीं लगाते और इसलिए देश दिवालिया होने वाला है। इससे पहले मंगलवार को बाल्टीमोर में एक अलग कार्यक्रम में बोलते हुए श्री ट्रंप ने कहा कि अगर डेमोक्रेट्स चुनाव जीतते हैं तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 1929 जैसी मंदी का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव तीन नवंबर को होंगे।

लंदन फिल्म फेस्टिवल में छाया पाकीजा का जादू : 18 अक्टूबर की स्क्रीनिंग के सभी टिकट बिके

लंदन, (वार्ता)। भारतीय सिनेमा की क्लासिक फिल्म पाकीजा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार है। 70वें बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में मीना कुमारी और कमाल अमरोही की इस उत्कृष्ट कृति के 4के रिस्टोर वर्जन को महोत्सव के अंतिम दिन दिखाया जाएगा, बीएफआई की वेबसाइट के अनुसार, कमाल की बात यह है कि इसके शो के सारे टिकट एक माह पहले ही बिक चुके हैं। फिल्म की स्क्रीनिंग को लेकर दर्शकों में भारी उत्साह है। टिकटों की जबरदस्त मांग के मद्देनजर स्टैंडबाय कतार में भी लोग टिकटें खरीद रहे हैं यानी अगर कोई अंतिम वक्त पर अपना टिकट रद्द कराता है तो फिल्म के टिकट के हकदार हो सकेंगे। पाकीजा को अपनी मूल रंगत और गुणवत्ता में वापस लाने का काम भारत के गैर-लाभकारी संगठन फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने किया है।

इमरान खान की रिहाई पर अड़ी पीटीआई, शहबाज सरकार की बातचीत के न्योते को बताया ढोंग

इस्लामाबाद

दुनियाभर में कटोरा लेकर घूम रहा पाकिस्तान इन दिनों आंतरिक राजनीति कलह से गुजर रहा है। वजह है कि पूर्व पाकिस्तानी पीएम इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर अड़े पाकिस्तान तहरीक-ए-इनसाफ के समर्थकों ने शहबाज सरकार का सिर दर्द बढ़ा दिया है। ऐसे में पाकिस्तान सरकार की किरकिरी तब ज्यादा हो गई, जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इनसाफ को बातचीत का न्योता तो दिया, लेकिन पीटीआई ने इसे महज एक ढोंग और दिखावा बताकर खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक कार्यक्रम के दौरान पीटीआई को चेतावनी दी थी कि वे इस्लामाबाद की तरफ अपना लॉन्ग मार्च रोक दें, क्योंकि इससे देश की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है। उन्होंने कहा था कि होश में आओ, लॉन्ग मार्च और धरना खत्म करो,

फिर हम तुम्हारे साथ बैठेंगे। लेकिन इस पर पलटवार करते हुए पीटीआई के प्रवक्ता और नेता गौहर ने शहबाज सरकार की पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि शहबाज सरकार का यह ऑफर केवल सांकेतिक है। सरकार ने बातचीत की बात तो हवा में कर दी, लेकिन जमीन पर ऐसा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जिससे उनकी नीयत साफ दिखे। पीटीआई ने सरकार से सवाल किया कि अगर वे वाकई गंभीर हैं, तो पिछले एक साल से उनके संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पार्टी नेताओं से मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा? रावलपिंडी में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी नेताओं ने बताया कि इमरान खान से आखिरी मुलाकात पिछले साल अक्टूबर में हुई थी, उसके बाद से सरकार ने मिलने पर पूरी तरह पाबंदी लगा रखी है। एक तरफ सरकार बातचीत का ढिंढोरा पीट रही है, दूसरी तरफ पार्टी सुप्रीम कोर्ट के नेता को सलाखों के पीछे अकेला छोड़कर लोकतांत्रिक अधिकारों का गला घोट रही है।

इस बात को ऐसे समझिए कि एक तरफ सरकार धमकियां दे रही थी, तो दूसरी तरफ खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के नेतृत्व में पीटीआई का लॉन्ग मार्च और ज्यादा आक्रामक अंदाज में आगे बढ़ता गया। कोहत पहुंचने पर समर्थकों ने जिस तरह स्वागत किया, उससे सरकार के माथे पर बल पड़ गए हैं। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने दो टूक कहा कि वह इमरान खान के सिपाही हैं और दुनिया की कोई ताकत उन्हें खरीद नहीं सकती।

दलित नेता जिग्नेश मेवाणी को डरा-धमका कर की जा रही है चुप कराने की कोशिश: धर्मसेना

बेंगलुरु,(वार्ता)

कर्नाटक कांग्रेस ने बुधवार को गुजरात के पार्टी विधायक जिग्नेश मेवाणी को लक्षित कर कथित गाली-गलौज वाले और अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट की तीखी आलोचना की है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि दलित नेता को डराने और राजनीति से दूर करने के लिए जानबूझकर यह साजिश की गयी है। कर्नाटक कांग्रेस की अनुसूचित जाति (एससी) इकाई के अध्यक्ष आर धर्मसेना ने आरोप लगाया कि धवन देव (जिसे भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता बताया जा रहा है) ने 30 सितंबर को इंस्टाग्राम पर एक आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड की थी, जिसमें श्री मेवाणी के खिलाफ बहुत गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल किया गया था और उनकी बहन के बारे में अपमानजनक बातें कही गयी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब श्री मेवाणी शिकायत दर्ज कराने पुलिस के पास गये, तो शुरू में उनकी शिकायत नहीं मानी गयी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने अनुसूचित जाति समुदाय के चुने हुए प्रतिनिधियों की सुरक्षा और सम्मान पर गंभीर सवाल खड़े किये हैं।

श्री धर्मसेना ने कहा, यह सिर्फ श्री मेवाणी पर हमला नहीं है। यह एक दलित नेता पर हमला है और उनकी राजनीतिक आवाज को दबाने की कोशिश है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के अलावा श्री मेवाणी और उनके परिवार को जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने और समुदायों के बीच झगड़ा भड़काने की कोशिश में निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा नेता गोविंद करजोल पर निशाना साधते हुए श्री धर्मसेना ने कहा कि श्री करजोल ने हाल में दावा किया था कि विपक्षी दल अनुसूचित जाति समुदाय से आने के कारण मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, अगर श्री करजोल अनुसूचित जाति के नेताओं के सम्मान को लेकर चिंतित हैं, तो उन्हें श्री मेवाणी के साथ जो हो रहा है, उस पर भी बोलना चाहिए। अगर गुजरात में किसी अनुसूचित जाति के नेता को निशाना बनाकर डराया-धमकाया जा सकता है, तो इससे पूरे देश में क्या संदेश जाता है? उन्होंने आरोप लगाया कि आपत्तिजनक सामग्री को हटाने और उसके लेखक के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के बजाय, आपत्तिजनक पोस्ट को प्रसारित प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि गुजरात में पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन होने के बाद ही शिकायत को गंभीरता से लिया गया। केपीसीसी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी पदाधिकारियों ने कथित दुर्व्यवहार को लेकर बेंगलुरु के कब्बन पार्क पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और तत्काल तथा कार्रवाई की मांग की है।

मतदाताओं के नाम हटाने के आरोपों पर भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हो सख्त कानूनी कार्रवाई: भाकपा नेता

हैदराबाद, (वार्ता)

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रीय नेता के. नारायण ने आरोप लगाया है कि हैदराबाद के चिक्कड़पल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने चुन-चुनकर वैध मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास किया है। उन्होंने मांग की कि वास्तविक मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के किसी भी जानबूझकर किए गए प्रयास के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

श्री नारायण ने बुधवार को यहां जारी एक बयान में इस घटना को नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के भाजपा नेतृत्व के बयानों के संदर्भ में जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा कार्यकर्ताओं की गतिविधियों पर सवाल उठाए। इसके साथ ही उन्होंने देश भर में 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की रिपोर्टों पर चिंता व्यक्त करते हुए सवाल किया कि क्या जीवित और पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाना उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनने जैसा नहीं है।

भाकपा नेता ने मांग की कि वास्तविक मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए और उनकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर जांच में किसी भी तरह की आपराधिक गड़बड़ी साबित होती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानून के उचित प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

ईडी से औपचारिक नोटिस मिलने पर जवाब दूंगा : जारकीहोली

बेंगलुरु, (वार्ता)। कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने बुधवार को कहा कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कोई नोटिस नहीं मिला है और औपचारिक रूप से इसके मिलने पर वह इसका जवाब देंगे। श्री जारकीहोली ने पत्रकारों से कहा, मुझे ईडी से कोई नोटिस नहीं मिला है। जब मुझे यह मिलेगा, तो मैं इसका जवाब दूंगा। उनकी यह टिप्पणी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत नौ और 10 सितंबर को बेंगलुरु, बेलगावी, गोकाक और कोलकाता में मंत्री, उनके परिवार के सदस्यों एवं सहयोगियों से जुड़े 21 परिसरों पर ईडी द्वारा की गयी छापेमारी के लगभग एक महीने बाद आयी है। रिपोर्टों के अनुसार जांच एजेंसी ने अघोषित विदेशी निवेश से संबंधित दस्तावेजों के अलावा 3.3 करोड़ रुपये नकद और 15 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त की थी। ईडी की जांच कांगो और जाम्बिया सहित अफ्रीका की संस्थाओं से जुड़े कथित विदेशी व्यावसायिक हितों की पड़ताल कर रही है।

तातोपानी बंदरगाह को फिर से चालू करने के लिए नेपाल कर रहा है चीन से बातचीत: लामसाल

काठमांडू (वार्ता)

नेपाल के बुनियादी ढांचा विकास मंत्री सुनील लामसाल ने कहा है कि तातोपानी बंदरगाह को फिर से चालू करने के लिए चीन के साथ बातचीत हो रही है। श्री लामसाल ने सिंहदरबार में हिमालय में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, जलवायु न्याय और भोटेकोशी-त्रिशूली आपदाओं पर आयोजित विशेष संसदीय समिति की बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपदा के कारण बंदरगाह के संचालन में समस्याएं पैदा हुई हैं, लेकिन सरकार सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे को तत्काल बहाल करने के लिए काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि नेपाली पक्ष तातोपानी बंदरगाह को संचालित करने के लिए तैयार है, लेकिन चीन की ओर से अभी तक इसकी अनुमति नहीं मिली है।

उन्होंने कहा, हम रसुवागढ़ी बंदरगाह को कैसे खोला जाए, इस पर भी काम कर रहे हैं। तातोपानी बंदरगाह में नेपाली पक्ष की ओर से कोई समस्या नहीं है और सड़क को पहले ही चालू कर दिया गया है। चीन के पक्ष के साथ रोजाना नियमित रूप से बातचीत हो रही है, लेकिन वह अभी तैयार नहीं है। चीनी सरकार आपदाओं का हवाला देते हुए बंदरगाह को संचालित करने को लेकर कुछ हिचकिचाती दिख रही है और उसने अभी तक हरी झंडी नहीं दी है। हालांकि, हम प्रयास कर रहे हैं और जल्द ही बंदरगाह खोलने में सफल होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार चीन के साथ प्रमुख व्यापारिक मार्ग रसुवागढ़ी बंदरगाह को भी फिर से खोलने की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि सरकार नुवाकोट के बिदुर को व्यापारिक शहर, औद्योगिक शहर और उपग्रह शहर के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

पीरियड्स के दौरान वाया फेराटा चढ़ाई पूरी कर कुब्रा सैत ने दिया प्रेरक संदेश

अभिनेत्री और लेखिका कुब्रा सैत ने पीरियड्स के दौरान अपनी पहली वाया फेराटा पर्वत चढ़ाई पूरी करने का अनुभव साझा करते हुए लोगों को मुश्किल चुनौतियों का सामना करने और खुद पर भरोसा रखने का संदेश दिया है।सेक्रेड गेम्स और फर्जी जैसी वेब सीरीज में नजर आ चुकीं कुब्रा ने चढ़ाई की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि यह अनुभव शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इस दौरान उन्हें मानव शरीर की अद्भुत क्षमता और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की ताकत का भी एहसास हुआ। कुब्रा ने अपनी पोस्ट में लिखा, अपने कदमों पर भरोसा रखिए। लोग अक्सर बदलाव के बारे में बात करते हैं, उसकी तैयारी करते हैं और उसे समझने की कोशिश करते हैं, लेकिन असली बदलाव तब आता है, जब हम अपने सुरक्षित दायरे से बाहर निकलकर मुश्किल चुनौतियों का सामना करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वेच्छा से कठिन रास्ते चुनना व्यक्ति को मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। जीवन में चुनौतियां कभी भी सामने आ सकती हैं और कठिन अनुभवों का सामना करने से व्यक्ति भविष्य की अनिश्चित परिस्थितियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार होता है। कुब्रा ने यह भी बताया कि उनके 69 वर्षीय माउंटेन गाइड पिछले चार दशकों से पर्वतारोहण कर रहे हैं। वहीं, कई छोटे बचों ने भी इस रूट को सफलतापूर्वक पूरा किया। इससे उन्हें महसूस हुआ कि कई बार हमारा डर वास्तविक चुनौती से कहीं बड़ा होता है। कुब्रा का यह अनुभव खास तौर पर महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने मासिक धर्म को किसी सीमा के रूप में देखने के बजाय शरीर की अनुकूलन क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति पर जोर दिया। उन्होंने लोगों को चुनौतियों से भागने के बजाय उन्हें स्वीकार करने का संदेश देते हुए कहा कि पहाड़ों पर चढ़िए, अपने कदमों पर भरोसा रखिए और मुश्किल काम कीजिए। संभव है कि इसी रास्ते पर व्यक्ति अपने व्यक्तित्व के उस रूप को खोज ले, जिससे वह अब तक अनजान रहा हो।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर खुलकर बात जरूरी : गुलकी

सोनी सब के मेडिकल ड्रामा यादें के आगामी ट्रैक में महिलाओं के स्वास्थ्य और मासिक धर्म स्वछता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाया जाएगा। नवरात्रि के अवसर पर प्रसारित होने वाले इस ट्रैक में डॉ. सृष्टि (गुलकी जोशी) किलारी गांव की महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती नजर आएंगी। कहानी में एक महिला स्वास्थ्य संबंधी समस्या लेकर डॉ. सृष्टि के पास आती है, लेकिन सामाजिक झिझक और शर्म के कारण अपनी परेशानी खुलकर बताने में हिचकिचाती है। इससे डॉ. सृष्टि को एहसास होता है कि सामाजिक मान्यताओं के कारण गांव की महिलाएं अपने स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर खुलकर बातचीत नहीं कर पाती हैं। डॉ. सृष्टि महिलाओं को मासिक धर्म स्वछता और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता लेने के महत्व के बारे में जागरूक करने का फैसला करती हैं। हालांकि, उनके इस प्रयास का गांववालों की ओर से विरोध किया जाता है। इस बीच डॉ. देव (इकबाल खान) उनका साथ देते हैं और महिलाओं के लिए जागरूक एवं खुले माहौल के निर्माण में सहयोग करते हैं। आगामी ट्रैक के बारे में गुलकी जोशी ने कहा, महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे एक महत्वपूर्ण विषय हैं, जिन पर हमारे समाज में और खुलकर बात किए जाने की आवश्यकता है। डॉ. सृष्टि चाहती हैं कि महिलाएं समझें कि उनका स्वास्थ्य ऐसी चीज नहीं है, जिसके बारे में उन्हें झिझक या शर्म महसूस करनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता लेना पूरी तरह सामान्य बात है। उन्होंने कहा, मुझे यह बात बहुत पसंद है कि गांववालों के विरोध के बावजूद डॉ. सृष्टि अपने कदम पीछे नहीं खींचतीं। इस पूरी यात्रा में डॉ. देव का उनका साथ देना इसे और खास बनाता है। मुझे उम्मीद है कि यह ट्रैक महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के बारे में अधिक खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करेगा और उन्हें याद दिलाएगा कि खुद को प्राथमिकता देने के लिए उन्हें अपराधबोध या शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए।

सैयामी खेर ने सिनेमा में पूरे किए 10 साल

अभिनेत्री सैयामी खेर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे कर लिये हैं। वर्ष 2016 में राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म मिर्ज़्या से हर्षवर्धन कपूर के साथ अभिनय की शुरुआत करने वाली सैयामी ने इस खास मौके पर अपने अब तक के सफर, संघर्ष, सीख और अनुभवों को याद किया। सैयामी ने सोशल मीडिया पर अपने सफर से जुड़े अनुभव साझा करते हुए बताया कि नासिक की एक शांत और शर्मीली लड़की से लेकर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने तक का सफर उनके लिये बेहद खास रहा है। उन्होंने कहा कि इन 10 वर्षों में उनकी फिल्मों के साथ-साथ उन्हें मिले लोगों, अनुभवों और सीख ने भी उनके व्यक्तित्व और करियर को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले ही कई लोगों ने उन्हें यह कहकर हतोत्साहित किया कि उनमें अभिनेत्री बनने की क्षमता नहीं है। उन्हें गांव की लड़की तक कहा गया और बिना मांगी सलाह दी गई कि इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिये किसी अभिनेता या निर्देशक को डेट करें अथवा कॉस्मेटिक सर्जरी करवाएं। हालांकि, अपने माता-पिता और परवरिश से मिले आत्मविश्वास के कारण उन्होंने इन बातों को गंभीरता से लेने के बजाय उनमें भी हास्य तलाशना सीखा। सैयामी के करियर में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब आदूर मुखर्जी ने उन्हें फोन कर बताया कि निर्देशक दिलीप शंकर उनका ऑडिशन लेंगे। इसके बाद उन्होंने दिलीप शंकर और अभिनेता आदिल हुसैन के साथ करीब तीन महीने तक वर्कशॉप की। उन्होंने कहा कि इन वर्कशॉप ने उन्हें खुद को स्वीकार करने, अपने काम में ईमानदारी रखने और अपनी पहचान पर भरोसा करना सिखाया।इसके छह

महीने बाद सैयामी को राकेश ओमप्रकाश मेहरा की मिर्ज़्या में काम करने का अवसर मिला। उन्होंने राकेश ओमप्रकाश मेहरा और उनकी पत्नी भारती के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों ने उन्हें परिवार के सदस्य की तरह अपनाया। राकेश मेहरा ने उन्हें खुद बने रहने की स्वतंत्रता दी और अभिनय से प्रेम करना सिखाया। सैयामी ने कहा कि मिर्ज़्या उनके लिये केवल एक फिल्म नहीं थी, बल्कि इस दौरान उन्हें ऐसी दोस्तियां भी मिलीं, जो 10 साल बाद भी उनके साथ हैं। इसी फिल्म के दौरान उन्हें गीतकार एवं लेखक गुलज़ार के साथ काम करने का अवसर मिला। उन्होंने गुलज़ार को ज्ञान और समझ का समंदर बताते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में उन्होंने उन्हें शब्दों से कहीं अधिक दिया है। अपने सफर में परिवार और दोस्तों की भूमिका को याद करते हुए सैयामी ने कहा कि उन्होंने हमेशा उन्हें जमीन से जोड़े रखा और याद दिलाया कि फिल्मों, कैमरे और शोहरत की दुनिया से बाहर भी जिंदगी है। सैयामी ने कहा, पहली बार फिल्म के सेट पर कदम रखे हुए 10 साल हो गए हैं। ये 10 साल मेरी जिंदगी के सबसे बड़े बदलाव लाने वाले अनुभवों से भरे रहे हैं। आज भी मुझे वही जुनून, थोड़ी घबराहट और उत्साह महसूस होता है, जो शूटिंग के पहले दिन महसूस हुआ था।

मौदा में रास्ते को लेकर विवाद सरपंच की एसपी से शिकायत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

किरनापुर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत मौदा में वर्षों पुराने आवागमन मार्ग पर फेंसिंग किए जाने को लेकर विवाद सामने आया है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर सरपंच मनमोहन वैद्य, मधुसूदन मारवाड़ी सहित अन्य लोगों पर रास्ता रोकने और शिकायत के बाद ग्रामीणों पर दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। शिकायत में प्रिया नागेश्वर, सीता, शिवकुमार नागेश्वर, निर्मला नागेश्वर, भावना नागेश्वर, सरोज नागेश्वर, राम नागेश्वर और विक्रम नागेश्वर सहित अन्य ग्रामीणों के नाम दर्ज हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस रास्ते पर फेंसिंग की जा रही है, उसका उपयोग वे कई वर्षों से आवागमन के लिए करते आ रहे

हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, रास्ते को बंद किए जाने से ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी होगी। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि रास्ते को लेकर विरोध करने पर बातचीत के दौरान जाति को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने की बात सामने आई। ग्रामीणों ने इस संबंध में पुलिस से जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, जातिसूचक टिप्पणी संबंधी आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ग्रामीणों के अनुसार, मामले की लिखित शिकायत 7 अक्टूबर 2026 को कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान की गई थी। शिकायत के बाद तहसीलदार एवं पटवारी के मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करने की बात आवेदन में कही गई है। ग्रामीणों का दावा है कि अधिकारियों ने मौके पर फेंसिंग का कार्य रोकने के निर्देश दिए।

शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उसी दिन रात करीब 8 बजे मंदिर में लाउडस्पीकर के माध्यम से ग्रामीणों की बैठक बुलाए जाने की जानकारी मिली। साथ ही शिकायत की प्रति गांव के मौदा एक्सप्रेस व्हाट्सएप ग्रुप में साझा किए जाने का भी उल्लेख शिकायत में किया गया है।

ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस जांच और संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आंधी-तूफान से प्रभावित कालीमाटी टेकाड़ी में विधायक पारधी ने लिया फसल नुकसान का जायजा

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

कटंगी के तहसील क्षेत्र के कालीमाटी टेकाड़ी में बीते दिनों आए तेज आंधी-तूफान एवं ओलावृष्टि से किसानों की धान की फसल को हुए नुकसान का जायजा लेने आज विधायक ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण किया तथा किसानों से चर्चा कर नुकसान की स्थिति की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि कटाई के करीब पहुंच चुकी धान की खड़ी फसल तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण खेतों में गिर गई है, जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ है। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी, तहसीलदार एवं पटवारी भी मौजूद रहे।

विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से फसल नुकसान की स्थिति की जानकारी लेते हुए प्रभावित किसानों एवं खेतों का जल्द से जल्द सर्वे कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान वास्तविक क्षति का आकलन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र किसानों को नियमानुसार राहत एवं क्षतिपूर्ति का लाभ मिल सके। साथ ही प्रभावित क्षेत्र में आंधी-तूफान से विद्युत व्यवस्था एवं अन्य नुकसान को लेकर भी अधिकारियों से जानकारी ली और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।विधायक ने किसानों को भरोसा दिलाया कि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की स्थिति में किसानों को राहत दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत और उनकी फसल को हुए नुकसान को गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय कर सर्वे एवं राहत संबंधी कार्रवाई को जल्द पूरा कराने के प्रयास किए जाएंगे। संकट की इस घड़ी में किसानों के साथ खड़े हैं और उनके हित में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

कान्हा टाइगर रिजर्व में उपचाराधीन मादा बाघ की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

कान्हा टाइगर रिजर्व के मुक्की परिक्षेत्र स्थित वन्य प्राणी उपचार केंद्र में उपचाराधीन एक मादा बाघ शावक की 6 अक्टूबर को मृत्यु हो गई। बाघ शावक को करीब डेढ़ माह पहले वन क्षेत्र में अकेले और अत्यंत कमजोर अवस्था में देखा गया था। इसके बाद वन विभाग द्वारा उसकी जीवन रक्षा एवं स्वास्थ्य सुधार के लिए लगातार उपचार किया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, गश्ती दल ने 26 अगस्त को मादा बाघ शावक को वन क्षेत्र में अकेले और कमजोर शारीरिक अवस्था में पाया था। इसके बाद उसे उपचार केंद्र में लाकर 27 अगस्त से वन्य प्राणी चिकित्सा विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार शुरू किया गया। चिकित्सकीय देखरेख के बावजूद 6 अक्टूबर को उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक संचालन प्रक्रिया के प्रावधानों के अनुसार 7 अक्टूबर को मादा बाघ का शव परीक्षण किया गया। कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणी चिकित्सा अधिकारी तथा बैहर के पशु चिकित्सक ने संयुक्त रूप से पोस्टमार्टम किया। शव परीक्षण के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत शवदाह की कार्रवाई भी संपन्न की गई।

शव परीक्षण के दौरान आवश्यक शारीरिक अंगों एवं जैविक नमूनों को फोरेंसिक एवं पैथोलॉजिकल जांच के लिए जबलपुर स्थित प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही बाघ की मृत्यु के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। शव परीक्षण एवं शवदाह की कार्रवाई के दौरान कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक, उपसंचालक (कोर), सहायक संचालक (हालोन), मुक्की परिक्षेत्र अधिकारी, प्रतिनिधि रंजीत सत्रसुलय, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

समस्याओं का निराकरण

मण्डला। मध्यप्रदेश शासन के सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 5 अक्टूबर को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में गांव की बेटी योजना के तहत छात्रवृत्ति से संबंधित समस्याओं के निराकरण के साथ छात्राओं को आवेदन प्रक्रिया एवं योजना के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर में छात्राओं को योजना की पात्रता आवश्यक दस्तावेज आवेदन एवं सत्यापन प्रक्रिया तथा छात्रवृत्ति प्राप्त करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

पेंशनर्स की मासिक बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विगत दिवस गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की बैठक जिला शाखा अध्यक्ष बी के राय की अध्यक्षता में तथा हरि राम कछवाहा, डाक्टर ओ पी तपा, प्रेमनारायण वारेश्वा, प्रकाश उईके सुनुआ भलावी के आथित्य में आयोजित की गई। प्रारंभ में नवागत पेंशनर्स का स्वागत व सम्मान तिलक लगाकर माल्यार्पण कर,शाल व पेन भेंट कर सम्मानित किया गया।

मिराज सिनेमा के किचन में लगी आग, धुएं से मची भगदड़

इंटरवल के बाद नहीं शुरू हो सकी फिल्म, करीब 50 दर्शकों ने मांगे टिकट के रुपये वापस

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

नगरीय क्षेत्र के आबादी एवं व्यापारिक क्षेत्र में स्थित कल्पतरु मॉल के मिराज सिनेमा हॉल में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब फिल्म दृश्यम के शो के दौरान किचन में अचानक आग लग गई। किचन से उठे धुएं के सिनेमा हॉल के अंदर फैलने से फिल्म देख रहे दर्शकों में भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई। मौके पर मौजूद स्टाफ ने तत्काल दर्शकों को पीछे के दरवाजे से बाहर निकाला और अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग पर काबू पाया। घटना की सूचना मिलने पर नगर पालिका का दमकल वाहन भी सायरन और उद्घोषणा करते हुए मौके पर पहुंचा। जानकारी के

अनुसार, दोपहर करीब 1.50 बजे दृश्यम फिल्म का शो शुरू हुआ था। कुछ समय बाद इंटरवल के दौरान सिनेमा के किचन में इलेक्ट्रिक चूल्हे पर सामग्री तैयार करने के लिए तेल गर्म किया जा रहा था।

इसी दौरान तापमान अधिक होने से अचानक आग भड़क गई। आग की लपटों की चपेट में किचन के ऊपर लगा एसी भी आ गया, जिससे वह जल गया। आग के साथ निकला धुआं सिनेमा हॉल के अंदर तक पहुंच गया, जिससे दर्शकों में घबराहट फैल गई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल दर्शकों को पीछे के दरवाजे से बाहर निकाला और अग्निशमन यंत्र की सहायता से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर नगर पालिका का दमकल अमला भी मौके पर पहुंच गया। हालांकि तब तक धुआं पूरे परिसर में फैल चुका था।

घटना के दौरान मौजूद दर्शकों महेन्द्र भोंडेकर और लक्की पंवार ने बताया कि फिल्म चल रही थी, इसी दौरान आग लगने से हॉल में धुआं भर गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए बाहर की ओर भागने लगे। उन्होंने सिनेमा परिसर में अग्निशमन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आग बुझाने के लिए उपकरण तो लगे हैं, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली को लेकर संदेह है। उनके अनुसार पाइप लाइन चालू नहीं हो सकी और ऑटोमेटिक फायर सिस्टम भी काफी देर बाद सक्रिय हुआ। उन्होंने कहा कि समय रहते अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पा लिया गया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।आग बुझाने के बाद सिनेमा हॉल से धुआं बाहर निकालने में काफी समय लगा।

सुरक्षा के मद्देनजर विद्युत सप्लाई भी बंद कर दी गई, जिसके चलते इंटरवल के बाद फिल्म का शो दोबारा शुरू नहीं हो सका। इसके कारण करीब 50 दर्शक बिना फिल्म देखे ही वापस लौट गए। दर्शकों ने टिकट की राशि वापस करने की मांग की। इस पर मिराज सिनेमा प्रबंधन की ओर से ऑनलाइन टिकट की राशि वापस करने का आश्वासन दिया गया है। घटना के बाद सिनेमा हॉल की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने 7, 8 एवं 9 को विशेष शिविर होंगे आयोजित

सिवनी। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार जिले में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं, मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से छूटे पात्र नागरिकों, प्रथम बार पात्र नवीन मतदाताओं एवं एसआईआर प्रक्रिया में कटे मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल किए जाने के लिए दिनांक 07, 08 एवं 09 अक्टूबर 2026 को संपूर्ण प्रदेश के साथ ही जिले के सभी मतदान केंद्रों एवं स्कूलों में विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इन तीन दिवसों बीएलओ द्वारा घर घर जाकर छूटे हुए एवं नवीन मतदाताओं की पहचान कर नाम जोड़ने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी साथ ही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कटे हुए नाम एवं छूटे हुए मतदाता तथा नवीन पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने की कार्यवाही की जाएगी। पात्र मतदाता अपने मतदान केंद्र जाकर फॉर्म -6 में निर्धारित कॉलम में चाही गई जानकारी भरकर बीएलओ के पास जमा कर सकते हैं। फॉर्म- 6 में मतदाता को किसी भी प्रकार के घोषणा पत्र की आवश्यकता नहीं देनी होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नेहा मीना ने सभी ईआरओ एवं बीएलओ को 07, 08 एवं 09 अक्टूबर को आयोजित होने विशेष अभियान सह शिविर को प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा।

सिवनी स्पोर्ट्स लीग तहत आयोजित होगी विविध खेल प्रतियोगिता

सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में सिवनी स्पोर्ट्स लीग 2026 की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला खेल अधिकारी श्रीमती मनु धुर्वे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, खेल अधिकारी उच्च शिक्षा विभाग सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती मीना द्वारा बैठक में उपस्थित खेल संघों के पदाधिकारी एवं प्रशिक्षको से जिले में खेले जाने वाले इंडोर एवं आउटडोर खेलों एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों की संख्यात्मक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिले में च्सिवनी स्पोर्ट्स लीग 2026च् तहत आगामी प्रस्तावित कैलेंडर अनुरूप आयोजित होने वाले विविध खेल एवं खेल प्रतियोगिताओ के सफल आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती मीना ने खेलवार संघ पदाधिकारीयो, प्रशिक्षकों तथा खेल विभाग, ट्राइबल एवं शिक्षा विभाग को स्कूल, कॉलेजों एवं छात्रावासों के छात्र छात्राओं सहित अन्य खिलाड़ियों के मध्य खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन कर खिलाड़ियों का चयन करने की बात कही। उन्होंने इन सभी खेल प्रतियोगिताओ में अधिक से अधिक बालिकाओं की भी सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सिवनी स्पोर्ट्स लीग अंतर्गत आयोजित होने वाले कबड्डी, शतरंज, वॉलीबॉल, जिमनास्टिक, फुटबॉल, बैडमिंटन, किक बॉक्सिंग, कराटे, मलखंब, योगासन, एथलेटिक्स सहित अन्य खेल प्रतियोगिताओ का भरपूर प्रचार प्रसार कर ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन के माध्यम से अधिक से अधिक जिले के बालक बालिका खिलाड़ियो का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कर रुचि अनुसार खेलों में सहभागिता कराकर भव्य एवं व्यवस्थित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराने के निर्देश खेल अधिकारी को दिये। कलेक्टर श्रीमती मीना ने जिले में विविध प्रकार के खेलों के प्रति जिलेवासियों के लगाव एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों के होने की सराहना की। उन्होंने खेल विभाग एवं खेल प्रशिक्षकों को इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन कर स्टेट एवं नेशनल लेवल पर आयोजित होने वाली खेल स्पर्धाओं में सहभागिता कराने की बात कही। साथ ही जिले खेलों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने एवं कार्यवाही सुनिश्चित कराने की भी बात कही।उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

खेल हमें केवल स्वस्थ ही नहीं रखते, बल्कि अनुशासन, मेहनत, आत्मविश्वास और टीम भावना भी सिखाते हैं। हमें पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने खेल प्रतिस्पर्धा में मिलने वाले स्टेट एवं नेशनल सर्टिफिकेट एवं मेडल की महत्वता को अवगत कराते हुए कहा कि यह खिलाड़ियों की सर्वोच्च पहचान होते हैं साथ ही नौकरी एवं उच्च स्तरीय संस्थाओं में प्रवेश दिलाने में सहायक होते हैं।

पंजीयन या किसानों की अग्निपरीक्षा..!

पोर्टल से गायब सैकड़ों रकबे, 15 हजार किसान हलकान

कटंगी(स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा बेचने के लिए पंजीयन प्रक्रिया चल रही है। शासन ने इसके लिए 15 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक की समय-सीमा तय की है। प्रदेश भर में 1100 से अधिक केंद्र बनाए गए हैं। दावा है कि किसान ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालयों और सहकारी समितियों पर नि:शुल्क और एमपी ऑनलाइन, सीएससी, लोक सेवा केंद्र पर 50 रुपये शुल्क देकर और घर बैठे एमपी किसान एप ई-उपार्जन पोर्टल से पंजीयन करा सकते हैं। लेकिन बालाघाट जिले कटंगी तहसील में यह सुविधा सिरदर्द बन गई है। जिले में 25 सितंबर से शुरू हुई पंजीयन प्रक्रिया में तकनीकी खामियों ने किसानों और सहकारी समिति कर्मचारियों की नाक में दम कर रखा है। बुधवार को हमने कटंगी और तिरोड़ी क्षेत्र की समितियों पर जमीनी हकीकत टटोली, तो सिस्टम की पोल खुल गई। सबसे बड़ी समस्या ओटीपी की है। आधार सत्यापन के लिए ओटीपी जरूरी है, लेकिन किसानों के मोबाइल पर समय पर ओटीपी आती ही नहीं। अगर दो बार ओटीपी जनरेट की गई तो तीसरी बार सिस्टम पंजीयन को ही लॉक कर दे रहा है। समिति कर्मचारियों ने बतायाएक किसान का पंजीयन करने में आधा घंटे से भी ज्यादा समय लग रहा है। सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक लगे रहते हैं, फिर भी 15-20 से ज्यादा पंजीयन नहीं हो पाते। किसान लाइन में खड़ा-खड़ा थक जाता है।

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक की व्यवस्था पर सवाल जरूरतमंद मरीजों से डोनर लाने की बात कहे जाने का आरोप

सिवनी। इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय सिवनी में संचालित ब्लड बैंक की व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। नागरिकों के अनुसार, अस्पताल में करीब एक से डेढ़ घंटे तक मौजूद रहने के दौरान ब्लड बैंक के बाहर जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों को रक्त के लिए परेशान होते देखा गया।नागरिकों के अनुसार, ब्लड बैंक के बाहर कई गरीब और जरूरतमंद मरीजों के परिजन रक्त लेने के लिए लाइन में खड़े नजर आए। आरोप है कि कुछ मरीजों के परिजनों से कथित तौर पर कहा जा रहा था कि च्ब्लड डोनर लेकर आइए, तभी ब्लड मिलेगा।ज ऐसे में सवाल उठता है कि जिन मरीजों के पास डोनर की व्यवस्था करने वाला कोई व्यक्ति नहीं है, उनके लिए रक्त की उपलब्धता कैसे सुनिश्चित की जाएगी।जिले में समय-समय पर सामाजिक संगठनों और विभिन्न संस्थाओं द्वारा बड़े स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से रक्तदान करते हैं। ऐसे में नागरिकों का सवाल है कि रक्तदान शिविरों में एकत्रित रक्त का भंडारण, परीक्षण और जरूरतमंद मरीजों तक वितरण किस प्रक्रिया के तहत किया जाता है।रक्त की आवश्यकता गंभीर रूप से बीमार मरीजों, दुर्घटना

पीड़ितों, प्रसूताओं, ऑपरेशन वाले मरीजों और आपातकालीन परिस्थितियों में होती है। ऐसे में गरीब परिवारों के लिए तत्काल डोनर की व्यवस्था करना कई बार बड़ी चुनौती बन जाता है।नागरिकों ने जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को लेकर अनदेखी और लापरवाही के आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले गरीब और असहाय मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आवश्यक रक्त समय पर उपलब्ध होना चाहिए, लेकिन यदि मरीज के परिजनों को ही डोनर की व्यवस्था करने के लिए कहा जाता है तो इससे जरूरतमंद परिवारों की परेशानी बढ़ सकती है।ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जानकारी सामने लाने के लिए संबंधित अधिकारियों से ब्लड बैंक की मौजूदा रक्त उपलब्धता, रक्त वितरण की प्रक्रिया और बिना डोनर वाले जरूरतमंद मरीजों के लिए निर्धारित व्यवस्था को सार्वजनिक करने की मांग उठ रही है।सवाल यह है कि जब रक्तदान का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों की मदद करना है, तो ऐसे गरीब और असहाय मरीज जिनके पास डोनर की व्यवस्था नहीं है, उनके लिए जिला अस्पताल में क्या वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध है?

भोरमदेव का शैक्षणिक भ्रमण

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक धरोहर न्यास के मंडला और कवर्धा अध्याय की संयुक्त पहल पर 30 सदस्यीय दल ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल भोरमदेव का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की साझा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से नई पीढ़ी को परिचित कराना और संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा मंडला अध्याय के संयोजक अरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में दल ने भोरमदेव मंदिर, मड़वा महल, छेरकी महल, कवर्धा महल और संग्रहालय का अवलोकन किया। कवर्धा अध्याय के सदस्य आदित्य श्रीवास्तव ने दल को भोरमदेव मंदिर के इतिहास और स्थापत्य कला की जानकारी दी।

विनोबा ऐप में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले शिक्षक सम्मानित

सिवनी । जिले में विनोबा ऐप से जिले स्तरीय पोस्ट ऑफ द मंथ एवं स्पर्धा अवार्ड में चयनित शिक्षकों को 7 अक्टूबर को जिला शिक्षा केंद्र सिवनी मे जिला परियोजना समन्वयक कृष्णकुमार डहेरिया द्वारा सम्मानित किया गया।

जिले में विनोबा ऐप से जिले स्तरीय पोस्ट ऑफ द मंथ एवं स्पर्धा अवार्ड में चयनित शिक्षकों में श्रीमती *नजमुनिसाखान, संजय कुमार राजक, बेनीराम जंघेला, श्रीमती सुमरवती टेकाम, श्रीमती राजेश्वरी जंघेला, संतोष कुमार बैस, श्रीमती सुनीता राय, श्रीमती रूबी धुर्वे, श्रीमती रामरेखा चौहान, श्रीमती हेमलता अवधिया, श्रीमती कविता जैन, श्रीमती फिरदौसिया खान, श्रीमती परमिला मरस्कोले,

ओम नारायण राजपूत, चंद्रप्रकाश राजपूत, श्रीमती कारोना ठाकुर, श्रीमती शर्मिला कच्छवाहा, मुकेश कुमार गोलहानी एवं श्रीमती जयकली ककोडिया* शामिल हैं।

जिला परियोजना समन्वयक श्री कृष्णकुमार डहेरिया ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा में हो रहे नवाचार जिले के शैक्षणिक परिदृश्य को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विद्यालय के समस्त कार्यों के साथ-साथ अध्यापन को सर्वोच्च प्राथमिकता देना हम सभी का धर्म और बच्चों के प्रति दायित्व है।

इस अवसर पर ,क्ष्ट चुनेंद्र बिसेन तथा ओपन लिंक्स फाउंडेशन के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर श्री विशाल डाहात , प्रोग्राम मैनेजर प्रोजेक्ट अभिजीत वैध, प्रोजेक्ट ऑफिसर नेत्रपाल कटरे एवं सुश्री प्रतीक्षा बघेल भी उपस्थित रहे।

जिला परियोजना समन्वयक महोदय ने उम्मीद जताई कि सभी शिक्षक आगे भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ कार्य करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को और उत्कृष्ट बनाएंगे।

लचर शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ एनएसयूआई ने बरही में निकाली भाजपा सरकार की अर्थी

क्षेत्रीय विधायक पर लगाए गंभीर आरोप, कॉलेज की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर हुआ प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विकासखंड विजयराघवगढ़ की बरही तहसील में एनएसयूआई द्वारा लचर शिक्षा व्यवस्था एवं शासकीय महाविद्यालय की बदहाल व्यवस्थाओं के विरोध में बरही कॉलेज से चौक तक भाजपा सरकार का अर्थी जुलूस निकालकर एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा विधायक संजय पाठक के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की एवं उन पर छात्रों के प्रति गैर जिम्मेदार होने एवं अनदेखी के आरोप लगाए। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि बरही महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं और शिक्षकों की भारी कमी के कारण छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

महाविद्यालय की अधूरी बिल्डिंग का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराकर तत्काल हैंडओवर किया जाए। भवन में आई दरारों की तत्काल तकनीकी जाँच कराकर निर्माण की गुणवत्ता की जाँच की जाए। वर्ष 2024 में पूर्ण होने वाली भवन परियोजना को अब तक हैंडओवर न किए जाने की स्थिति स्पष्ट की जाए। लगभग 2700 विद्यार्थियों के लिए मात्र 14 शिक्षक हैं। विद्यार्थियों के अनुपात में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति-पदस्थापना की जाए। महाविद्यालय में खेल मैदान की और बेहतरी एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। महाविद्यालय परिसर में नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बॉटनिकल-वनस्पति पार्क की सफाई एवं उचित रखरखाव कर उसे विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपयोग के योग्य बनाया जाए। नाडेप एवं अन्य पर्यावरणीय संरचनाओं को व्यवस्थित एवं उपयोगी बनाया जाए। महाविद्यालय में पर्याप्त एवं व्यवस्थित विज्ञान प्रयोगशालाओं की व्यवस्था की जाएए ताकि विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल शिक्षा मिल सके। रसायन विज्ञान के लिए विषयवार लैब शिक्षकों-प्रयोगशाला सहायकों की नियुक्ति की जाए, ताकि विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल नियमित एवं सही तरीके से हो सकें। सभी विषयों के विद्यार्थियों को आवश्यक प्रयोगशाला उपकरण, सामग्री एवं सुरक्षित प्रैक्टिकल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बरही महाविद्यालय में एमएससी एवं बीएससी कम्प्यूटर साइंस की कक्षाएं प्रारंभ की जाएंए जिससे छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर पढ़ाई करने न जाना पड़े। पीने के पानी की व्यवस्था कराई जाए एवं वहां नियमित रूप से सफाई कराई जाए। एक बड़ा पुस्तकालय बनाया जाएए जिससे सभी छात्रों को परेशानी न हो। जिम की खराब मशीनों को बदला जाए और जिम चालू किया जाए। पार्क का खराब गेट बदला जाए। पुरानी बिल्डिंग की मेंटेनेंस कराई जाए, सभी जगह पुताई कराई जाए तथा जहां मरम्मत की आवश्यकता है वहां आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाए।

कॉलेज अध्यक्ष अमन तिवारी ने कहा

एनएसयूआई कॉलेज अध्यक्ष अमन तिवारी ने कहा कि, बरही महाविद्यालय में हजारों छात्र-छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त शिक्षक, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और अन्य मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। छात्रों की इन जायज मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। हमारी मांग है कि जिम्मेदार अधिकारी तत्काल इन समस्याओं का समाधान करें, अन्यथा एनएसयूआई छात्रों के हित में आंदोलन को और तेज करेगी।

ब्लॉक अध्यक्ष वैभव बघेल ने कहा

एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष वैभव बघेल ने कहा कि, बरही महाविद्यालय की समस्याएं आज की नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही हैं। अधूरी बिल्डिंग, शिक्षकों की कमी और मूलभूत सुविधाओं का अभाव सीधे तौर पर छात्रों के भविष्य से जुड़ा विषय है। एनएसयूआई छात्रों की आवाज को दबने नहीं देगी और जब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि छात्रों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि बेहतर शिक्षा, पर्याप्त शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों की इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन द्वारा आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अंबिका द्विवेदी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष संजय बिलोहा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शुभम शर्मा, समीम वारसी, विकास सिंह, विधानसभा अध्यक्ष राजन साहू, बरही ब्लॉक अध्यक्ष वैभव सिंह, कॉलेज अध्यक्ष अमन तिवारी, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राज सिंह, अखिलेश द्विवेदी, प्रांशु द्विवेदी, जिला सचिव अभिषेक दुबे, ध्रुव, मुस्कान सिंह, प्रियंका मिश्रा, आराधना सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

पितृ पक्ष में सात दिन गूंजा भागवत ज्ञान हवन-भंडारे के साथ कथा का समापन

परशुराम मंदिर में पहली बार हुआ श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

कटनी (स्वतंत्रमत)। पितरों की तृप्ति और आत्मिक शांति की कामना को लेकर पितृ पक्ष के पावन अवसर पर चाणक्य ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में जिला अस्पताल रोड स्थित भगवान परशुराम मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का रविवार को हवन एवं विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। सात दिनों तक मंदिर परिसर में भक्ति और आध्यात्मिकता का वातावरण बना रहा। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और धार्मिक प्रसंगों का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन की शुरुआत भव्य शोभायात्रा के साथ हुई थी। इसके बाद प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। व्यास पीठ से डॉ. बालेंदु शुक्ल ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, धर्म, भक्ति, संस्कार और आध्यात्मिक जीवन के महत्व से जुड़े प्रसंगों का सरल एवं प्रभावी ढंग से वर्णन किया। कथा के दौरान कृष्ण जन्मोत्सव, रासलीला, रुक्मणी विवाह सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर किया।

चाणक्य ब्राह्मण महासभा कटनी के जिला अध्यक्ष पंडित रमाकांत पप्पू दीक्षित ने बताया कि भगवान परशुराम मंदिर में पहली बार सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। पितृ पक्ष के दौरान आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ समाज में धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देना रहा।

समापन अवसर पर विधि-विधान से हवन-पूजन किया गया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआए जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में चाणक्य ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों, सदस्यों सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी नागरिकों की सहभागिता रही। सात दिनों तक चले इस आयोजन से परशुराम मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में विद्यार्थियों के लिए हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में नन्हे विद्यार्थियों ने विभिन्न सुंदर एवं प्रेरणादायक कविताओं का भावपूर्ण वाचन प्रस्तुत किया। बच्चों ने अपने स्पष्ट उच्चारण, मधुर स्वर, भाव-भंगिमा एवं आत्मविश्वास से सभी का मन मोह लिया। कविता वाचन को और अधिक आकर्षक एवं प्रभावशाली बनाने के लिए विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की सहायक सामग्री एवं आकर्षक प्रॉप्स का भी प्रयोग किया। इससे उनकी प्रस्तुतियों में रचनात्मकता और सुंदरता देखने को मिली। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भाषा कौशल, आत्मविश्वास और मंच पर अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करने का अवसर मिला। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत महापौर सूरी की पहल पर निगम स्कूलों के विद्यार्थियों को दिखाई जाएगी हनुमान अंश फिल्म

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महापौर प्रीति संजीव सूरी की पहल पर निगम स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ के लिए हनुमान अंश फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया जा रहा है। विशेष स्क्रीनिंग गुरुवार, 8 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे कटनी सिटी मॉल में होगी। महापौर सूरी का उद्देश्य विद्यार्थियों को मनोरंजन के साथ भारतीय संस्कृति, संस्कार, सेवा, साहस एवं मानवीय मूल्यों से परिचित कराते हुए सकारात्मक एवं प्रेरणादायी संदेश देना है। स्क्रीनिंग में निगम स्कूलों के विद्यार्थी एवं स्टाफ शामिल होंगे। इस विशेष कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की भी गरिमामयी मौजूदगी रहेगी। जनप्रतिनिधि विद्यार्थियों के साथ फिल्म का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन करेंगे। कटनी में पहली बार निगम स्कूलों के विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ के लिए इस प्रकार की सामूहिक फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से महापौर सूरी द्वारा विद्यार्थियों में संस्कार सकारात्मक सोच एवं मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने की दिशा में यह विशेष आयोजन किया जा रहा है।

गुरुवार को कटनी सिटी मॉल में दोपहर 12 बजे होगी विशेष स्क्रीनिंग

ऑपरेशन मुस्कान के तहत कोतवाली पुलिस की बड़ी सफलता

2 माह पूर्व घर से लापता हुई 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को मैहर से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों से मिलाया

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) द्वारा थाना क्षेत्र से गुम होने वाले नाबालिग बालक-बालिकाओं के प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही करते हुए उनकी सकुशल दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में नाबालिग बालक-बालिकाओं की पतासाजी एवं सकुशल दस्तयाबी के लिए लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ऑपरेशन मुस्कान के तहत कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। लगभग 2 माह पूर्व अपनी मां से नाराज होकर घर से लापता हुई 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को मुखबिर सूचना के आधार पर मैहर से सकुशल दस्तयाब कर कटनी लाया गया तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही उपरांत परिजनों के सुपुर्द किया गया। दिनांक 4 अगस्त को खिरहनी फाटक, कटनी निवासी फरियादिया द्वारा थाना कोतवाली उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री दिनांक 1 अगस्त से घर से नाराज होकर बिना बताए कहीं चली गई है। फरियादिया द्वारा नात-रिश्तेदारों एवं संभावित स्थानों पर बालिका की काफी तलाश की गई, किंतु उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 847/26, धारा 137(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मां की डांट से नाराज होकर घर से चली गई थी बालिका

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा बालिका के माता-पिता से विस्तृत पूछताछ की गई। पूछताछ में बालिका की मां द्वारा बताया गया कि घर के काम को लेकर बालिका को डांट दिया गया था, जिससे नाराज होकर वह बिना बताए घर से चली गई थी। पुलिस टीम द्वारा बालिका के नात-रिश्तेदारों एवं परिचितों से संपर्क कर लगातार पतासाजी की गई, लेकिन प्रारंभ में बालिका के संबंध में कोई ठोस जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। पुलिस द्वारा बालिका की लगातार तलाश एवं संभावित स्थानों पर पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से बालिका के मैहर में होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना कोतवाली से पुलिस टीम को तत्काल मैहर रवाना किया गया, जहां पुलिस टीम द्वारा नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर कटनी लाया गया। बालिका के सकुशल मिलने की सूचना उसके माता-पिता को दी गई। परिजनों के थाना कोतवाली उपस्थित होने पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर बालिका को उनके सुपुर्द किया गया।

बालिका की काउंसलिंग कर दी समझाइश

थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय द्वारा नाबालिग बालिका की काउंसलिंग की गई तथा उसे समझाइश दी गई कि भविष्य में किसी बात से नाराज होने पर इस प्रकार बिना बताए घर से न जाए तथा किसी भी परेशानी की स्थिति में अपने माता-पिता अथवा विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी दे। साथ ही बालिका के माता-पिता को भी बच्चों की गतिविधियों एवं भावनाओं पर ध्यान रखने तथा उनके साथ निरंतर संवाद बनाए रखने की समझाइश दी गई। अपनी पुत्री को सकुशल पाकर परिवारजनों द्वारा कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्यवाही एवं संवेदनशील प्रयासों के लिए पुलिस का आभार व्यक्त किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक अजाक अनिमेष द्विवेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय, सउनि. रामेश्वर प्रसाद पटेल, आर. प्रवीण सिंह, मंसूर हुसैन, मोहन मण्डलोई, दिनेश सेन एवं अजीत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जानलेवा हमले के मामले में फरार आरोपी शनि जैन को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा थाना क्षेत्र में घटित गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड़ एवं उनकी गिरफ्तारी हेतु प्रभावी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में फरार आरोपियों की लगातार पतासाजी की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस को जानलेवा हमले के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी शनि जैन को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। आरोपी को मुखबिर की सूचना पर कपड़ा बाजार से घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसके मेमोरेण्डम के आधार पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है।

चाकू से किया था जानलेवा हमला-दिनांक 13.05.2026 को शासकीय अस्पताल कटनी से सूचना प्राप्त हुई कि मनीष सिंह ठाकुर उर्फ चीनी, निवासी लखेरा, थाना रंगनाथनगर, जिला कटनी को चाकू लगने से घायल अवस्था में उपचार हेतु अस्पताल लाया गया है। सूचना पर कोतवाली पुलिस तत्काल अस्पताल पहुंची तथा घायल से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। घायल द्वारा बताया गया कि दिनांक 13.05.2026 की रात्रि वह अपने दोस्त से मिलने गर्ग चौराहा गया था। इसी दौरान गोलू ठाकुर निवासी पाठक वार्ड, कटनी अपने एक अन्य साथी के साथ सुरीली बार, गर्ग चौराहा के पास आया। दोनों ने उसके साथ विवाद करते हुए जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला कर दिया। आरोपी गोलू ठाकुर द्वारा चाकू से उसके सिर पर वार किया गया, जिससे सिर से खून निकलने लगा। वहीं उसके साथी द्वारा भी चाकू से सीने एवं बाएं पैर की जांघ पर वार किए गए। दोस्तों द्वारा बीच-बचाव करने पर दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 471/2026, धारा 109(1), 296(बी) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पूर्व में गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में सामने आया शनि जैन का नाम-घटना के बाद पुलिस द्वारा आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की गई। प्रकरण का आरोपी गोलू ठाकुर उर्फ दीपक ठाकुर, जो पूर्व से भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है तथा अन्य मामलों में फरार चल रहा था, को पुलिस द्वारा दिनांक 7 अगस्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिमाण्ड के दौरान पूछताछ में गोलू ठाकुर ने अपने साथी शनि जैन के साथ मिलकर दिनांक 13.05.2026 की रात्रि मनीष सिंह ठाकुर उर्फ चीनी पर चाकू से हमला करना स्वीकार किया। आरोपी के मेमोरेण्डम के आधार पर शनि जैन को प्रकरण में नामजद आरोपी बनाया गया, जबकि आरोपी गोलू ठाकुर उर्फ दीपक ठाकुर को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल किया गया।

दिल्ली में छिपे होने की मिली थी जानकारी-प्रकरण में नाम सामने आने के बाद पुलिस टीम द्वारा आरोपी शनि जैन निवासी कपड़ा बाजार, कटनी की लगातार तलाश की गई। पुलिस द्वारा उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन पुलिस की भनक लगते ही आरोपी अपने सकुनत से फरार हो गया।

पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने जिले में 7,8 और 9 को लगेंगे विशेष कैंप

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले में 7 अक्टूबर, 8 और 9 अक्टूबर को पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र में विशेष शिविर लगायें जा रहे हैं। शिविर के दौरान किसी भी मतदाता से फार्म 6 के अलावा घोषणा पत्र नहीं लिया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के मुताबिक जिन युवाओं की उम्र 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की हो गई, उनके भी फॉर्म लिए जाएंगे। इसके साथ ही 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए एडवांस में फॉर्म जमा कराए जा सकेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए ऑनलाइन की सुविधा भी प्रदान की गई है। कोई भी मतदाता वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट जीओव्ही डॉट इन पर अथवा ईसीआईएनईटी मोबाईल एप पर जाकर अपना नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। युवा मतदाता सहित अन्य मतदाता बेहद आसानी और सुविधाजनक ढंग से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से भी नाम जुड़वा सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत निकली सेवा ज्योति कलश यात्रा

प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा से देशसेवा के संकल्प को समर्पित है यात्रा

जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी यात्रा, विकसित भारत के संकल्प से जुड़ेंगे नागरिक, लिया शपथ

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा ज्योति कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। यह यात्रा जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों बड़वारा, मुड़वारा, बहोरीबंद एवं विजयराघवगढ़ से होकर गुजरेगी। यात्रा के माध्यम से आम नागरिकों को प्रधानमंत्री ,नरेंद्र मोदी के जनसेवा, सुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के समर्पित यात्रा के 25 वर्ष के पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित यह यात्रा सेवा और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचायेगी। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन को नागरिकों ने वर्चुअली देखा और सुना। कार्यक्रम स्थल में जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित बदलते दौर का मध्यप्रदेश कटनी जिले की विकास गाथा पुस्तिका का वितरण किया गया। जिसे लोगों से काफी सराहना मिली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीक, मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल, बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडेय, बड़वारा विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, महापौर प्रीति संजीव सूरी, जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता मेहरा, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, अल्का जैन सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सेवा ज्योति कलश यात्रा बनी सेवा और समर्पण का प्रतीक

सेवा ज्योति कलश यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घकालीन सार्वजनिक जीवन और जनसेवा से देशसेवा के संकल्प को समर्पित है। यात्रा के माध्यम से सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के भाव को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यात्रा जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने का कार्य करेगी। सेवा ज्योति कलश यात्रा के वाहन से सरकार की योजनाओं की ब्रांडिंग की जा रही है।

आमजन ने सुना प्रधानमंत्री का संबोधन

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को देखा व सुना। इस दौरान विकसित भारत के लक्ष्यए जनभागीदारी, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को नागरिकों तक पहुंचाया गया। उपस्थित नागरिकों ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाने तथा सेवा और समर्पण की भावना के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

सांसद ने दिलाई विकसित भारत की शपथ-कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीक ने उपस्थित जनसमुदाय को विकसित भारत के निर्माण की शपथ दिलाई। उन्होंने नागरिकों से देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने तथा सेवा भावना के साथ समाजहित एवं राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता और सामूहिक संकल्प से पूरा होगा।

लियोनेल मेसी ने जीत के साथ अपने 21 साल के शानदार इंटरनेशनल करियर का किया अंत

ब्यूनस आयर्स (वार्ता)

बीजिंग 2008 ओलंपिक चैंपियन ने मंगलवार को अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला, इससे पहले 39 साल के मेसी ने 31 अगस्त को नेशनल टीम से रिटायरमेंट की घोषणा की थी। ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोन्यूमेंटल में एक इमोशनल शाम में, मेसी ने बेनिन के खिलाफ 3-0 की जीत में गोल किया और दो असिस्ट किए। उन्होंने नई रिलीज़ हुई होम शर्ट में ऐसा किया, जिसे बनाने वाली कंपनी के लोगो की जगह दाहिने पेक्टोरल पर अपना पर्सनल लोगो शामिल करने के लिए कस्टमाइज़ किया गया था।

मेरे पास धन्यवाद कहने के अलावा और कुछ नहीं

इससे तीन बार के वर्ल्ड चैंपियन के लिए एल्बिसेलेस्टे के कप्तान का फ़ाइनल स्कोर 208 मैचों में 126 गोल और 69 असिस्ट हो गया है। मैत्रीपूर्ण मैच के बाद अर्जेंटीना के लोगों से बात करते हुए, अपने दिवंगत पिता जॉर्ज मेसी को श्रद्धांजलि देने से पहले, मेसी ने स्पैनिश में कहा, आज कुछ कहना मुश्किल है। बहुत सारी भावनाएँ हैं। सबसे पहले मैं अपने पिता के बारे में सोचता हूँ। मेरे पास कहने के लिए धन्यवाद कहने के अलावा और कुछ नहीं है। 20 साल से ज़्यादा समय तक यह शर्ट पहनना बहुत गर्व की बात थी।

सबसे बुरे पलों में भी, मैंने कभी लड़ना बंद नहीं किया

लियो मेसी और सर्जियो अगुएरो जैसे सुपरस्टार्स ने अर्जेंटीना की नाइजीरिया पर जीत में योगदान दिया, जब उन्होंने ओलंपिक गोल्ड जीता। उन्होंने कहा, सबसे बुरे पलों में भी, मैंने कभी लड़ना और अपना सब कुछ देना बंद नहीं किया। इससे बड़ा दर्द कभी नहीं होगा। मैं कसम खाता हूँ कि मैं हमेशा ऐसा करना पसंद करता, क्योंकि नेशनल टीम के लिए खेलना आपके साथ हो सकने वाली सबसे खूबसूरत चीज़ है। मेसी ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट, फीफा मेन्स वर्ल्ड कप विनर, दो बार के कोपा अमेरिका चैंपियन और फ़ाइनलिसिमा विनर के तौर पर इंटरनेशनल स्टेज से रिटायर हो रहे हैं।

हर किसी की आँखों में आँसू थे

मॉन्यूमेंटल के अंदर हर किसी की आँखों में आँसू थे और वे जश्न मना रहे थे, खासकर खुद मेन प्लेयर की आँखों में। पूरे 90 मिनट खेलने वाले, यह इस साल के वर्ल्ड कप फ़ाइनल में अर्जेंटीना की हार के बाद उनका पहला मैच था, इस शोपीस इवेंट में मेसी का यह तीसरा मैच था। आठ बार के बैलन डीओर विनर ने अगस्त 2005 में अर्जेंटीना के लिए डेब्यू किया था, जब हंगरी के खिलाफ़ मैदान में आने के एक मिनट बाद ही उन्हें बाहर भेज दिया गया था।

मेसी ने अपना पहला गोल क्रोएशिया के खिलाफ़ किया

मेसी ने अपना पहला इंटरनेशनल गोल 2006 में क्रोएशिया के खिलाफ़ एक और फ्रेंडली मैच में किया, जो उनके पहले वर्ल्ड कप सेलेक्शन से तीन महीने पहले था। इस साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में अपने छठे और आखिरी वर्ल्ड कप में, मेसी टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। और 34 मैचों में 21 गोल किए। हालांकि, यह रिकॉर्ड ज़्यादा दिन नहीं चला क्योंकि किलियन एम्बाप्पे ने उसी टूर्नामेंट में अपने 22वें गोल के साथ अर्जेंटीना के खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया।

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर किया क्लीन स्वीप

अहमदाबाद (वार्ता)। तन्मय बलोदा (छह और आठ विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने बुधवार को दूसरे यूथ टेस्ट मैच के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया को 10 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने कल के चार विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में बलोदा ने जेड होलिक (13) रन को पगबाधा आउट कर भारत को दिन की पहली सफलता दिलाई। इसके बाद दो ओवर बाद बलोदा ने चार्ली हेंडरसन (शून्य) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। जैकब पिट्ज (एक) और थॉमस वासेओ (एक) रन को प्रियांशु ने आउट किया। 44वें ओवर की पांचवीं गेंद पर बलोदा ने ब्लेक कैटल (63) रन बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 151 रन के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत को जीत के लिए 11 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में 11 रन बनाकर हासिल कर लिया। इसी के सथा भारतीय अंडर-19 टीम ने 10 विकेट से जीत दर्ज करते हुए दो मैचों की श्रृंखला 2-0 से जीत ली। लक्ष्य रायचंदानी (नौ) और सागर विर्क ने दो रन की नाबाद पारी खेली।

पहले टी20 शतक के बाद श्रेयस अय्यर करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर

दुबई (वार्ता)

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के पहले मैच में अपना पहला टी 20 शतक लगाने के बाद पुरुष टी 20 बैटिंग रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अय्यर ने 43 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 102 रन बनाए, जिससे वर्ल्ड चैंपियंस ने 32 गेंद बाकी रहते आठ विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस धमाकेदार पारी ने अय्यर को 18 पायदान ऊपर चढ़ा दिया है, जिससे वह इस फॉर्मेट में भारत के तीसरे सबसे ऊंचे रैंक वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इशान किशन रैंकिंग में सबसे ऊपर हैं, अभिषेक शर्मा दूसरे और तिलक वर्मा 10वें नंबर पर हैं, जिससे भारत के चार बैट्समैन टॉप पर हैं। वेस्टइंडीज़ के बैट्समैन शेरफेन रदरफोर्ड की तेज़ 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर पहुंचा दिया है, जबकि भारत के टीनएजर वैभव सूर्यवंशी (आठ पायदान ऊपर 46वें नंबर पर) और पाकिस्तान के हसन नवाज़ (62 पायदान ऊपर 48वें नंबर पर) एशियन गेम्स में अपने प्रदर्शन के बाद लिस्ट में ऊपर आ गए हैं। एशियन गेम्स में सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल में अबरार अहमद के 29 रन देकर कोई विकेट नहीं लेने और 29 रन देकर एक विकेट लेने के आंकड़े उन्हें बॉलर्स में नंबर 1 की जगह बनाए रखने के लिए काफ़ी नहीं थे और दूसरे लेग-स्पिनर राशिद खान अपने आठवें स्पेल के लिए टॉप पर वापस आ गए हैं, जो पहले ही नंबर 1 पर किसी और से दोगुने से ज़्यादा समय तक रह चुके हैं। भारत के लेफ़्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल ने पिछले हफ़्ते तीन मैचों में दो-दो विकेट लिए और 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुँच गए। बांग्लादेश के नसुम अहमद (तीन स्थान ऊपर आठवें) और महेदी हसन (10 स्थान ऊपर नौवें), श्रीलंका के नुवान तुषारा (18 स्थान ऊपर 48वें) और पाकिस्तान के सैम अयूब (आठ स्थान ऊपर 62वें) रैंकिंग में ऊपर जाने वाले अन्य हैं।

पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के कप्तान शुभमन गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में नाबाद 223 रन की पारी के बाद शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक, जो वनडे रन चेज में सर्वोच्च स्कोर था, ने उन्हें 25 रेटिंग अंक जोड़ने और अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी करने में मदद की है। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

भुवनेश्वर की वापसी से प्रेरणा मिलेगी : कपिल

ग्रेटर नोयडा (वार्ता)। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने भुवनेश्वर कुमार की भारतीय टी 20 टीम में वापसी का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि उनकी वापसी से अन्य खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी कि मेहनत और फिटनेस से किसी भी खेल में वापसी की जा सकती है। तेज़ गेंदबाज़ भुवनेश्वर कुमार की लगभग चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी हो गई है। न्यूज़ीलैंड दौरे पर होने वाली टी 20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम घोषित हुई है जिसमें 36 साल के भुवनेश्वर का नाम भी शामिल है। भुवनेश्वर ने नवंबर 2022 में आख़िरी बार चार साल पहले न्यूज़ीलैंड के ही ख़िलाफ़ न्यूज़ीलैंड में टी20 मैच खेला था। ये ही उनका भारत के लिए आख़िरी मैच भी था। भारतीय टीम से बाहर होने के बावजूद भुवनेश्वर लगातार घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में हिस्सा लेते रहे। पिछले दो सीज़न से आईपीएल में उनका प्रदर्शन भी काफ़ी अच्छा रहा है। हाल ही में खेली गई यूपी टी20 लीग में भुवनेश्वर ने 11 पारियों में सिर्फ़ 6.11 की इकॉनमी और 16.00 की औसत से 14 विकेट लिए थे। कपिल ने जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिज़ॉर्ट में कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के पहले दिन आज कहा,भुवी ने भारतीय टीम से बाहर होने के बाद बहुत मेहनत की, अपनी फिटनेस पर काम किया, लगातार गेंदबाजी करते रहे जिसकी बदौलत उन्होंने वापसी की। उनकी वापसी से बाकी खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि यदि जज्बा हो तो वापसी की जा सकती है। कपिल ने भारत के न्यूज़ीलैंड दौरे के लिए कुछ कहने से इंकार कर दिया लेकिन भारतीय टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

मोहन बागान आईएफए शील्ड के फाइनल में ईस्ट बंगाल से भिड़ेगा

कोलकाता (वार्ता)

डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान सुपर जाइंट गुरुवार को विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगन में आईएफए शील्ड 2026 के फाइनल में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल एफसी से भिड़ेगा। मोहन बागान बनाम ईस्ट बंगाल मैच भारतीय समयानुसार शाम 6:15 बजे शुरू होगा। इन दो भारतीय फुटबॉल क्लबों के बीच गुरुवार का मुकाबला 2026 का पांचवां कोलकाता डर्बी और इस साल दोनों टीमों के बीच दूसरा कप फ़ाइनल होगा। मई में इंडियन सुपर लीग में उनकी पहली भिड़ंत 1-1 से बराबरी पर छूटी थी, जिसके बाद जुलाई में डूरंड कप के ओपनिंग मैच में मोहन बागान ने ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराया था। इसके अगले महीने डूरंड कप फाइनल में ईबीएफसी ने शानदार वापसी करते हुए मरीनर्स को 4-1 से हराया। सितंबर में कलकत्ता फुटबॉल लीग में हुई उनकी हालिया भिड़ंत भी 1-1 से बराबरी पर छूटी थी। पिछले साल भी ये दोनों टीमें इसी मैदान पर आईएफए शील्ड फ़ाइनल में भिड़ी थीं, जहाँ मैच 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद मोहन बागान ने पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत हासिल कर 21वीं बार खिताब जीता था। गुरुवार को होने वाले खिताबी मुकाबले तक पहुँचने के लिए मोहन बागान का सफर अलग तरह का रहा है। मरीनर्स ने श्रीनिधि डेक्कन पर 6-0 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जिसमें लालियानज़ुआला छांगटे ने हैट्रिक लगाई; इसके बाद नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलकर वे ग्रुप स्टेज से आगे बढ़े। इसके बाद सेमीफ़ाइनल में पंजाब एफसी ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। 120 मिनट तक कोई गोल नहीं होने के बाद, गोलकीपर विशाल कैथ ने शूटआउट में दो बचाव किए और मोहन बागान ने पेनल्टी में 4-3 से जीत हासिल की। वहीं, ईस्ट बंगाल सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में पहुंची है। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने कलकत्ता कस्टम्स के खिलाफ 3-1 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन अपने दूसरे ग्रुप मैच में पंजाब एफसी से 1-0 से हार गई। उन्होंने सेमीफ़ाइनल में शानदार वापसी करते हुए नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 7-2 से करारी शिकस्त दी। डेविड लालहलानसांगा ने हैट्रिक लगाई, जबकि रोहित कुमार, क्रिस इकोनोमिडिस, एके लोबा और लुकाज़ ज़्वोलिंस्की ने भी गोल किए। ईस्ट बंगाल ने रिकॉर्ड 29 बार यह ख़िताब जीता है और वे पहली बार 30 का आंकड़ा छूने की कोशिश करेंगे। वहीं, मोहन बागान अपनी 22वीं शील्ड और लगातार दूसरी बार ख़िताब जीतने की कोशिश करेगा। दोनों क्लब इस सीज़न में घरेलू स्तर पर सफलता हासिल कर चुके हैं।

वैभव सूर्यवंशी रणजी में बिहार की ओर से शुरुआती चार मैच नहीं खेलेंगे

पटना (वार्ता)। वेस्टइंडीज के साथ चल रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल वैभव सूर्यवंशी रणजी ट्रॉफी में बिहार की ओर से पहले चार मैच नहीं खेल पाएंगे। बिहार क्रिकेट में चल रही भारी उथल-पुथल के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से नियुक्त चयनकर्ताओं ने रणजी ट्रॉफी के पहले दो मैचों के लिए बिहार की 17 सदस्यीय टीम का चयन किया है। बिहार इस बार एलीट ग्रुप में शामिल है और अपने अभियान की शुरुआत 11 अक्टूबर से नवनिर्मित राजगीर क्रिकेट स्टेडियम में उत्तर प्रदेश के खिलाफ करेगा। टीम का दूसरा मैच 18 अक्तूबर से मेजबान बड़ौदा से होगा। बिहार टीम की अगुवाई साकिबुल गनी करेंगे जबकि हिमांशु सिंह को उप-कप्तान बनाया गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी टी-20 सीरीज जहां 17 अक्टूबर तक चलेगी, तो वहीं उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 22 अक्टूबर से एक नवंबर के बीच होने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज में भी सूर्यवंशी भारतीय दल के साथ होंगे। रणजी ट्रॉफ़ी के लिए बिहार की टीम: साकिबुल गनी (कप्तान), आयुष लोहारुका, मंगल महरौर, नमन गौरव, पीयूष सिंह, बिपिन कुमार सौरभ(विकेटकीपर), श्रमण निग्रोध (विकेटकीपर), आकाश राज, पृथ्वी राज, हिमांशु सिंह (उप-कप्तान), ख़ालिद आलम, सूरज कुमार कश्यप, साकिब हुसैन, मोहम्मद इज़हार, शब्बीर ख़ान, राघवेंद्र सिंह और आमोद यादव।

रुपये के लुढ़कने से शेयर बाजारों में गिरावट

मुंबई (वार्ता)

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों और रुपये में गिरावट से घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को बिकवाली हावी रही, विशेषकर रेपो दर बढ़ाने से रियल्टी, ऑटो और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों की कंपनियां दबाव में रहीं। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सुबह गिरावट में खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। अंत में यह 429.11 अंक (0.59 प्रतिशत) नीचे 72,638.70 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 173.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत लुढ़ककर 22,603.05 अंक पर रहा। इससे पहले लगातार दो दिन बाजार में तेजी रही थी। दुनिया के दूसरे प्रमुख शेयर बाजारों में रही कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखा। साथ ही रुपये की गिरावट से भी बाजार में निवेश धारणा कमजोर हुई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में आज रुपया एक समय 49 पैसे तक लुढ़क गया था। रिजर्व बैंक के रेपो दर 0.25 प्रतिशत बढ़ाने से निफ्टी रियल्टी सूचकांक 1.77 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 1.58 प्रतिशत और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक 1.14 प्रतिशत गिर गया। धातु समूह में 2.33 फीसदी, आईटी में 1.34 और एफएमसीजी समूह में 0.89 प्रतिशत की गिरावट रही। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक एक प्रतिशत और मीडिया का 0.69 प्रतिशत मजबूत हुआ। वृहत बाजार में मिलाजुला रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.75 प्रतिशत नीचे रहा जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.30 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। एनएसई में कुल 3,690 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 2,043 के शेयरों में गिरावट और 1,549 में तेजी रही। अन्य 98 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 26 के शेयर लाल निशान में रहे। टाइटन का शेयर सबसे अधिक 3.52 प्रतिशत गिर गया। बीईएल में 2.21 फीसदी, एशियन पेंट्स में 2.07 फीसदी और इंफोसिस में 2.06 फीसदी की गिरावट रही। एलएंडटी का शेयर 1.96 प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स का 1.90, टाटा स्टील का 1.74, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.65 और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.52 प्रतिशत के नुकसान में रहा। पावर ग्रिड का शेयर 1.40 प्रतिशत, एनटीपीसी का 1.34, इंडिगो का 1.28, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.27, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.01, सन फार्मा का 0.99, मारुति सुजुकी का 0.98, अल्ट्राटेक सीमेंट का 0.95 और टेक महिंद्रा का 0.92 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और एक्सिस बैंक के शेयर भी लाल निशान में रहे। कोटक महिंद्रा बैंक 2.21 फीसदी, भारती एयरटेल 1.33 फीसदी फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.92 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.62 प्रतिशत टूट गया।

चीन का शंघाई कंपोजिट 0.31 फीसदी की बढ़त में रहा। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 1.31 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.67 प्रतिशत नीचे था।

इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली (वार्ता)।

इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में 74 प्रतिशत बढ़कर 3.33 लाख पर पहुंच गयी जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। वाहन डीलरों के शीर्ष संगठन फाडा द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में देश में कुल 3,33,634 इलेक्ट्रिक वाहन बिके। यह सितंबर 2025 के मुकाबले 74 प्रतिशत अधिक है। फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि वाहन बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी एक साल पहले के 10 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत हो गयी। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री न केवल पिछले साल के मुकाबले बढ़ी बल्कि इसने अब तक का सबसे ऊंचा स्तर भी हासिल किया। इलेक्ट्रिक यात्री वाहन और दुपहिया की सितंबर में रिकॉर्ड मासिक बिक्री दर्ज की गयी। यात्री वाहनों की बिक्री 95 प्रतिशत बढ़कर 36 हजार 108 पर पहुंच गयी। यात्री वाहनों की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी अगस्त के 7.6 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 8.5 प्रतिशत पर पहुंच गयी। इस श्रेणी में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स 14,791 वाहनों के साथ एक बार फिर पहले स्थान पर रही। उसकी बिक्री 101 प्रतिशत बढ़ी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री 96 प्रतिशत बढ़कर 7,780 पर और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की नौ प्रतिशत बढ़कर 5,242 पर पहुंच गयी। इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की बिक्री 89 फीसदी बढ़कर 2,07,314 इकाई रही। कुल बिक्री में इसकी बाजार हिस्सेदारी अगस्त के 10.7 प्रतिशत से बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गयी। दुपहिया में टीवीएस मोटर कंपनी की बिक्री 126 प्रतिशत बढ़कर 54,037 इकाई हो गयी। बजाज ऑटो की बिक्री 139 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 48,429 इकाई पर और एथर एनर्जी की 56 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 30,533 इकाई पर रही। तिपहिया में ईवी की बाजार हिस्सेदारी अगस्त 65.3 प्रतिशत से घटकर 64.9 प्रतिशत रह गयी।

अडानी फाउंडेशन ने कटनी के शिवांश को सीआरपीएफ में शामिल होने में मदद की

कटनी। एसीसी, विविधीकृत अडानी पोर्टफोलियो की सीमेंट एवं निर्माण सामग्री कंपनी, एसीसी कैमोर में अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से अडानी फाउंडेशन के साथ मिलकर मध्य प्रदेश के आर्थिक रूप से सीमित परिवारों के युवाओं की आकांक्षाओं को राष्ट्र सेवा से जुड़ी सफल करियर यात्राओं में बदल रही है। कटनी जिले के गुढ़गड़ौहा गांव में पले-बढ़े शिवांश तिवारी का सपना भी एक सरकारी नौकरी हासिल करने का था। हालांकि, ऐसे सपनों को साकार करने के लिए आवश्यक संसाधन उनके परिवार की पहुंच से बाहर थे। गुणवत्तापूर्ण कोचिंग का खर्च वहन करना संभव नहीं था। शिवांश के सपनों और उपलब्ध अवसरों के बीच की दूरी उनकी क्षमता या मेहनत की नहीं, बल्कि आर्थिक परिस्थितियों की थी। अडानी फाउंडेशन और जिला प्रशासन ने इस दूरी को कम करने का बीड़ा उठाया। भारत निर्माण कोचिंग क्लासेस के माध्यम से शिवांश को एक सुव्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया गया, जहां उन्हें प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराए गए। निःशुल्क कोचिंग, एसएससी-जीडी परीक्षा का व्यापक अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ मार्गदर्शक, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री और नियमित मॉक टेस्ट ने उनकी तैयारी और आत्मविश्वास दोनों को मजबूत बनाया। शिवांश ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया। प्रशिक्षण ने उनकी मौजूदा क्षमताओं को और निखारा तथा उन कमियों को दूर किया जो अब तक उनके लिए बाधा बनी हुई थीं। उनका ज्ञान बढ़ा, प्रतिस्पर्धात्मक कौशल मजबूत हुआ और जब 2025 में एसएससी-जीडी परीक्षा का समय आया, तब वे पूरी तरह तैयार थे। शिवांश ने परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की। जनवरी 2026 में आयोजित एक राज्य स्तरीय रोजगार मेले में उन्हें सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) में कांस्टेबल के रूप में नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि आसान परिस्थितियों का परिणाम नहीं थी, बल्कि सही समय पर मिले सही सहयोग का परिणाम थी।

चीनी, चावल, गेहूं के दाम बढ़े दालों और तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चीनी की औसत कीमत बढ़ गई। चीनी के साथ चावल और गेहूं के भाव भी आज ऊपर रहे। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत चार रुपये बढ़कर 5,107 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गुड़ भी नौ रुपये की तेजी के साथ 5,902 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत आठ पैसे घटकर 55.06 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 16 रुपये बढ़कर 4,218 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। गेहूं छह रुपये महंगा हुआ और 2,889 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव लगभग अपरिवर्तित रहा।

विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों का उत्साह 2026-27 की दूसरी तिमाही में सुधरा : फिक्की सर्वेक्षण

नई दिल्ली (वार्ता)।

उद्योग मंडल फिक्की के विनिर्माण क्षेत्र के 71वें त्रैमासिक सर्वेक्षण में वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में उत्पादन और मांग को लेकर कंपनियों द्वारा दी गयी सूचनाएं बाजार की स्थिति में सुधार का संकेत देती हैं। दूसरी तिमाही में लगभग 95 प्रतिशत इकाइयों के उत्पादन स्तर में वृद्धि हुई या वह पहले के स्तर पर बना रहा । इस सर्वे के आधार पर फिक्की द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2026-27 की पहली तिमाही में जहां 77 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उत्पादन स्तर में वृद्धि या स्थिरता की जानकारी दी थी, वहीं दूसरी तिमाही में इस तरह की उत्साहजनक रिपोर्ट 95 प्रतिशत के जवाब में मिली। इस दौरान मांग को लेकर भी कंपनियों में उत्साह दिखा। दूसरी तिमाही में 90 प्रतिशत इकाइयों ने कहा कि उनके ऑर्डर में वृद्धि या स्थिरता रही है जबकि पिछली तिमाही में ऐसा जवाब देने वालों का अनुपात 77 प्रतिशत था। फिक्की ने कहा, यह पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव से उबरने के संकेत दर्शाता है। निर्माताओं की अपेक्षाओं पर आधारित प्रतिक्रियाओं से विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि के लिए समग्र रूप से सकारात्मक धारणा और घरेलू आर्थिक बुनियाद के स्थिर रहने का संकेत मिलता है। इस सर्वेक्षण में जुलाई-सितंबर 2026 की अवधि वाली वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के लिए नौ प्रमुख क्षेत्रों के निर्माताओं के प्रदर्शन और कारोबारी धारणा का आकलन किया गया। इन क्षेत्रों में ऑटोमोटिव एवं ऑटो कंपोनेंट्स, पूंजीगत वस्तुएं, रसायन एवं संबद्ध उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल्स, ग्लास, मशीन टूल्स, धातु एवं धातु उत्पाद, कपड़ा, परिधान एवं तकनीकी वस्त्र तथा विविध विनिर्माण क्षेत्र शामिल हैं। सर्वेक्षण के लिए बड़े उद्योगों के साथ-साथ लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र की विनिर्माण इकाइयों से प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गईं। इन कंपनियों का संयुक्त वार्षिक कारोबार 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। फिक्की के सर्वे के अनुसार पिछली तिमाही की तुलना में क्षमता उपयोग पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। विनिर्माण क्षेत्र में मौजूदा औसत क्षमता उपयोग लगभग 75 प्रतिशत है, जो पिछले सर्वेक्षण में दर्ज 72 प्रतिशत से अधिक है। फिक्की के अनुसार अगले छह महीनों के लिए निवेश का परिदृश्य स्थिर बना हुआ है। हालांकि, क्षमता विस्तार में कंपनियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

वृंदावन ग्राम में उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रतियोगिता आयोजित करें : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने रतलाम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली संबोधित किया

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा दिया जाए। पशुपालकों को प्रोत्साहन मिले, इसके लिए वृंदावन ग्राम में पशु प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाए। प्रथम आने वाले पशुपालक को सरकार एक लाख रुपये देगी। द्वितीय आने वाले को 50 हजार रुपये एवं तीसरे स्थान पर आने वाले को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार का वितरण दीपावली पर गौवर्धन पूजा के अवसर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को रतलाम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कायक्रम को उज्जैन से वर्चुअल संबोधित किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि रतलाम के किसान खेती में बदलाव के साथ अलग-अलग प्रकार की खेती कर रहे है। किसान अपनी आय बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन, प्रोसेसिंग, पशुपालन एवं उद्यानिकी जैसी गतिविधियों को अपना रहे है। किसानों को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से

निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा सिंचाई का रकबा बढ़ाने के साथ ही पम्प ऊर्जीकरण के लिए 30 लाख किसानों के खेतों पर सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा गया है। रबी सीजन में सिंचाई के लिए किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। रतलाम में चंबल के पानी से सिंचाई हो रही है। नदी जोड़ो अभियान से रतलाम के किसानों के जीवन में बदलाव आएगा। एक्सप्रेस-वे के बनने से रतलाम में अच्छी बाजार व्यवस्था उपलब्ध हुई है। रतलाम के किसान बहुउद्देशीय फसलें उगाते हैं। साथ ही प्रोसेसिंग का कार्य भी करते है। रतलाम में अंगूर की खेती और अंगूर की प्रोसेसिंग का व्यवसाय भी अच्छे से चल रहा है। रतलाम स्वर्ण, सेव और उन्नत खेती के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने रतलाम की सेव के साथ ही तेल वाली कचौरी की भी तारीफ की।

उन्नतशील किसानों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद करते हुए सरकार की पीएम एफएमई योजना का लाभ लेकर घी के व्यवसाय को यूएस एवं श्रीलंका तक पहुंचाने वाले किसान दिलीप पाटीदार ने कहा कि उन्हें सरकार की योजना के अंतर्गत 30 लाख 10 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। वह बिलोना पद्धति से घी बनाते हैं, जिससे घी की शुद्धता और स्वाद अच्छा होना है जिससे देश के साथ-साथ विदेशों में भी घी की मांग बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। गुलाब की खेती करने वाले प्रवीण पाटीदार ने भी अपने अनुभव साझा किए।

अमरूद को मुंबई, दिल्ली और असम तक के बाजारों में भेजते है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरूद का उत्पादन करने वाले किसान कन्हैयालाल पाटीदार से चर्चा की। कन्हैयालाल ने बताया कि वह कम शुगर वाले वीएनआर, पिंक और रेड डायमंड किस्म के अमरूद का उत्पादन करते हैं। अमरूद को मुंबई, दिल्ली और असम तक के बाजारों में मांग के अनुसार भेजते हैं। जैविक उर्वरक के लिए रिसर्च सेंटर का संचालन करने वाली रेखा व्यास ने अपने जैविक खाद की जानकारी दी। लहसुन-प्याज का उत्पादन करने वाले किसान धर्मेंद्र जाट ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से स्थानीय मालवी भाषा में संवाद किया। कार्यक्रम में किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, आधुनिक खेती के तौर-तरीकों और कृषि के साथ-साथ पशुपालन, उद्यानिकी एवं अन्य संबद्ध गतिविधियों को अपनाकर आय के विभिन्न स्रोत विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप, विधायक जावरा डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय, विधायक रतलाम ग्रामीण मथुरालाल डामर ने भी संबोधित किया।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेसियों ने किया पुतला दहन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जो लगातार चुनाव में कथित घोघली को उजागार करते हुए केन्द्र की भाजपा सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त की मिलीभगत विधानसभा लोकसभा चुनाव में 13 करोड़ 30 लाख नाम काटे जाने का जबाब मांगते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा मांग रहे है। उसी को लेकर जंतर मंतर पर कई सासंदो के साथ प्रदर्शन कर रहे थे तब दिल्ली पुलिस ने जबरन उनकी गिरफ्तारी कर ली। उसी को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में अंबेडकर चौक पर रात्रि 10 बजे मुख्य चुनाव आयुक्त, पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं दिल्ली डीजीपी समेत चार पुतलो का दहन किया गया।

पुतला दहन करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानक पटेल ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, जब उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलना चाहा तो आकाशवाणी परिसर से उन्हे घसीटते हुए दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। क्या लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाना

सरकार की खिलाफ्त करना है। पूर्व नपाध्यक्ष मनु मिश्रा, संगठन महासचिव नितिन मिश्रा, विजय बहादुर सिंह, परम यादव, रजनी ठाकुर, रोहन पाठक, कमला निषाद, बबलू भटट, बसंत कुशवाहा, मुकेश रोहितास, दिनेश रैकवार, अभिषेक यादव, गौरव राय, पप्पू कुशवाहा, अरूण दुबे, शानु जुनेजा, रियाज खान ने भी पुतला फूंकते हुए कहा कि वर्तमान समय में राहुल गांधी ने अंधभक्त की आंखे खोल दी है किस तरह चुनाव आयोग को अपना गुलाम बनाकर ज्ञानेश कुमार लगभग कई राज्यो में भाजपा ने एसआईआर के माध्यम से वोटे कटवाकर अपनी सरकार बना ली है कई जगह तो ईव्हीएम को भी हैक करके इन्होंने हेराफेरी की है। अव वोट चोरी का मुददा खुलकर सामने आ गया तो पुलिस को आगे करके भाजपा सरकार आंदोलन को दबाना चाहती है। इस अवसर पर नगर के पार्षद अफजल खान, पप्पू कसोटया, रफीक खान, जीशान पठान, हेमराज, विन्दू पटोटया सहित अनेको कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हर नागरिक को राष्ट्र के लिए कार्य करना होगा : राज्यमंत्री लोधी

प्रधानमंत्री के उद्बोधन का हुआ सीधा प्रसारण, बदलते दौर का मध्यप्रदेश

दमोह (स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान अंर्तगत बुधवार को जिले की सभी विधानसभाओं के लिए सेवा ज्योति यात्रा विकसित भारत संकल्प सभा शहर से निकाली गई। जनप्रितिनिधियो की अगुवाई में निकली यात्रा के माध्यम से सेवाए संकल्प और विकसित भारत के संदेश को जन-जन तक पहुचाने तथा नागरिको को राष्ट्र निर्माण में सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने तक भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने और देश को विश्व में अग्रणी बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को साकार करने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक को एकजुट होकर देश, समाज और राष्ट्र की उन्नति एवं प्रगति के लिए अपना योगदान देना होगा। इस आशय के विचार संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्य विभाग राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा ज्योति यात्रा के प्रतिभागियो को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। राज्यमंत्री ने कहा भारत को विकसित और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। जब प्रत्येक नागरिक राष्ट्रहित को

प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेगा तभी विकसित भारत की संकल्पना को पूर्ण रूप से साकार किया जा सकेगा। राज्यमंत्री ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा भविष्य के भारत की नींव युवा शक्ति के कंधों पर रखी जाएगी।

विद्यार्थियों से आह्वान किया गया कि वे शिक्षा के साथ देश और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझें तथा राष्ट्र की उन्नति और प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे देश, समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने, देश की उन्नति में योगदान देने तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ें। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा किसी जननेता का कार्यकाल जब लंबा होता है तो उसका प्रत्येक कार्य सेवा के रूप में सामने आता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 13 वर्ष मुख्यमंत्री और 12 वर्ष प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करते हुए आज 7 अक्टूबर को संवैधानिक पद पर 25 वर्ष पूर्ण किए हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी संकल्प को लेकर देशभर में सेवा ज्योति यात्रा निकाली जा रही है। स्थापित किया गया संकल्प कलश युवाओं और नौजवानों को यह याद दिलाएगा कि 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर भारत को विश्वगुरु बनाना मोदी जी और 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प है। सांसद ने कहा प्रधानमंत्री के उद्बोधन से नई ऊर्जा मिली है। हम वी विल डू इट के संकल्प के साथ कार्य करेंगे और वर्ष 2047 में भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को पूर्ण करने में अपना योगदान देंगे।

विधायक जयंत मलैया ने कहा आज ही के दिन 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और आज उनके सार्वजनिक जीवन के उस सेवाकाल के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं।

बैठक निर्धारित करने के पूर्व बैठक की तिथि से जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर ली जाये : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया द्वारा लिखे गये पत्र को संज्ञान में लेते हुए जिले के समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि शासन स्तर से संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति, प्रगति एवं बैठक संबंधी जानकारी समय-समय पर दी जाये एवं बैठक निर्धारित करने के पूर्व बैठक की तिथि से जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर ली जाये। ज्ञातव्य श्री मलैया ने कलेक्टर श्री यादव से पत्र के माध्यम से कहा है प्राय: देखा गया है कि जब कभी कोई भी नियमित बैठकें अथवा शासन की नवीन योजनाओं के कियान्वयन हेतु बैठकों का आयोजन किया जाता है तो संबंधित अधिकारियों द्वारा अपने स्तर से बैठक की तिथि नियत कर ली जाती है, ऐसी स्थिति में स्थानीय जनप्रतिनिधि बैठक में निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो पाने से बैठक निरस्त कर दी जाती है। उन्होंने कहा है कि मै चाहता हूं कि किसी भी बैठक की तिथि संबंधित जनप्रतिनिधि से चर्चा करने उपरांत ही नियम की जाये ताकि बैठक में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित हो सके। पत्र में कहा गया है कुछ विभागों में शासन स्तर द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत भी नहीं कराया जाता है, अतएव ऐसे विभागों को भी संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी देने हेतु समय-समय पर बेठक आयोजित किये जाने हेतु निर्देशित किया जाये।

भूमि नामांतरण के एवज में रिश्वत मांगने वाले पटवारी धर्मेन्द्र सिंह राठौर के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राजस्व प्रशासन में अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामलों में जिला स्तर पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर सीहोर श्री बालागुरु के. ने जावर तहसील में पदस्थ पटवारी धर्मेन्द्र सिंह राठौर के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की है। यह कार्रवाई लोकायुक्त में दर्ज शिकायत और जांच में सामने आए तथ्यों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की गई है। जारी आदेश के अनुसार, पटवारी धर्मेन्द्र सिंह राठौर के विरुद्ध शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया था कि पटवारी द्वारा भूमि नामांतरण के एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। जारी आदेश के अनुसार शिकायत के सत्यापन के लिए निरीक्षक श्री मुकेश तिवारी द्वारा शिकायतकर्ता को डिजिटल वॉयस रिकॉर्डर उपलब्ध कराया गया।रिकॉर्डिंग के दौरान पटवारी द्वारा 8 हजार रुपये रिश्वत लेने पर सहमति व्यक्त की गई। इसके बाद स्वतंत्र पंच साक्षियों की उपस्थिति में रिकॉर्डेड वार्तालाप का अवलोकन कर प्रारंभिक पंचनामा तैयार किया गया और जावर जाकर ट्रेप की कार्रवाई की गई। रिकॉर्ड की गई बातचीत में रिश्वत की मांग स्पष्ट रूप से प्रमाणित हुई।ें वॉयस रिकॉर्डर और मेमोरी कार्ड का जप्ती पंचनामा तैयार कर उन्हें सीलबंद किया गया। आरोपी पटवारी की आवाज का नमूना (वॉइस सैंपल) लेकर एफएसएल भोपाल भेजा गया। एफएसएल रिपोर्ट में रिकॉर्ड की गई आवाज को पटवारी श्री राठौर की आवाज होना प्रमाणित किया गया। धर्मेन्द्र सिंह राठौर, पटवारी हल्का नंबर 24, तहसील जावर, जिला सीहोर के विरुद्ध लोक सेवक के पद का दुरुपयोग करते हुए भूमि नामांतरण के लिए 8 हजार रुपये रिश्वत की मांग करने का आरोप है। प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 19(1)(बी) एवं (सी) के प्रावधानों के तहत सक्षम प्राधिकारी की अभियोजन स्वीकृति आवश्यक होने से कलेक्टर सीहोर द्वारा पटवारी धर्मेन्द्र सिंह राठौर के विरुद्ध न्यायालय में अभियोजन चलाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

डॉ. यादव मुंबई में फार्मा, मेडिकल डिवाइस सेक्टर के उद्योगपतियों से करेंगे संवाद

सेक्टर आधारित निवेश अवसरों को उद्योगों की जरूरत से जोड़कर रोजगार के नए अवसरों पर रहेगा फोकस

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 8 अक्टूबर को मुंबई में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे। जनवरी 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले होने वाले इस संवाद में मध्यप्रदेश में विकसित किए जा रहे विभिन्न सेक्टर के औद्योगिक क्षेत्रों और उनमें उपलब्ध निवेश अवसरों को संबंधित उद्योग समूहों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी करेंगे। मुंबई देश के प्रमुख औद्योगिक और कारोबारी केंद्रों में ही नहीं है बल्कि देश की आर्थिक राजधानी भी है। यहां ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स, टेक्सटाइल्स, केमिकल्स और उभरती ऊर्जा प्रौद्योगिकियों से जुड़े बड़े उद्योग समूह हैं। मध्यप्रदेश इन क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को संबंधित कंपनियों तक पहुंचा रहा है, ताकि प्रदेश में विकसित किए जा रहे औद्योगिक अवसरों को उद्योगों की जरूरत और उनकी विस्तार योजनाओं से जोड़ा जा सके।

विशेष क्षेत्रों में निवेश के अवसर

मुंबई संवाद में ग्वालियर के टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन, नर्मदापुरम के बाबई मोहासा रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन, धार के पीएम

मित्र पार्क और उज्जैन के मेडिकल डिवाइसेज पार्क को प्रमुखता से सामने रखा जाएगा। ये परियोजनाएं अलग-अलग क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार तैयार किए जा रहे विशेष औद्योगिक क्षेत्रों का हिस्सा हैं। मध्यप्रदेश सरकार का जोर ऐसे निवेश पर है, जिससे प्रदेश में उत्पादन बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ें। बड़ी औद्योगिक इकाइयों के साथ उनके सप्लायर, सहायक उद्योग, लॉजिस्टिक्स और दूसरी सेवाओं का काम भी बढ़ता है। इससे स्थानीय उद्यमियों के लिए नए अवसर और युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं बनती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगी। इन बैठकों में कंपनियों की निवेश और विस्तार योजनाओं के साथ उनकी जरूरतों को भी समझा जाएगा। भूमि, बिजली, लॉजिस्टिक्स, कुशल मानव संसाधन, सप्लाई चेन, अनुमतियों और नीतिगत सहयोग जैसे विषयों पर सीधे चर्चा होगी। मुंबई कार्यक्रम में फार्मास्युटिकल क्षेत्र के साथ केंद्रित राउंडटेबल मीटिंग भी होगी। इसमें मध्यप्रदेश के फार्मा और हेल्थकेयर मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। उज्जैन के मेडिकल डिवाइसेज पार्क से संबंधित प्रेजेंटेशन भी उद्योग प्रतिनिधियों के दिया जाएगा। मध्यप्रदेश में विशेष क्षेत्र के अनुरूप औद्योगिक अधोसंरचना तैयार करने का उद्देश्य संबंधित उद्योगों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इससे निवेशकों को अपने क्षेत्र के अनुसार औद्योगिक आधार मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर सहायक उद्योगों और रोजगार के अवसर विकसित होने की संभावना रहेगी।

मध्यप्रदेश सरकार ने जनवरी 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों के साथ देश और विदेश के प्रमुख उद्योग समूहों से सीधा संपर्क बढ़ाया है। क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलनों के बाद अब देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में जाकर संबंधित उद्योगों से बातचीत की जा रही है।

मुंबई में भारत स्थित विदेशी मिशनों के साथ भी संवाद होगा। इसके माध्यम से मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों को अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी नेटवर्क तक पहुंचाने और विदेशी निवेशकों को प्रदेश के क्षेत्र विशेष के अवसरों से जोड़ने की संभावनाओं पर चर्चा होगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के विजन के अनुरूप मध्यप्रदेश में भी नई औद्योगिक अधोसंरचना और क्षेत्र विशेष के औद्योगिक अवसर तैयार किए जा रहे हैं। निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के साथ उद्योगों की जरूरत के अनुसार सुविधाओं और निवेश सुविधा तंत्र को मजबूत किया जा रहा है।

अभाविप तत्वावधान में मानस भवन में वीरांगना युवती सम्मेलन का हुआ आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। स्वयं की रक्षा, स्व का सम्मान के दिव्य एवं ओजस्वी भाव के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकोशल प्रांत दमोह के तत्वाधान में स्थानीय मानस भवन दमोह में वीरांगना युवती सम्मेलन का अत्यंत गरिमामयी एवं भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मां सरस्वती व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात वन्देमातरम, देशभक्ति गीतों और छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों समूह नृत्य एवं ओजस्वी कविता पा) से संपूर्ण मानस भवन राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत हो गया। इस सम्मेलन में जिले भर से आईं सैकड़ों की संख्या में छात्राओं और युवतियों की उत्साहजनक एवं गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की मुख्यवक्ता मेघा ताम्रकार ने अपने प्रभावी संबोधन में समाज में पंच परिवर्तन की आवश्यकता और महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समरसता के लिए पंच परिवर्तनकृसामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन पारिवारिक मूल्य, नागरिक कर्तव्य और स्वदेशी जीवन शैली को जीवन में अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर स्वावलंबी व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कटंगा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक MIG Sr. 32 श्री सुदीप पण्डया पिता स्व. श्री अम्बालाल पण्डया के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 11.01.1996 को आवंटी के. पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री सुदीप पण्डया पिता स्व. श्री अम्बालाल पण्डया ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 17.09.2026 के माध्यम से श्रीमती नमिता जायसवाल पति श्री सुभाष जायसवाल को विक्रय किया है। अतः श्रीमती नमिता जायसवाल पति श्री सुभाष जायसवाल द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक Jr. MIG -96 श्री शरद कुमार दुबे पिता श्री इमरत लाल दुबे एवं श्रीमती मंजू दुबे पति श्री शरद कुमार दुबे के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 28.09.2021 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री शरद कुमार दुबे पिता श्री इमरत लाल दुबे एवं श्रीमती मंजू दुबे पति श्री शरद कुमार दुबे ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 25.09.2026 के माध्यम से श्रीमती सुमन लता खरे पति श्री धीरज खरे को विक्रय किया है। अतः श्रीमती सुमन लता खरे पति श्री धीरज खरे द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद सिहोरा जिला जबलपुर (म.प्र.)

E-mail ID cmosihora@mpurban.gov.in फोन नं. 07624-230440, 230030

क्र./न.पा./2026/3233 सिहोरा, दिनांक 07.10.2022

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि न.पा. परिषद सिहोरा क्षेत्रान्तर्गत ई-टेण्डर के माध्यम से निर्माण कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से अधोलिखित विवरण अनुसार यू.ए.डी.डी. की प्रचलित दर अनुसूचि दिनांक 02 अगस्त 2021 एवं दिनांक 08/11/2025 से प्रभावशील अद्यतन आई.एस.एस.आर. के अनुसार कम/अधिक प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा क्रमांक	कार्य का नाम एवं विवरण	प्राक्कलन राशि (रु.)	धरोहर राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र शुल्क	श्रेणी	समयावधि
2026_UAD_541517_1	वार्ड क्रमांक 04, दुर्गा मंदिर (कंकाली मंदिर) के पास शेड निर्माण कार्य।	440384/-	4500/-	2000/-	New PWD Rez	03 माह

शर्तें
1. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in/की वेबसाइट पर किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।
1. निविदा हेतु वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से ई-टेण्डर में भाग लिया जा सकता है।
2. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र दिनांक 08.10.2026 सायं 5:30 बजे से 24.10.2026 सायं 5:30 बजे तक खरीदे जा सकेंगे।
3. ऑनलाइन निविदा खोलने की दिनांक 24.10.2026 समय 5:30 बजे रखी गई है।
4. अमानत राशि, हेड कॉपी केवल ऑनलाइन जमा की जानी है। निविदा खोलने की दिनांक 26.10.2026 को रखी जाएगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिहोरा
जिला जबलपुर (म.प्र.)

अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 की थीम पर हुए आयोजन

डिजिटल पोस्टर के माध्यम से छात्रों ने व्यक्त किए अपने विचार

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा के शासकीय महाविद्यालय अंतर्गत कंप्यूटर साइंस विभाग में डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता में 22 विद्यार्थियों ने भाग लिया।'छात्रों ने डिजिटल और स्मार्ट शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम यांत्रिकी आदि विचारों को डिजिटल पोस्टर माध्यम से व्यक्त किये। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. माही तिवारी, द्वितीय स्थान कु. मानसी पटैल एवं तृतीय स्थान कु. कंचन यादव ने प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक डॉ. अंजलि माण्डवे एवं सदस्य अमित साहू का योगदान रहा।

रंगोली महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा, दिए निर्देश

निगमायुक्त ने आजमाया तीरंदाजी में अपना हाथ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। 10 अक्टूबर को रानीताल खेल परिसर में भव्य रंगोली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खेल परिसर में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने स्वयं आर्चरी और लॉन टेनिस खेलकर खेलों का आनंद लिया।

राइजिंग मेन पाइप लाइन में चलेगा लीकेज सुधार का कार्य

आज शाम कई इलाकों में नहीं आएगा पानी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि रांझी जल शोधन संयंत्र के पंप हाउस के समीप 400 एम.एम. की राइजिंग मेन पाइप लाइन में लीकेज हो गया है, जिसका सुधार कार्य आज कुलीहिल, संजय नगर आधारताल, शोभापुर, संजय नगर रांझी, बजरंग नगर, मुक्तिधाम रांझी उच्चस्तरीय टंकी से जलापूर्ति अवरूद्ध रहेगी। उक्त अतिमहत्वपूर्ण कार्य के संपादन के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', जल प्रभारी दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है।

एकल और समूह गायन स्पर्धा में हितकारिणी के स्टूडेंट्स ने बांधा समा

हितकारिणी महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

जबलपुर(स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा विद्या परिषद द्वारा आयोजित हितकारिणी महोत्सव 2026 के अर्न्तगत विभिन्न साहित्यिक सांस्कृतिक आयोजनो की कड़ी में बुधवार को हितकारिणी नर्सिंग कालेज सभागार में हितकारिणी सभा द्वारा संचालित स्कूल एवं कालेजों के प्रतिभागियों के बीच एकल एवं सामूहिक गायन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एड शैलेन्द्र ठाकुर सचिव जिला अधिवक्ता परिषद उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या परिषद के सचिव जयेश सिह राठौर ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य यशवेन्द्र ठगेले उपस्थित थे। इस अवसर पर प्राचार्य नर्सिंग महाविद्यालय प्रो प्रिन्सी साजी मंचासीन रहीं। प्रतियोगिताओ में निर्णायक के रूप में संसकारधानी के वरिष्ठ कलासाधक रवि शुक्ला, दिलीप कोरी एवं आलोक वर्मा उपस्थित रहे।

समापन सत्र में ये रहे उपस्थित

समापन समारोह में मुख्य अतिथि हितकारिणी सभा की सभापति सुनयना पटेरिया उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या परिषद सचिव जयेश राठौर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में हितकारिणी इंजीनियरिंग कालेज शासी निकाय के अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने की। अतिथियों ने विजेताओं को पुरूस्कृत किया कार्यक्रम का संचालन सरिता सिंह एवं आभार प्रदर्शन संयोजक विद्या परिषद राजीव श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में हितकारिणी नर्सिंग महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ प्रिन्सी साजी एवं हितकारिणी विधि महाविद्यालय की उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा मंचासीन रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजीव श्रीवास्तव, राजेन्द्र तिवारी दिनेश ठाकुर, नरेश तिवारी, शेखर खम्परिया डॉ. अनूप तिवारी सहित सभी विद्यालयों में महाविद्यालयों के अध्यापकों का सहयोग रहा।

हितकारिणी जोंसगंज और गोविंदगंज का दबदबा

विद्यालय स्तर पर एकल गीत में हितकारिणी स्कूल जोन्सगंज ने प्रथम, हितकारिणी गोविन्द गंज ने द्वितीय एवं हितकारिणी बीएमडी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय स्तर पर सामूहिक राष्ट्रगीत में हितकारिणी स्कूल गोविन्द गंज ने प्रथम, हितकारिणी बीएमडी ने द्वितीय एवं हितकारिणी बीटी तिराहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय स्तर पर सामूहिक लोकगीत में हितकारिणी स्कूल गोविन्द गंज ने प्रथम, हितकारिणी बीएमडी ने द्वितीय एवं हितकारिणी बीटी तिराहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इंजीनियरिंग और लॉ कॉलेज प्रथम

महाविद्यालय स्तर पर एकल गीत में हितकारिणी शिक्षा महाविद्यालय को प्रथम, हितकारिणी इंजीनियरिंग महाविद्यालय को द्वितीय एवं हितकारिणी नर्सिंग कालेज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। महाविद्यालय स्तर पर सामूहिक राष्ट्रगीत में हितकारिणी विधि महाविद्यालय को प्रथम, हितकारिणी नर्सिंग महाविद्यालय को द्वितीय एवं हितकारिणी शिक्षा कालेज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। महाविद्यालय स्तर पर सामूहिक लोकगीत में हितकारिणी नर्सिंग हितकारिणी महिला महाविद्यालय को द्वितीय एवं हितकारिणी शिक्षा कालेज एवं विधि को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

3 दिन के नोटिस पर 100 बिस्तर का अस्पताल बंद कराने पर हाईकोर्ट की रोक

रीवा के आयुष्मान नर्सिंग होम प्राइवेट लिमिटेड का मामला, कार्यवाही पर सवाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रीवा के आयुष्मान नर्सिंग होम प्राइवेट लिमिटेड को मप्र हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। इस मामले में न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने 24 सितंबर के उस आदेश के प्रभाव पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी, जिसमें अस्पताल का संचालन तत्काल बंद करने के निर्देश दिए गए थे। इस मामले में अस्पताल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय के अग्रवाल और अधिवक्ता सिद्धार्थ कुमार शर्मा ने बताया कि प्रशासन ने कथित कमियों को लेकर केवल 3 दिन का अस्पष्ट नोटिस दिया और जवाब पर विचार किए बिना अस्पताल बंद करने का आदेश जारी कर दिया। याचिका के अनुसार 23 सितंबर की रात कलेक्टर, एसपी, सीएमएचओ, एसडीएम सहित अधिकारियों ने अस्पताल का निरीक्षण किया था।

अस्पताल में भर्ती थे कई मरीज

इस दौरान अस्पताल ने दावा किया कि कार्यवाही में मप्र उपचारगृह तथा रुजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम, 1973 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। अस्पताल में लगभग 30 मरीज भर्ती होने और यह 100 बिस्तर का अस्पताल होने की जानकारी भी कोर्ट को दी गई। इधर राज्य की ओर से कहा गया कि बंद करने का आदेश लागू नहीं किया गया है और अस्पताल संचालन कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने रिकार्ड में तत्काल बंद करने के स्पष्ट निर्देश का हवाला देते हुए इस आश्वासन को पर्याप्त नहीं माना। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक अस्पताल बंद नहीं करने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस महानिदेशक को अस्पताल और समीप स्थित सरदार पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने व रीवा सीएमएचओ को पूरी कार्रवाई का रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश दिए। कलेक्टर से विस्तृत हलफनामा और राज्य से 2 सप्ताह में जवाब मांगा गया है।

मशाल प्रज्वलित कर रवाना हुई सेवा ज्योति कलश यात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्पत अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवाए सुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जिले की सभी आठों विधानसभा क्षेत्र में सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ सिविक सेंटर से लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मशाल प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए यात्रा वाहनों को रवाना किया गया। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने अपने स्कूल जीवन से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक के सफर और जनसेवा के अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नूप, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणीए, डॉ अभिलाष पांडे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, नगर भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर से मुंबई के लिए सीधी उड़ान, इधर इंदौर के यात्रियों को मिला झटका

इंडिगो ने जारी किया शेड्यूल, जबलपुर-इंदौर फ्लाइट का उल्लेख नहीं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी को एक बार फिर आर्थिक राजधानी मुंबई से सीधी विमान सेवा मिलने जा रही है। दरअसल इंडिगो एयरलाइंस ने 25 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक का विंटर फ्लाइट शेड्यूल जारी किया है। इसमें जबलपुर-मुंबई के बीच रोजाना सीधी उड़ान को शामिल किया गया है, जबकि नवी मुंबई की सेवा शेड्यूल से बाहर हो गई है। दूसरी ओर, नए शेड्यूल में जबलपुर-इंदौर के बीच संचालित सीधी विमान सेवा का कोई उल्लेख नहीं है। इससे इंदौर के लिए जबलपुर से संचालित विमान सेवा 25 अक्टूबर से बंद होने की स्थिति साफ हो गई है। इंडिगो के नए शेड्यूल में जबलपुर से दिल्ली के लिए 2, बेंगलुरु, हैदराबाद और

मुंबई के लिए एक-एक उड़ान रखी गई है। सभी उड़ानों का संचालन प्रतिदिन होगा। इसके विपरीत वर्तमान में जबलपुर और इंदौर के बीच उपलब्ध सीधी हवाई कनेक्टिविटी को नए विंटर शेड्यूल में जगह नहीं दी गई है। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार किसी रूट का नए शेड्यूल में शामिल नहीं होना सेवा जारी नहीं रहने का संकेत है। जबलपुर-इंदौर सीधी विमान सेवा बंद होने से दोनों शहरों के बीच नियमित यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ा झटका लगेगा। इंदौर में पढ़ाई और नौकरी करने वाले जबलपुर के युवा, कारोबारियों के साथ नौकरीपेशा लोगों के लिए यह सेवा खास तौर पर उपयोगी थी। इंडिगो के नए शेड्यूल में जबलपुर-मुंबई के बीच सीधी उड़ान फिर शामिल की गई है। इंडिगो की फ्लाइट रात 7.40 बजे जबलपुर से मुंबई के लिए रवाना होगी और मुंबई से आने वाली फ्लाइट रात 7.10 बजे जबलपुर पहुंचेगी। दोनों उड़ानें रोज संचालित होंगी। इससे मुंबई जाने वाले यात्रियों को एक बार फिर सीधी हवाई सुविधा मिलेगी।

कई किमी तक पीछा कर पुलिस ने पकड़ी 10 लाख की अवैध शराब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संजीवनी नगर थाने की पुलिस ने मंगलवार रात पुलिस ने कटनी से बाइपास होते हुए लाई जा रही अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी। बताया जा रहा है कि रात के समय पुलिस ने मुखबिर के बताए वाहन को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक स्पीड बढ़ाकर भाग निकला। पुलिस ने करीब 5 किलोमीटर तक पीछा किया और नागपुर रोड पर पिकअप वाहन को पकड़ लिया। इस मामले में सीएसपी एमएस नगोतिया को सूचना मिली थी कि पिकअप से शराब लाई जा रही है। इसके बाद अंधमूक बाइपास पर पुलिस ने घेराबंदी की। इसी बीच पिकअप खजरी खिरिया-कटनी रोड से धनवंतरी नगर बाइपास की ओर आ रही थी। पुलिस ने वाहन को रोककर तलाशी ली। इस दौरान उसमें सवार दो अज्ञात व्यक्ति मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पिकअप और शराब जब्त कर जांच शुरू कर दी है। सीएसपी गोरखपुर एमडी नागोतिया ने बताया कि वाहन चालक और मालिक की तलाश की जा रही है।

व्हीकल फैक्ट्री के पास मिला संदिग्ध, खुद को बताया पाकिस्तानी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। व्हीकल फैक्ट्री के पास बुधवार सुबह संदिग्ध हालत में घूम रहे युवक के मिलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि युवक खुद को पाकिस्तानी बता रहा था। जिसके बाद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इधर मौके पर पहुंची रांझी पुलिस को युवक की पहचान शिवम पाठक निवासी हरदौल उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। इससे पहले स्थानीय लोगों ने युवक को घेरकर पूछताछ की थी। उस दौरान उसने कभी अपना नाम हामिद अंसारी तो कभी शिवा बताया और खुद को पाकिस्तान के रावलपिंडी का रहने वाला बताया था। इसके बाद लोगों ने रांझी पुलिस को सूचना दी। इस मामले में घमापुर निवासी आशीष प्रजापति ने बताया कि वे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। गोकलपुर के पास भीड़ देखकर रुके तो कुछ लोग एक युवक को घेरे हुए थे। आशीष के मुताबिक युवक जिस जगह मिला, वह डिफेंस संस्थान के नजदीक है। उसके खुद को पाकिस्तान का निवासी बताने पर लोगों ने मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने युवक पर मंदिर के पास पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने का आरोप भी लगाया है। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। पुलिस के मुताबिक शिवम मानसिक रूप से विक्षिप्त है। पुलिस ने उसके परिवार से संपर्क किया तो पता चला कि वह पहले भी कई बार घर से भाग चुका है। कुछ माह पहले वह राजस्थान चला गया था। परिजनों ने तलाश करने के बाद उसे वापस घर लाया था। रांझी थाने की पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

वोट बचाओ-देश बचाओ के आह्वान के साथ कांग्रेसियों ने निकाला पैदल मार्च

पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर लगाए नारे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

वोट बचाओ-देश बचाओ के आह्वान के साथ बुधवार को सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसियों ने उपस्थित होकर पैदल मार्च निकाला। जिला कांग्रेस कमेटी शहर के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने बताया कि लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा के मुद्दे को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बुधवार को 'वोट बचाओ-देश बचाओ' के आह्वान के साथ पैदल मार्च निकाला गया । इस दौरान बड़ी संख्या में शामिल इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां, झंडे और लोकतंत्र की रक्षा से जुड़े संदेश लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर अपनी चिंताएं जनता के सामने रखीं।पैदल मार्च की शुरुआत गांधी प्रतिमा टाउन हॉल महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए लोकतंत्र, अहिंसा, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारत का लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक

नागरिक को समान रूप से अपनी सरकार चुनने का अधिकार देता है। इसलिए मतदाताओं के अधिकारों और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता की रक्षा करना राजनीतिक दलों के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मार्च के दौरान ज्ञानेश कुमार, अमित शाह और नरेंद्र मोदी के पुतलों का दहन कर इंडिया गठबंधन के नेताओं एवं। इस दौरान में विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक तरुण भनोट, दिनेश यादव, अमरीश मिश्रा, चिंटू चौकसे, गीता तिवारी आदि शामिल रहे।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में जमकर हुआ प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शाहपुरा में युवा कांग्रेस बरगी विधान सभा व नगर कांग्रेश के नेतृत्व में चुनाव आयोग प्रभुख ज्ञानेश कुमार के पुतले का दहन कर नकली नोटो की माला पहनाई गई। युवा कांग्रेस बरगी विधान सभा अध्यक्ष विवेक सिंघई ने बताया कि बीजेपी भारत का संविधान बदलने की कोशिक कर रहे हे ओर राहुल गांधी को जिस प्रकार गिरफ्तार किया है। यह सब संविधान के विरुद्ध हे राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया है। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष नीलेश जैन, विवेक सिंघई, जनपद उपाध्यक्ष प्रमोद शुक्ला, नान्ना राय, राम बाबू सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुकुट पूजन के साथ हुआ गढ़ा रामलीला का भव्य शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

श्री रामलीला समिति गढ़ा द्वारा आयोजित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मानव लीला के 60वें मंचन महोत्सव का भव्य एवं आध्यात्मिक शुभारंभ 7 अक्टूबर को रात्रि 9 बजे हुआ। संतों के आशीर्वाद, वैदिक परंपराओं और सनातन संस्कृति की गरिमामयी उपस्थिति के बीच हुए इस आयोजन ने श्रद्धालुओं को भक्तिमय वातावरण से अभिभूत कर दिया। कार्यक्रम में जगद्गुरु नृसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नृसिंहदेवाचार्य महाराज, मुख्य अतिथि मंत्री राकेश सिंह, विशिष्ट अतिथि देवज्ञ पंडित अरुण शर्मा एवं अजेत प्रताप सिंह आदि

उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नरसिंह पीठाधीश्वर स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज द्वारा मुकुट पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात रामलीला समिति के संचालक पंडित अशोक मनोध्याय, निर्देशक एवं अध्यक्ष राजेश मिश्रा आदि ने संत अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

10 को होगा वनमाली सप्रे स्मृति संगीत समारोह का आयोजन

जबलपुर(स्वतंत्र मत)। शहीद स्मारक सभागृह में शनिवार दिनांक 10 अक्टूबर सायं 06.30 बजे से वनमाली सप्रे स्मृति संगीत महोत्सव (तृतीय वर्ष) का कार्यक्रम रखा गया है। सप्रे परिवार के प्रोफेसर अखिलेश सप्रे ने बताया की शास्त्रीय संगीत के संवर्धन, उन्नयन एवं जागरूकता की दृष्टि से आयोजन आर्ट हब संस्था के सहयोग से किया गया है। कार्यक्रम में इस वर्ष विख्यात सितार वादक असीम चौधरी (कोलकाता) का सितार वादन, उनके साथ संगत मुंबई के श्री यशवंत वैष्णव करेगे।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic
RUBY - NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX

DRISHYAM THE CONCLUSION (HINDI)	9:30 AM, 10:30 AM, 12:30 PM, 1:30 PM, 3:30 PM, 4:30 PM, 6:30 PM, 7:30 PM, 9:30 PM & 10:30 PM; RUBY 11:00 AM, 1:30 PM, 4:15 PM, 6:15 PM; RUBY 7:00 PM, 9:00 PM, 9:45 PM
THE VVAAN (HINDI)	10:10 AM, 1:00 PM & 10:00 PM
VERITY (ENG) (A-18+)	RUBY 1:45 PM & 4:00 PM
HANUMAN ANSH (HINDI)	4:00 PM & 7:00 PM
PREM KEETANU (HINDI)	RUBY 11:00 AM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC now with 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**